फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 180 प्रभात जयपुर, मंगलवार 31 जनवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The love for cricket a family passion

It is a pity that the Mayo College has now done away with the Panchranga. Colour is a special characteristic of Rajasthan.

Green Door Arts Week

Maah Space, which is a movement arts and performance space in Jaipur.

चीता धरती का सबसे तेज रफ्तार जानवर है लेकिन इसके आवासीय क्षेत्र में भारी कमी आ रही है और गत कुछ दशकों से इनकी आबादी में भी भारी कमी हुई है। इसलिए इनके संरक्षण के विभिन्न उपायों पर काम करना बेहद आवश्यक है। जर्नल ऑरिक्स में चीता कंज़र्वेशन फंड (सी.सी.एफ.) द्वारा प्रकाशित एक शोध में अनाथ चीतों के पुनर्वास प्रौजैक्ट के रिज़ल्ट का अध्ययन किया गया है। सी.सी.एफ. ने 2002 से 2018 के बीच नामीबिया में यह कार्यक्रम चलाया था। वर्ष 2002 से 2012 के बीच, मानव-वन्यजीवन टकराव के कारण अनाथ हुए 86 युवा चीतों को प्रोजैक्ट में शामिल किया गया। इनमें से 36 का 2004 से 2018 के बीच जंगल में पुनर्वास किया गया। छः महीने से अधिक उम्र के चीतों ने जंगल में अपनी माँ के साथ अधिक समय बिताया था और उनसे सरवाइवल के गुर सीखे थे। लेकिन इससे कम उम्र वाले, तीन से पांच माह के चीतों को बड़ी उम्र के चीतों के साथ रखा गया। सी.सी.एफ. की डायरैक्टर लॉरी मार्कर ने कहा, अगर चीते को बहुत कम उम्र में लाकर उम्रदराज चीते के साथ रखा जाए तो उनका परिवार जैसा बंधन बन जाएगा। शोध के अनुसार, ऐसे चीतों की, जंगल में सरवाइवल की संभावना एकल चीतों की तुलना में अधिक देखी गई। शोधकर्ताओं ने जिन 36 चीता शावकों का पुनर्वास किया उनमें से 27 चीते आत्मनिर्भर बन गए थे, पर 8 ऐसा नहीं कर पाए, उन्होंने शिकार में कोई रूचि नहीं दिखाई तथा एक को तो लैपर्ड ने मार डाला। इन चीतों को वापस संरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया। लॉरी मार्कर पुनर्वास के बाद निगरानी रखने पर विशेष जोर देती हैं, उन्होंने जी.पी.एस. और ट्रैकिंग कॉलर्स से इनकी निगरानी की और जब तक ये नियमित रूप से शिकार नहीं करने लगे तब तक इन्हें भोजन भी उपलब्ध करवाया गया। मार्कर कहती हैं कि इनका कहां पुनर्वास किया जाए यह सोचना भी महत्वपूर्ण है। भोजन, पानी की पर्याप्त व्यवस्था होने के साथ ही इनकी रेंज भी पर्याप्त रूप से विशाल होनी चाहिए ताकि ये आराम से घूम सकें।

यात्रा के समापन के बाद, अब राहुल कांग्रेस के समक्ष प्रस्तुत समस्याओं और संकटों को संबोधित करेंगे

इन समस्याओं व संकटों की सूची में राजस्थान सबसे ऊपर है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

श्रीनगर, 30 जनवरी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा आज भारी बर्फबारी के बीच खत्म हुई। इसका समापन शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में हुआ।

उम्मीद है कि राहुल अब उन कई समस्याओं पर फोकस करेंगे, पार्टी जिनका सामना कर रही है और उन महत्वपूर्ण रिक्त पदों की नियुक्तियों पर भी ध्यान देंगे। इनमें से एक प्राथमिकता राजस्थान है।

मजेदार बात यह है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तबियत खराब होने की वजह से श्रीनगर नहीं पहुंच सके। बताया जाता है कि उनके फेफड़े में एक चकत्ता है और वे निमोनिया से ग्रस्त हैं। इसके एक दिन पहले उनके ड्रिप चढ़ी थी तब डोटासरा और रंधावा उनकी कुशलक्षेप पूछने गए थे।

गहलोत की तबियत पिछले कुछ समय से ठीक नहीं है और यह चिंता का विषय है कि मुख्यमंत्री कुछ समय से बीमार चल रहे हैं।

इसके अलावा सचिन पायलट भी श्रीनगर नहीं जा सके क्योंकि भारी बर्फबारी और पुअर विज़ीबिलिटी के कारण आज सुबह फ्लाइट्स रवाना नहीं हुईं।

- **पर, अजीब विडम्बना है, राजस्थान के दो बड़े नेता, गहलोत व पायलट, समापन समारोह में नहीं पहुंच पाये।**
- **गहलोत निमोनिया के कारण व पायलट फ्लाइट रद्द हो जाने की वजह से।**
- **श्रीनगर में हो रहे हिमपात के कारण, श्रीनगर से कोई भी फ्लाइट ''टेक ऑफ'' भी नहीं कर पायी तथा राहुल व प्रियंका श्रीनगर में ही अटके रहे।**
- **ममता बनर्जी व अखिलेश यादव ने स्वेच्छा से समापन समारोह में भाग न लेने का निर्णय लिया, परन्तु कई अन्य राजनीतिक दल, जैसे एन.सी.पी. फ्लाइट रद्द हो जाने के कारण श्रीनगर नहीं आ सके।**

कांग्रेस पार्टी के नेता श्रीनगर आए क्योंकि सी.डब्ल्यू.सी. सदस्यों और पार्टी सांसदों को यात्रा के समापन के मौके पर बुलाया गया था, लेकिन राजस्थान में कांग्रेस के दोनों ही शीर्ष नेता कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके।

राहुल और प्रियंका गांधी सहित जितने भी नेता वहां आए थे, वे श्रीनगर से रवाना नहीं हो सके क्योंकि भारी हिमपात के कारण सभी फ्लाइट्स कैंसिल हो गई थी।

जहां तक विभिन्न विपक्षी पार्टियों के नेताओं का सवाल है तो सिर्फ आठ पार्टियों के नेताओं ने ही श्रीनगर की रैली में भाग लिया।

ममता बनर्जी, अखिलेश यादव व कुछ अन्य जैसे नेता जान बूझकर शरीक नहीं हुए, जबकि एन.सी.पी. व अन्य पार्टियों के नेता फ्लाइट्स कैंसिल हो जाने के कारण श्रीनगर नहीं पहुंच सके।

नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्षी पार्टियों के प्रस्तावित गठबंधन पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है।

समझा जाता है कि विपक्षी एकता का पूरा प्रश्न ही खटाई में पड़ चुका है।

राहुल गांधी ने हिंसा और हिंसा के दर्द को लेकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि किसी मां के पास यह फोन कॉल आए कि उसका पुत्र मारा गया है। उन्होंने कहा कि ना तो किसी कश्मीरी के पास, ना ही किसी सी.आर.पी.एफ. कर्मी और ना ही किसी सामान्य जन के पास मौत से संबंधित कोई कॉल आना चाहिए।

राहुल ने अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण की है और अब समय है वास्तविक राजनीति के मुद्दों पर वापस आने का और पार्टी को पुनः पटरी पर लाने का, क्योंकि इस वर्ष कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

अडानी ग्रुप की स्टॉक मार्केट में भारी नुकसान की छाया रहेगी बजट पर

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक ने अपने लोकसभा एवं राज्यसभा सदस्यों से कहा है कि वे 1 फरवरी से शुरु हो रहे संसद के बजट सत्र के दौरान राज्य केन्द्रित-मुद्दों तथा केन्द्र सरकार से मिलने वाली लम्बित पड़ी राशि तथा बकाया राशि, जिनके कारण तमिलनाडु पर कर्ज हो गया है, पर फोकस करें।

- **सोमवार को बजट पेश होने से पहले आयोजित सर्व दलीय बैठक में डी.एम.के. पार्टी के नेताओं ने मामला उठाया व संसद में इस मुद्दे पर बहस की मांग की।**
- **डी.एम.के. पार्टी, कांग्रेस व विपक्ष की अन्य पार्टियों से तालमेल बिठाने की कोशिश में है कि, अडानी ग्रुप की कमजोरियों व गैर कानूनी हरकतों को संसद में उठाया जाए, जिन्हें अमेरिका के थिंक टैंक व रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने हाल ही में उजागर किया है।**

द्रमुक अध्यक्ष तथा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने दोनों सदनों के पार्टी सांसदों से कहा कि वे बी.बी.सी. डॉक्यूमैन्ट्री पर लगाये गये प्रतिबंध तथा अडाणी ग्रुप के कथित छलकपट एवं धोखाधड़ी भरे कार्यों के कारण पैदा हुये मुद्दों को लेकर सरकार को घेरे। उन्होंने कहा कि ये दोनों मुद्दे केन्द्र सरकार को घेरने के काम आ सकते हैं।

वस्तुतः द्रमुक कांग्रेस तथा विपक्षी दलों को चिनगारी प्रदान कर रही है क्योंकि उनके पास अर्थव्यवस्था की दशा महँगाई जैसे मुद्दों पर सरकर को घेरने के लिये बारूद तो तैयार है तथा इसके साथ ही, अडाणी मुद्दा भी सही वक्त पर उनके हाथ लग गया है। सोमवार को हुई सर्वदलीय मीटिंग में, द्रमुक सदस्यों ने अडाणी का मुद्दा उठाया तथा बजट सत्र में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की माँग की।

दरअसल, स्टालिन ने रविवार को चेन्नई में एक मीटिंग ली थी, जिसमें सभी पार्टी सांसदों को निर्देश दिये थे कि वे बजट सत्र के दौरान, संसद में ठोस मुद्दे उठायें, तमिलनाडु से संबंधित मुद्दे तथा बकाया धनराशियों एवं उन योजनाओं से संबंधित मुद्दे उठायें, जो केन्द्र सरकार के पास क्रियान्वयन की प्रतीक्षा में हैं।

स्टालिन ने बी.बी.सी. द्वारा रिलीज की गई ''2002 की गुजरात हिंसा'' पर बनी डॉक्यूमैन्ट्री पर प्रतिबंध से संबंधित विवाद, भारतीय स्टॉक मार्केट में अडाणी ग्रुप को हुये नुकसान की रिपोर्ट का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि संविधान की मूलभूत रीति-नीति एवं लक्षणों को बदलने की भाजपा की कथित कोशिशों को लेकर सरकार से प्रश्न किये जावें। उन्होंने कहा कि इस बदलाव की कोशिशें कुछ विशेष वर्गों द्वारा की जारी अनावश्यक टिप्पणियों में साफ तौर पर देखे जा सकते हैं तथा इन कुछ वर्गों में भारत के उपराष्ट्रपति भी शामिल हैं। स्टालिन ने सांसदों से यह भी कहा कि वे उन पत्रों की स्थिति (स्टेट्स) भी मालूम करें जो मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार को लिखे थे।

उन्होंने कहा कि पार्टी सांसद तमिलनाडु सरकार के उस विधेयक पर सरकार की प्रतिक्रिया भी जानें, जिसमें नीट से छूट देने का प्रावधान किया गया है। वे मालूम करे कि क्या राष्ट्रपति तमिलनाडु सरकार द्वारा पारित इस विधेयक पर अपनी सहमति प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी सांसद श्रीलंका सरकार द्वारा तमिल मछुआरों पर किये जा रहे हमलों तथा उनकी गिरफ्तारी पर भी सरकार की प्रतिक्रिया मालूम करें कि भारतीय मछुआरों की नावों को जब्त किये जाने की श्रीलंकाई सेना की गैरकानूनी कार्यवाही को रोकने के लिये सरकार क्या कर रही है।

केन्द्र सरकार राज्य में कई प्रोजैक्ट शुरु कर रही है। द्रमुक सांसदों से कहा गया कि मदुरई हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का रूप देना, मदुरई में एम्स की स्थापना तथा सेतु समुद्र प्रोजैक्ट के क्रियान्वयन की घोषणा किये जाने के मामलों में हुई का रिकॉर्ड रखें।

उन्होंने सांसदों से कहा कि केन्द्र सरकार के दफ्तरों तथा तमिलनाडु में स्थित केन्द्र सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों तथा अन्य ऐसे ही क्षेत्रों में तमिलनाडु के युवकों को रोजगार के अवसर देने के मुद्दे भी बजट सत्र में उठाये जायें।

बजट सत्र से पहले, सोमवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऐसा फोन किसी को भी न आए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का कहना है कि वे नहीं चाहते कि ऐसा फोन कॉल किसी के पास आये, जैसा उन्हें उस समय मिला था, जब वे स्कूल में थे तथा उनकी उम्र मात्र 14 वर्ष थी। उस महिला ने फोन पर राहुल को बताया था कि उनकी दादी (इंदिरा गांधी) को गोली मार दी गई है।

- **राहुल गांधी ने कश्मीर में कहा कि, तब वे 14 साल के थे, जब उनके स्कूल में फोन आया कि, उनकी दादी की हत्या कर दी गई है, ऐसे फोन कॉल्स की पीड़ा सैनिकों के परिवार वाले, कश्मीर के लोग समझ सकते हैं, शाह या डोवाल नहीं।**

श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा की समापन सभा को संबोधित करते हुये, राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री, अमित शाह तथा अजित डोवाल इस (दर्द को) नहीं समझ सकते, इसे केवल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस विधायकों ने स्वेच्छा से नहीं दिए थे इस्तीफे, इसलिए किए गए अस्वीकार'

विधानसभा सचिव की ओर से राजस्थान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत इस जवाब के बाद कांग्रेस में उठ सकते हैं कई सवाल

जयपुर, 30 जनवरी (का.प्र.)। कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे से जुड़े मामले में विधानसभा सचिव ने सोमवार को हाईकोर्ट में जवाब पेश किया, जिसमें कहा गया कि 81 विधायकों ने 13 जनवरी 2023 को स्पीकर के समक्ष उपस्तित होकर कहा कि उनकी ओर से पूर्व में दिए गए इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिए गए थे। यह एक ऐसा चौंकाने वाला जवाब है, जिसके बाद कांग्रेस की राजनीति में एक बार फिर भूचाल आ सकता है। विधानसभा सचिव की ओर से पेश किए गए जवाब के बाद अब इस बात पर बहस छिड़ सकती है कि विधायकों के इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिए गए थे, तो आखिरकार किसने दबाव डालकर विधायकों को इस्तीफे देने पर मजबूर किया था।

उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर 2022 को राजस्थान विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी और इसके लिए कांग्रेस की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे को पर्यवेक्षक बनाया गया था, वही प्रभारी के तौर पर अजय माकन जयपुर आए थे। उस दौरान बड़ी संख्या में विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर संसदीय मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर समानान्तर बैठक की थी, जिसमें मुख्य सचेतक महेश जोशी भी मौजूद थे। इस बैठक के बाद देर रात को सभी विधायक एक बस में बैठकर विधानसभा अध्यक्ष के घर गए थे, जहां इस्तीफे दिए गए थे और कहा गया था कि 91 विधायकों ने इस्तीफे दिए हैं। इस प्रकरण के बाद में कांग्रेस की ओर से शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ को अनुशासनहीनता के मामले में नोटिस भी दिया गया था। इस मामले पर भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन दिए थे और जानकारी देने की मांग की थी, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया, इसके बाद उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

- **पहला सवाल है कि, अगर इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिए थे, तो किसका दबाव था जिसके कारण 81 विधायकों ने अधिकृत बैठक का बहिष्कार किया और समानान्तर बैठक करने के बाद किसके दबाव में एक बस में बैठकर विधानसभा अध्यक्ष के घर गए।**
- **दूसरा सवाल है, यदि विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफे नहीं दिए थे तो वापस लेने में 3 महीने से ज्यादा का समय क्यों लगा।**

इस याचिका में अब विधानसभा सचिव की ओर से यह जवाब पेश किया गया है कि 81 विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफे नहीं दिए थे और व्यक्तिगत रूप से 6 विधायकों ने सभी के इस्तीफे दिए थे। जबकि 25 सितंबर की रात इस्तीफा देने वाले सभी विधायक एक बस में बैठकर विधानसभा अध्यक्ष के निवास पर गए थे। विधानसभा सचिव के इस जवाब के बाद कई सवाल उठ सकते हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सन् 1962 और 2020 के बीच कोई तुलना नहीं है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पर प्रहार करने वाली विदेश मंत्री एस. जयशंकर की हालिया टिप्पणियां मोदी सरकार की विफल चीन नीति से ध्यान हटाने का सिर्फ एक नवीनतम प्रयास है क्योंकि हाल ही में सबसे महत्वपूर्ण रहस्योद्घाटन सामने आया है कि मई 2020 से लद्दाख के कुल 65 पैट्रोलिंग पॉइन्ट्स में से 26

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा , सन् 1962 में हमने अपनी भूमि की रक्षा के लिए युद्ध लड़ा था और 2020 में हमने अपनी ज़मीन पर चीन का अतिक्रमण स्वीकार कर लिया है।**

'मुझे चेताया गया था, कश्मीर में मेरे पर हमला हो सकता है'

राहुल गांधी ने यात्रा के समापन समारोह में कहा, 'पर मुझे ''ग्रैनेड'' (हथ गोले) नहीं, दिल दिया प्रेम भरा'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। पाँच माह तक चली जबरदस्त सफल भारत जोड़ो यात्रा के समापन संबोधन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यद्यपि उन्हें चेतावनी दी गई थी कि कश्मीर में उन पर हमला हो सकता है लेकिन ''यहाँ के लोगों ने मुझे हथगोले नहीं, बल्कि प्रेम से भरे हृदय दिये।'' उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता इस तरह नहीं घूम सकते, इसलिये नहीं कि लोग उन्हें घूमने नहीं देंगे, बल्कि इसलिये, कि ''वे भयभीत हैं।''

अपने पिता राजीव गांधी तथा दादी इंदिरा गांधी की हत्या का स्मरण करते हुये, उन्होंने किसी अपने को खोने के दर्द के बारे में उन्होंने कहा कि वे (राहुल) उन लोगों का दर्द समझते हैं जिन्होंने पुलवामा हमले में उनके अपनों को खोया था, क्योंकि उन्होंने हिंसा को और हत्या को बहुत नजदीक से देखा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आर.एस.एस. के नेता, जैसे प्रधानमंत्री मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह उन लोगों के दर्द को नहीं समझ सकते, जिनके परिजन मार डाले गये, क्योंकि उन्होंने ऐसा होते नहीं देखा।

अवसर के अनुकूल परम्परागत कश्मीरी परिधान पहने तथा नीली टोपी लगाये हुये, राहुल गांधी ने कहा कि ''मैंने यह यात्रा अपने लिये या कांग्रेस के लिये नहीं की। इसका उद्देश्य एक ऐसी विचारधारा के विरुद्ध खड़ा होना है जो देश की बुनियाद को नष्ट कर देना चाहती है।''

इसे स्पष्ट करते हुये उन्होंने कहा कि ''भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य देश की उदार एवं धर्मनिरपेक्ष प्रवृत्ति को बचाना है, जो उनके अनुसार, भाजपा और आर.एस.एस. के हमलों का सामना कर रही है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने पैदल चलने पर जोर इसलिये दिया क्योंकि ''मेरे परिवार और (महात्मा) गांधी ने निर्भय होकर जीना सिखाया है, अन्यथा तो जीवन, जीवन ही नहीं है।''

गांधी ने कहा कि उन्हें उस क्षेत्र में, जहाँ उनकी यात्रा का अंतिम चरण गुजरा है, ''पूरे अन्तरतम का प्रेम'' मिला है।

श्रीनगर की बर्फबारी के बीच, भारत जोड़ो यात्रा के चरम बिन्दु पर, विपक्षी दलों के नेता भी राहुल गांधी से जुड़ गये। द्रमुक, एन.सी., पी.डी.पी., सी.पी.आई., आर.एस.पी. तथा आई.यू.एम.एल. के नेता यात्रा के समापान के समय मौजूद थे। राष्ट्रीय जनता दल, मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा तथा शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेताओं का भी आना तय था लेकिन वे घाटी में भारी हिमपात के कारण हवाई तथा सड़क यात्रा में आये अवरोधों के कारण नहीं पहुँच सके।

समापन सभा में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ''भारत जोड़ो यात्रा चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि नफरत एवं द्वेष के खिलाफ थी।''

सोमवार को यात्रा के समापन समारोह को संबोधित करते हुये, पी.डी.पी. अध्यक्ष तथा जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पूरा देश इस कांग्रेस नेता में आशा की एक किरण देख रहा है। नैशनल कॉन्फ्रैंस नेता उमर अब्दुल्ला ने गांधी से कहा कि वे भारत के पश्चिमी तट से पूर्वोत्तर सीमा तक की एक पदयात्रा और करें।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि देश के प्रत्येक हिस्से के लोग उनके भाई के समर्थन-सहयोग के आगे आये।

उन्होंने कहा, ''मैं यहाँ खड़े होकर कह सकती हूँ कि देश में चल रही राजनीति इस प्रकार की है, जिससे देश का भला नहीं हो सकता।----ऐसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राहुल गांधी ने मंच से यह भी कहा कि, यात्रा का ध्येय था, भारतीय संस्कृति की उदारवादी व धर्म निरपेक्ष सोच व आत्मा की रक्षा करना, जो लगातार भाजपा व संघ के प्रहारों से हताहत हो रही है।**
- **कांग्रेस पार्टी के महासचिव (संगठन) वेणुगोपाल ने समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''भारत जोड़ो यात्रा का द्वितीय चरण भी जरूर आयोजित होगा। हम सभी यह निश्चित करने में जुटे हैं, पर द्वितीय चरण कहाँ-कहाँ होकर और कैसे गुजरेगा।**
- **डी.एम.के., नैशनल कॉन्फ्रैंस, पी.डी.पी., सी.पी.आई., आर.एस.पी. के नेता यात्रा के समापन समारोह में मौजूद रहे, जबकि आर.जे.डी., सी.पी.आई. (मार्क्सवादी) झारखण्ड मुक्ति मोर्चा व शिव सेना के उद्धव ठाकरे खेमे के नेता, पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार श्रीनगर नहीं पहुंच सके, भारी हिमपात के कारण सड़क मार्ग व हवाई सेवा बाधित होने की वजह से।**

'समय की बर्बादी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। केन्द्रीय कानून मंत्री किरन रिजीजू ने सोमवार को कहा वर्ष 2002 के गुजरात दंगों पर बनी बी.बी.सी. की डॉक्युमैंट्री के खिलाफ दायर याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट के कीमती समय की बरबादी हैं।

- **कानून मंत्री किरन रिजिजू ने यह बात बी.बी.सी. की मोदी पर बनी डॉक्युमैन्टरी के खिलाफ केस करने के मुद्दे पर कही।**

उन्होंने कहा, ''इस तरह से वे कोर्ट का कीमती समय खराब करते हैं जबकि हजारों आम नागरिक न्याय के लिए इंतज़ार कर रहे हैं।

विचार बिन्दु

गुरु का भी दोष कह देना चाहिए। –स्वामी रामतीर्थ

बैन और बहिष्कार- बेमानी, बेअसर

भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा हाल ही में यह बयान दिया गया कि बॉयकॉट या बहिष्कार माहौल को खराब करने का काम करते हैं।

यह बात उन्होंने कुछ हिंदू संगठनों के द्वारा फिल्म 'पठान' का विरोध करते हुए इसका बहिष्कार करने के सन्दर्भ में कही । कभी-कभी, सही बात भी सत्ताधारी दल के नेताओं के मुंह से निकल जाती है। यह उसी का उदाहरण है। इस बयान हेतु अनुराग ठाकुर को बहुत-बहुत धन्यवाद कि उन्होंने जनता के मन की बात कह दी है, चाहे वह अनजाने में ही कही हो । यह बयान कितना सच है, यह कुछ उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा।

'पठान' फिल्म का विरोध कई हिंदूवादी संगठनों द्वारा इस आधार पर किया गया कि इसमें दीपिका पादुकोण ने केसरिया रंग की बिकनी पहन कर अश्लील डांस किया, जिससे हिन्दुओं की भावना आहत हुई है। यह उल्लेखनीय है कि इस फिल्म के नायक शाहरुख खान हैं जो अपने बेबाक बयानों के लिए पहले भी विवादों में आ चुके हैं।

यह उल्लेखनीय है कि किसी भी फिल्म को प्रदर्शन हेतु प्रमाणित करने की जिम्मेदारी, सेंसर बोर्ड या प्रमाणीकरण बोर्ड को दी गई है। इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए हुए हैं कि फिल्म में क्या दिखाया जा सकता है और क्या नहीं। आपत्ति होने पर कुछ दृश्यों को हटाने के लिए निर्माता को कहा जाता है। सेंसर बोर्ड के निर्देशों की पालना करने के बाद फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति दी जाती है। सेंसर बोर्ड, कई फ़िल्मों को अप्रतिबंधित प्रदर्शन की अनुमति देता है और कुछ को केवल वयस्कों को दिखाने हेतु प्रमाणित करता है। पहली श्रेणी की फ़िल्मों को 'U' और दूसरी श्रेणी की फ़िल्मों को 'A' प्रमाण पत्र दिया जाता है।

कई साधु-संतों और विश्व हिंदू परिषद एवं भाजपा के नेताओं ने इस फिल्म के बॉयकॉट का आव्हान किया और यह कहा कि इस फिल्म को फ्लॉप करके ही शाहरुख खान को सबक सिखाया जा सकता है। कुछ व्यक्तियों द्वारा इस बात का भी आव्हान किया गया कि यदि कोई सिनेमाघर इस फिल्म को दिखाए तो उसे जला दिया जाय।

हमारा समाज कितना असहिष्णु हो गया है कि, हम केवल रंग के आधार पर यह तय करने लगे हैं कि कौन सा रंग, किस धर्म से जुड़ा हुआ है? केसरिया रंग के कपड़े शरीर के विभिन्न भागों पर सदैव पहने जाते रहे हैं और आज तक इस पर किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ। बहिष्कार की धमकी भरी चेतावनियों के बावजूद, जब फिल्म रिलीज हुई तो इसने पहले तीन दिनों में ही 300 करोड़ रुपए की कमाई कर ली, जो अब तक का रिकॉर्ड है। स्पष्ट है, इस फिल्म को अधिसंख्य हिन्दू समुदाय ने भी बड़ी संख्या में देखा है । सही बात तो यह है कि फिल्म के निर्माता को उन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने इस फिल्म के बहिष्कार करने का आव्हान करके उनकी फिल्म की लोकप्रियता में कई गुणा वृद्धि कर दी।

कुछ इसी प्रकार की कार्रवाई फिल्म 'पद्मावत' के समय भी हुई थी, जब कई स्वयंभू संगठनों ने फिल्म के बनने के दौरान ही फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली के साथ मारपीट की और उनके मुँह पर कालिख पोत दी। करणी सेना ने कई स्थानों पर हिंसक प्रदर्शन भी किए। यह भी तब जबकि इसे सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित कर दिया गया था। यदि भीड़ के बल पर फिल्मों का प्रदर्शन किया या रोका जाएगा जाएगा तो फिर भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न संस्थाओं और संस्थानों का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा।

'पठान' के बहिष्कार की अपील बिल्कुल बेअसर सिद्ध हुई। यही नहीं, इसे कहीं अधिक लोगों ने देखा। यदि कोई विवाद खड़ा नहीं किया गया होता और इसके विरोध स्वरूप कई बड़े नेताओं ने बयान नहीं दिए होते, तो संभवतया, यह फिल्म उतनी कमाई नहीं करती, जितनी यह कर पाई है।

मजे की बात यह है कि कि प्रतिबंध से पहले जहां एक माह में इस चित्र को कुल 6 लोगों ने डाउनलोड किया था वहीं प्रतिबंध लगने के बाद एक माह में 420000 लोगों ने इसे डाउनलोड किया। स्पष्ट है, जिस उद्देश्य के लिए सरकार प्रतिबंध लगाती है अथवा समाज के कुछ वर्गों द्वारा बहिष्कार का कोई आव्हान किया जाता है, वास्तविकता में यह प्रतिबंध या बहिष्कार के उद्देश्य के विपरीत ही कार्य करता है।

लगभग यही स्थिति, सरकार द्वारा लगाए गए 'बैन' यानि प्रतिबंधों की है। जब भी सरकार किसी पुस्तक, व्यक्ति या गतिविधि को बैन करती है, तो मान कर चलिए कि उसे सामान्य से अधिक लोग पढ़ेंगे और अधिक लोग उस गतिविधि में भाग लेंगे। आज के तकनीक के युग में जहां संचार क्रांति ने अद्भुत प्रगति की है, किसी प्रकार के प्रतिबंध को प्रभावी रूप से लागू करना संभव ही नहीं है। आज आप इन्टरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी कोने की घटना के बारे में जानकारी पलक झपकते ही प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे वातावरण में सरकार की पूरी मशीनरी के बावजूद प्रतिबंध लागू नहीं किया जा सकता, तो फिर समाज के कुछ स्वघोषित ठेकेदारों द्वारा किसी भी प्रकार का बहिष्कार कोई मायने नहीं रखता।

तथाकथित राष्ट्रवादियों ने चीन से सीमा विवाद के समय चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करने का आव्हान बड़े जोर-शोर से किया और यह सोचकर किया कि इससे चीन की आर्थिक स्थिति कमजोर होगी । इस हेतु सोशल मीडिया पर असंख्य संदेश भी प्रसारित किए गए किन्तु किसी का कोई असर नहीं हुआ और लोग चीन में बनी हुई वस्तुएं वैसे ही खरीदते रहे। इसके विपरीत, चीन से होने वाला आयात पहले से भी बढ़ गया। इसका अर्थ यही हुआ कि सरकारों और समाज के ठेकेदारों को यह समझना होगा कि जब भी किसी प्रकार के काम को करने से लोगों को रोका जाएगा, वह उसे बदले की भावना से कहीं अधिक करेंगे। मानव स्वभाव, विशेषकर युवाओं का स्वभाव प्रतिबंध को नहीं मानने का है। कहा जाता है, मानव जाति का प्रारंभ ही एडम और ईव द्वारा वर्जित फल को खाने से हुआ। इस प्रकार की प्रवृत्ति को एक 'स्ट्राइसेंड इफेक्ट' के नाम से जाना जाता है। एक अमेरिकी अभिनेत्री स्ट्राइसेंड के निजी आवास का चित्र किसी ने इंटरनेट पर डाल दिया, तो उसने इसे निजता का हनन मानते हुए इसके विरुद्ध कार्रवाई की और इस पर रोक लगाई गई। मजे की बात यह है कि कि प्रतिबंध से पहले जहां एक माह में इस चित्र को कुल 6 लोगों ने डाउनलोड किया था वहीं प्रतिबंध लगने के बाद एक माह में 420000 लोगों ने इसे डाउनलोड किया। स्पष्ट है, जिस उद्देश्य के लिए सरकार प्रतिबंध लगाती है अथवा समाज के कुछ वर्गों द्वारा बहिष्कार का कोई आव्हान किया जाता है, वास्तविकता में यह प्रतिबंध या बहिष्कार के उद्देश्य के विपरीत ही कार्य करता है।

ऐसा ही कुछ, हाल ही में बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया : दी मोदी क्वेश्चन' पर भारत सरकार द्वारा लगाए गए बैन के संबंध में देखने में आया। जब से प्रतिबंध लगाया है तब से विभिन्न तकनीक के माध्यम से लोग इसको देख रहे हैं और सरकार एक प्रकार से असहाय ही बनकर रह गई है। जहां पर भी इसने कार्रवाई करने का प्रयास किया, उसका विपरीत प्रभाव पड़ा। जादवपुर विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू और जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, में तो छात्रों ने इसकी सामुहिक स्क्रीनिंग भी की। इसको रोकने के लिए पुलिस द्वारा बल भी प्रयोग किया जिससे सरकार के लिए पक्ष में कोई अच्छी राय नहीं बनी। अच्छा तो यह होता कि सरकार इस फिल्म को सामान्य रूप में लेकर इसे नजरअंदाज कर देती या फिर प्रेस वार्ता करके इसका तथ्यात्मक खंडन कर देती।

पठान कोई पहली फिल्म नहीं है जिसका विरोध हुआ हो। पहले भी, 'पद्मावत', 'जोधा अकबर' आदि को राजस्थान में प्रदर्शित नहीं किया गया। विरोध, ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर दिखाने का आरोप लगा कर किया गया। कुछ स्वयंभू, स्वघोषित समाज के ठेकेदारों ने इनका प्रदर्शन कई स्थानों पर रोकने का प्रयास किया।

यह अवश्य है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के कुछ राज्यों ने इस फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगा दी। इसका मतलब यह नहीं कि इन राज्यों के लोगों ने इन फिल्मों को नहीं देखा। सच तो यह है कि राजस्थान में इन फ़िल्मों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगने के बावजूद, कई लोगों ने पास के राज्यों में जाकर इसे देखा या फिर इंटरनेट के माध्यम से अपने घर बैठे ही देख लिया।

बैन और बहिष्कार में फर्क इतना सा है कि बैन सरकार द्वारा कानून के प्रावधानों के अंतर्गत लगाया जाता है और बहिष्कार, समाज के कुछ लोगों द्वारा कानून की अवहेलना में भीड़ एकत्रित कर किया जाता है। दोनों ही स्थितियों में लोगों को प्रभावी रूप से नहीं रोका जा सका है। अत: सरकार को यह चाहिए कि वह असुविधाजनक पुस्तकों, फ़िल्मों पर प्रतिबंध लगाने के लोभ से बाहर आए और बैन लगाने से बचे।

मौलवियों ने अलग-अलग समय पर कई प्रकार के फतवे जारी किए और देखा गया है कि किसी ने इनकी परवाह नहीं की, चाहे वे किसी दल विशेष के पक्ष में वोट देने हेतु जारी किए गए या किसी प्रकार के काम न करने हेतु। इस बारे में दो उदाहरण देना उपयुक्त होगा। कई वर्षों पूर्व सलमान रूश्दी की पुस्तक 'सैटेनिक वर्सेज' को इस्लाम विरोधी बताते हुए इस पर पूरे विश्व में प्रतिबंध लगा दिया था, किंतु इसके बाद भी यह उपलब्ध थी और इसे लोगों ने पढ़ा । इसी प्रकार, बांग्लादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन का भारत के मुसलमानों द्वारा विरोध करने के कारण उसे कई बार भारत में नहीं आने दिया गया। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल भी इसी प्रकार के बहिष्कार का एवं विरोध का केंद्र एकाधिक बार रहा है।

इस प्रकार की स्थितियों से निपटने का सर्वाधिक उपयुक्त तरीका यही है कि संविधान में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए न तो सरकारों द्वारा प्रतिबंध लगाने का काम किया जाए एवं न ही किसी के द्वारा बहिष्कार को बल पूर्वक लागू किया जाय। लोकतंत्र में संविधान प्रदत्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करना, सरकार और नागरिक दोनों का दायित्व है । बैन और बहिष्कार तो न केवल बेमानी है अपितु बेअसर भी सिद्ध हुए हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

डंके की चोट पर राजस्थानी भाषा का मान रख लीजिए प्रधानमंत्री जी

राजेन्द्र जोशी

- **प्रधानमंत्री जी ने राजस्थानी में बोलने का प्रयास किया, थोड़े दिन पहले राजस्थान के आदिवासियों से संवाद किया, जिसका सीधा-सीधा लाभ गुजरात के चुनाव में उनको हुआ**
- **अब राजस्थान में भगवान देवनारायण को प्रणाम कर गुर्जरों को जोड़ने और चुनाव में लाभ लेने का भरसक प्रयास कर रहे हैं**

राजस्थान की जनता से जुड़ने का समय आ गया है। यह रुत जनता से ऋतुराज बसंत की तरह जुड़कर चुनावी साल में जुड़ाव महसूस कराने और घोषणाओं की बयार का मौसम है। ऐसी घोषणाएं जो जनता को भा सके, राजस्थान में कदम रखते ही हमारे प्रधानमंत्री जी ने राजस्थानी में बोलने का प्रयास किया, थोड़े दिन पहले राजस्थान के आदिवासियों से संवाद किया, जिसका सीधा-सीधा लाभ गुजरात के चुनाव में उनको हुआ। अब राजस्थान में भगवान देवनारायण को प्रणाम कर गुर्जरों को जोड़ने और चुनाव में लाभ लेने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, उन्हें यह बताना चाहते हैं कि अब तक आपको कुछ भी नहीं मिला, अब मिलना शुरू होगा। प्रधानमंत्री जी को यह भी किसी ने नहीं बताया होगा कि जिन भगवान देवनारायण को आप प्रणाम कर रहे हैं उनकी भाषा का मान भी कर लीजिए। राजस्थान के गुर्जरों की अथवा आदिवासियों की सभी राजस्थानियों की भाषा राजस्थानी ही है। आप जनता से जुड़ना चाहते हैं, जनता को कुछ देना चाहते हैं उनकी जाजम पर बैठना चाहते हैं यह सब-कुछ तभी संभव होता जब आप मालासेरी में गुर्जर समुदाय के आराध्य देव देवनारायण जयंती पर उनकी भाषा का मान देते, आप जब भी गुजरात जाते हैं तब पूरा भाषण गुजराती में देते हैं और इस बार चुनावी साल में आपने आते ही राजस्थानी में बोलने का प्रयास किया जिसका हम स्वागत करते हैं। अभिनंदन करते हैं।

गुर्जरों के बीच आप पेठ बढ़ाना चाहते हैं। आपसे आग्रह है कि राजस्थानी की दो लाईनों को वोट बटोरने तक सीमित मत रखिए संवाद की भाषा को आगे बढ़ाइए प्रधानमंत्री जी। राजस्थान में रहने वाले सभी समुदायों की भाषा राजस्थानी ही है। आप डंके की चोट पर बोलते हैं तो आप डंके की चोट पर उस प्रदेश की भाषा का मान रख लीजिए जहां पर आपने तेजाजी से पाबूजी तक गोगाजी से रामदेवजी तक बप्पा रावल से महाराणा प्रताप तक यहां के महापुरुषों ,लोक देवताओं और समाज सुधारको को याद किया, आपने विजय सिंह पथिक, कोतवाल धन सिंह जुगराज सिंह, रामप्यारी गुर्जर और पन्नाधाय के शौर्य का उल्लेख किया। आपका बहुत-बहुत आभार। आपने पुरानी भूलों को सुधार करने की बात कही तो एक भूल और हो रही है इन सभी महापुरुषों की भाषा राजस्थानी ही थी उस राजस्थानी भाषा को भी आप मान देंगे तभी भूल सुधार हो सकेगी।

'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र में राजस्थानी भाषा के विकास को भी शामिल कर लीजिए। भगवान देवनारायण राजस्थानी में सुनेंगे। राजनीति अपनी जगह है लेकिन चुनावी वर्ष में अब डंके की चोट पर वोट लेना चाहते हैं। अच्छा होगा कि मालासेरी में आपने म्हारो प्रणाम से राजस्थान के सोर्य की सराहना करते हुए यह भी कह देते कि मैं राजस्थानी भाषा को प्रणाम करते हुए उस को आठवीं अनुसूची में शामिल कर इन महापुरुषों और राजस्थान के जीवंत लोगों को प्रणाम करता हूं। प्रधानमंत्री जी राजस्थान की जनता आपसे अपनी भाषा का आग्रह कर रही है आप राजस्थानी भाषा को मान देंगे तो यह माना जाएगा कि उसकी संस्कृति का सम्मान कर रहे हैं उसके शौर्य का सम्मान कर रहे हैं। जितने भी यहां के महापुरुष हुए हैं, योद्धा हुए हैं सभी ने राजस्थानी भाषा में काम किया है। आपके पास राजनीति में काम करने वाले शीर्ष पदों पर आज भी राजस्थानी लोग बैठे हैं।

राजस्थानी लोगों के सहारे आप राजस्थान विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं। राजस्थान की विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव भेजा है आप उस प्रस्ताव पर गौर कर लीजि संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी भाषा को शामिल कर लेंगे तो भगवान देवनारायण और आदिवासी समुदाय एवं राजस्थान में निवास करने वाले सभी समुदायों के लोग आपका प्रणाम स्वीकार करेंगे।

लेखक राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कोषाध्यक्ष हैं।

–राजेन्द्र जोशी, बीकानेर
कवि-कथाकार

ज्यादा बारिश के कारण सांभर झील की नमक उत्पादन इकाइयों में काम ठप्प हुआ

सांभरझील, (निसं)। प्रदेश की सबसे बड़ी खारे पानी की लवणीय सांभर झील की नमक औद्योगिक इकाइयों में रविवार को हुई तेज बारिश से पानी भर जाने से नमक उत्पादन बंद हो गया है।

हर वर्ष नमक उत्पादन इकाइयों में नवम्बर से नमक का उत्पादन शुरू हो जाता है, इस वर्ष भी नवम्बर के बाद नमक उत्पादन कार्य शुरू हो गया। लेकिन जनवरी माह के अंत में बारिश के कारण नमक का उत्पादन एक माह तक बंद हो गया। जिससे यहां काम करने वाले स्थानीय तथा दूसरे राज्यों से आए हजारों श्रमिक बेरोजगार हो गए।

- **नमक उत्पादन बंद, एक माह के लिए श्रमिक हुए बेरोजगार**
- **बाहर से आए लोग अब यहां काम धंधा नहीं होने से अपने-अपने गांवों को लौट रहे हैं**

प्रदेश की सबसे बड़ी खारे पानी की लवणीय सांभर झील की नमक औद्योगिक इकाइयों में हुई तेज बारिश से क्यारियों में पानी भर जाने से नमक उत्पादन बंद हो गया।

बताया गया कि बाहर से आए लोग अब यहां काम धंधा नहीं होने से अपने-अपने गांवों को लौट रहे हैं, एक माह बाद फिर से मध्यप्रदेश सहित कई पड़ोसी राज्य के लोग यहां काम शुरू होने पर ही आ पाएंगे। रविवार को लगातार चौबीस घंटे से बारिश होने के बाद क्यारियों में बरसात का मीठा पानी एकत्रित हो जाने के चलते अब आगामी तीस दिनों तक नमक का उत्पादन नहीं हो सकेगा।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में नवम्बर से नमक कार्य शुरू होने के लगभग दो माह तक बाद मौसम अनुकूल रहा। जिससे शीत ऋतु में करीब पचास प्रतिशत नमक उत्पादन हो गया है। हालांकि नमक उत्पादन ईकाइयों में अवैध बोरवेल और अतिक्रमण की कार्रवाई से भी नमक उत्पादन प्रभावित हुआ है। बारिश होने से सांभर झील के रास्तों में भी अब कीचड़ हो जाने से ट्रैक्टरों की आवाजाही नहीं हो सकेगी। जिससे आगामी कई दिनों तक नमक उत्पादन पूरी तरह से प्रभावित रहेगा।

नमक उत्पादकों ने बताया कि अब आगामी तीस दिनों तक नमक का उत्पादन नहीं होगा। आगामी दिनों में चटक धूप रहने के बाद ही नमक उत्पादन हो सकेगा। कहीं-कहीं कई क्यारियों में पड़ा नमक भी वर्षा के मीठे पानी से गल गया है।

दूल्हे द्वारा तोरण के शीर्षस्थ मोर या सुग्गे को स्पर्श करना अति प्राचीन परम्परा

पन्नालाल मेघवाल

- **तोरण का स्पर्श एक प्रकार से तोरण वन्दना है जिसे दूल्हा अपने दायें हाथ में रखी तलवार की नोक तोरण के शीर्षस्थ मोर या सुगे के स्पर्श करता है, जिसे तोरण या तोरण मारना कहा जाता है।**

विविधताओं से परिपूर्ण हमारे देश में जितने प्रान्त हैं, उतनी ही सांस्कृतिक विविधताएँ और उतने ही लोकरंग में रचे-बसे रीति-रिवाज हैं। तोरण द्वार जीवन की दैनिक दिनचर्या और पारिवारिक संस्कृति की घरेलू संवैधानिक पारम्परिक शैली है। विवाहोत्सव वाले घर के मुख्यद्वार पर तोरण स्थापित किया जाता है। तोरण लकड़ी से ही बनाया जाता है, जिसके शीर्ष पर मयूर अथवा सुग्गा बना होता है। तोरण के अन्दर और आसपास चिड़े बने होते हैं, जिनकी संख्या दो से ग्यारह तक होती है। तोरण पर फूल-पत्तियों का सुन्दर अलंकरण होता है। तोरण को हल्दी अथवा गेरू रंग से रंगा जाता है।

हमारे यहां मुख्य द्वार पर काष्ठ-निर्मित सजीले तोरण स्थापित करने की अति प्राचीन परंपरा है। विवाह के समय तोरण को मुख्य प्रवेश द्वार पर लटकाया जाता है जिसे दूल्हा हरी डाली, तलवार अथवा खाँडे से स्पर्श करता है। कहीं-कहीं तोरण मारने की एक विशेष डंडी बनी होती है जिसके ऊपर गोटा-किनारी लिपटी होती है।

राजस्थान में गृह प्रवेश द्वार के शीर्ष पर गणेश प्रतिमा की स्थापना की जाती है। गणेश रक्षा सूचक एवं मंगलकारी होने से पूजे जाते हैं। तोरण का स्पर्श एक प्रकार से तोरण वन्दना है जिसे दूल्हा अपने दायें हाथ में रखी तलवार की नोक तोरण के शीर्षस्थ मोर या सुग्गे के स्पर्श करता है, जिसे तोरण तोरण मारना कहा जाता है।

पारम्परिक सामाजिक दृष्टिकोण से पुत्र जन्म की खुशी के समान ही पुत्री जन्म को भी शुभ और मंगलकारी माना जाता है। पुत्री जन्म को घर में लक्ष्मी आगमन माना जाता है। इसलिए पुत्री के पितृ गृह पर ही तोरण सजता है। विवाह में लटकाया गया तोरण, द्वार पर तब तक लगा रहता है जबकि उसका स्थान दूसरा तोरण नहीं ले लेता। जब तोरण खराब हो जाता है तो उसे पानी में प्रवाहित कर दिया जाता है।

प्रदेश में कई जगह मुख्य द्वार पर काष्ठ निर्मित तोरण के स्थान पर माणक थम्भ स्थापित किए जाते हैं। इन माणक थम्भों की ऊँचाई 5 से 7 फीट होती है। आबू एवं केसरगंज में प्राय: ऐसे ही माणक थम्भों का प्रचलन है। ये प्राय: इमली की लकड़ी से बनते हैं। इस माणक थम्भों के शीर्ष पर लकड़ी का कलश रखा जाता है और शीर्ष पर मयूर बनाते हैं।

कई स्थानों पर मूर्ति प्रतिष्ठापना के समय भी माणक थम्भ स्थापित किये जाते हैं। तोरण शक्ति परीक्षण का प्रतीक है। प्राचीनकाल में राजा सैन्य बल द्वारा आक्रमण करके जीते हुए दुर्ग के शीर्ष द्वार को छूकर ही भीतर प्रवेश करते थे। उसी के सदृश दूल्हा भी राजकुमार के रूप में वधु के मुख्य द्वार पर लटके तोरण को मार कर अन्दर प्रवेश करता है। विवाह में दुल्हन को जीतकर लाना माना जाता है। तोरण मारते समय सही निशाना लगाने की क्षमता, तलवार ठीक से पकड़ पाने का सलीका, घोड़ी या किसी भी सवारी पर सम्पूर्ण नियंत्रण करने की क्षमता आदि परीक्षाएँ होती थी जिससे वर की शक्ति का परीक्षण होता था।

किसी भी वैवाहिक स्थल के मुख्य द्वार पर जब तक तोरण नहीं लटकता या बांधा नहीं जाता तब तक विवाह की रस्म का श्रीगणेश नहीं होता। भिन्न-भिन्न लोक-संस्कृति, रीति-रिवाज और रस्मों से जुड़े समस्त मंगल कामनाओं को व्यक्त करते काष्ठ-निर्मित रंगीले-सजीले ये तोरण हमारी वैवाहिक परम्परा और संस्कृति का एक ऐसा सशक्त, सजीव और प्रासंगिक प्रमाण है, इसके बिना परिणय-सूत्र में बंधना असंभव-सा जान पड़ता है।

आरंभ में कन्या के मुख्य द्वार पर टंगा तोरण महज लकड़ी का ढांचा नहीं अपितु कन्या पक्ष की आन-बान-शान प्रतीक था। पहले विवाहोत्सव की परंपरागत रस्में इत्मीनान से मनाई जाती थी। वर्तमान में लोगों के पास समय नहीं है। इसलिए प्राय: सजे-धजे विवाह स्थल किराए पर लेते हैं। इन विवाह स्थलों पर स्वस्तिक से बने तोरण से औपचारिकता पूरी की जाती है। धीरे धीरे तोरण लोक-संस्कृति एवं लोक-परम्परा का महत्व कम होता जा रहा है।

-पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 31 जनवरी, 2023

माघ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:39 तक, ब्रह्म योग दिन 10:58 तक, गर करण दिन 11:54 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार और रवियोग रात्रि 12:39 तक है। भद्रा रात्रि 12:58 से बुधवार दिन 2:03 तक है। आज गुप्त नवरात्रा व्रत पारणा और नवरात्रोत्थापन, रोहिणी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 4:59 से 11:19 तक, लाभ-अमृत 11:19 से 2:01 तक, शुभ 3:22 से 4:42 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 6:03

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

मकर
खान-पान के मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक मामलों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

विधानसभा में दिनभर गूंजा फसल खराबे का मुद्दा

किसान के नुकसान का प्रतिशत देखने के बजाय मानवीय दृष्टिकोण से मुआवजा तय करे सरकार : नेता प्रतिपक्ष

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । बारिश, शीतलहर और ओलावृष्टि के कारण प्रदेश में फसलें उजड़ गई हैं। किसानों का यह दर्द सोमवार को भाजपा-कांग्रेस के विधायकों ने विधानभा में बयां किया। नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने आपदा राहत और फसल बीमा को अलग-अलग रखने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आपदा राहत में सरकार को अधिकार है कि वह किसानों को पशुओं के मरने अथवा बिजली गिरने सहित अन्य प्रकार से हुए नुकसान की तुरंत भरपाई कर सकते हैं। उन्होंने किसान के नुकसान का परसेंटेज देखकर मुआवजा तय करने के वजाय मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया। कटारिया ने विधानसभाध्यक्ष से आग्रह किया कि कृषि मंत्री के जवाब में नुकसान के सही आंकड़े सामने नहीं आए है ऐसे में चर्चा को आज ही वाइण्डअप करने के स्थान पर सही आंकड़े आने पर पुन: वक्तव्य देकर चर्चा कराई जावे।

इससे पहले उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने प्राकृतिक आपदा से हुए फसल

- **बीमा कंपनियों की मनमर्जी से किसानों को नहीं मिल रहा फसल खराबे का बीमा क्लेम : हाकम अली खां**

खराबे के चलते खेतों में से खराब फसल को निकालने के लिए नरेगा के तहत बनाए पैकेज को लागू करने का सुझाव दिया। उन्होने एन.डी.आर.एफ. के तहत केन्द्र और राज्य का 50-50 प्रतिशत सहायता राशि दी जावे।

विधायक ज्ञानचंद पारख ने ओलावृष्टि से फसल खराबे की भरपाई की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि दो दिन ओलावृष्टि से किसानों की सफल नष्ट हो गई। इसके लिए सरकार, जिला अधिकारियों को सही गिरदावरी के आदेश दे। अधिकारी किसान के प्रति नरम रुख अपनाएं और फसल बरबादी का सही आंकलन करें, जिससे किसानों को मुआवजा मिल जाए।

विधायक हाकम अली खां ने कहा कि फसल खराबे का किसानों को बीमा क्लेम नहीं मिल रहा है। किसानों को बताए बिना बीमा कंपनी सबसे अधिक बोई जाने वाली फसल का बीमा कर देती है। उन्होंने कहा कि खेतों मे सरसों की फसल बोई जाती है और कंपनी गेहूं का बीमा कर देती है, ऐसे में सरसों की खराबे पर कंपनी गेहूं का बीमा डकार जाती है। कुछ भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 के फसल खराबे का पैसा अभी तक किसानों को नहीं मिला।

'किसानों को हरसंभव सहयोग मिलेगा'

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा राज्य में ओलावृष्टि एवं शीतलहर (पाले) से फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आंकलन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गिरदावरी का कार्य राजस्व विभाग द्वारा त्वरित गति से किया जा रहा है तथा राज्य सरकार इस आपदा में किसानों का हरसंभव सहयोग करेगी।

14.92 लाख हैक्टेयर उपज में हुआ दो से 65 प्रतिशत तक फसल खराबा : कृषि मंत्री

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। बारिश और ओलावृष्टि के कारण प्रदेश में फसल खराबे का मुद्दा दिनभर विधानसभा में गूंजा। विधायकों की चर्चा के बाद कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि राज्य में 2 सप्ताह के भीतर विशेष गिरदावरी कराई जावेगी। पीड़ित किसानों को फसल खराबे का उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। कटारिया ने कहा कि अगर कहीं पर लापरवाही का मामला सामने आये तो विधायक भी इसकी जानकारी दें। जिस पर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने मंत्री से विशेष गिरदावरी में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल करने और फैक्ट सामने आने पर तय समय में फिर से चर्चा करवाकर किसानों को मुआवजा देने के लिए कहा।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि राज्य सरकार ने ओलावृष्टि, पाला व शीतलहर से रबी फसल में हुए नुकसान

- **''बारिश, पाला व ओलावृष्टि से खराब हुई फसल की दो सप्ताह में विशेष गिरदावरी होगी''**
- **स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने गिरदावरी में जनप्रतिनिधियों को शामिल के लिए कृषि मंत्री को कहा**

का आंकलन करने के लिए विशेष गिरदावरी के निर्देश दिए हैं। जनवरी-2023 में पाले व शीत लहर से कुल बोये गए क्षेत्रफल 109 लाख 55 हजार हैक्टेयर में से करीब 14.92 लाख हैक्टेयर में दो से 65 प्रतिशत तक फसल खराबा होने की सूचनाएं हैं। यह खराबा प्रमुख रूप से श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुन्झुनूं, जयपुर, जालौर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, सीकर, भरतपुर, पाली, अजमेर, जोधपुर और प्रतापगढ़ में हुआ है। इसे पहले वर्ष 2022-23 में रबी फसल में खराबा हुआ है। सभी कलक्टर्स को तत्काल सर्वे कर विशेष गिरदावरी की रिपोर्ट आपदा प्रबंधन विभाग को भेजने के लिए निर्देशित किया है। फसली नुकसान के आंकलन के लिए पटवारी मौके पर जाएंगे और कलक्टर को रिपोर्ट देंगे। प्रभावित किसानों को आपदा राहत कोष व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के मापदण्डों के अनुसार राहत दी जा रही है। उन्होंने जन प्रतिनिधियों से कहा कि फसली नुकसान की सूचना प्राप्त होने पर वे विभाग को सूचित करें, ताकि प्रभावित किसानों को हर स्तर पर सहायता मिल सके।

सीकर रोड स्थित 14 नम्बर पुलिया के दोनों तरफ लगने वाला ये जाम आने वाले समय में जयपुर में ट्रेफिक की विकट समस्या को दिखा रहा है। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

डिसक्लेमर : *#सभी ऋण एचडीएफ़सी लि., के स्व-निर्णय पर हैं. नियम और शर्तों की पूरी जानकारी के लिए www.hdfc.com पर विज़िट करें. CIN: L70100MH1977PLC019916.

सहयोग, सलाह और सुझाव से राजस्थान के सपनों को साकार किया जा सकता है : डॉ. पूनियां

जयपुर। बेंगलुरु में आयोजित एक दिवसीय प्रवासी सम्मेलन में भाग लेने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनियां, प्रदेश उपाध्यक्ष माधुराम चौधरी आज बेंगलुरु पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर प्रवासी राजस्थानियों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद होटल आदर्श में उद्यमियों के साथ अल्पाहार किया। इसके बाद भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के सह संयोजक तेजराज सोलंकी ने बताया कि हरियाणा भवन में प्रधानमंत्री की ओर से चल रहे मन की बात कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रदेशाध्यक्ष पूनिया ने हरियाणा भवन में रिसर्जन राजस्थान के तहत गेट वे टू योर बिजनेस कार्यक्रम में उद्योगपतियों से संवाद किया। कार्यक्रम में दिनेश मालपानी ने राजस्थान में उद्योग की संभावनाओं को लेकर पीपीटी

- **बेंगलुरु में प्रवासी सम्मेलन में पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया**
- **साउथ बेंगलुरु के सांसद तेजस्वी सूर्य ने राजस्थानी समाज का जताया आभार**

प्रेजेंटेशन दिया। इस अवसर सीरियल टेक्नोलोजी एंटरप्रेन्योर और विक्सर के सीईओ सुनील माहेश्वरी ने डॉक्टर सतीश पूनिया के जीवन से जुड़ी बातों को लेकर एक इंटरव्यू किया। रिसर्जन राजस्थान के कार्यक्रम संयोजक अमित माहेश्वरी ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ पूनियां के जीवन परिचय को विस्तार से बताया। इसके बाद जितेंद्र कुमावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुनिया ने उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्योगपतियों के सुझाव से ही प्रदेश में अच्छा वातावरण बनता है। राजस्थान में संभावनाएं खूब हैं। राजस्थान को फिर से खड़ा करने की जरूरत है। सहयोग, सलाह और सुझाव से राजस्थान के सपनों को साकार किया जा सकता है। इसके बाद प्रवासी प्रकोष्ठ के राजू अग्रवाल मंगोडीवाला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर शिक्षाविद् चेनराज, जीतो अध्यक्ष नॉर्थ जोन इंद्रचंद बोहरा, जीतो अध्यक्ष साउथ जोन दिनेश बोहरा, नरेश नबजिया, दिलीप कोठारी व सज्जन राज मेहता मौजूद रहे। प्रवासी सम्मेलन तीसरे सत्र में शंग्री-ला होटल में प्रवासी संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमे राजस्थान व कर्नाटक प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक राजू अग्रवाल मंगोडीवाला, कर्नाटक संगठन मंत्री जीवी राजेश, बेंगलूरू साउथ सांसद तेजस्वी सूर्या, राज्यसभा सांसद लहर सिंह ने संबोधित किया। प्रवासी संवाद को संबोधित करते प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि कर्म और जन्म भूमि दोनों के लिए आपका कर्तव्य है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साउथ बेंगलुरु के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा है कि राजस्थानी समाज का राजनीति में बहुत बड़ा योगदान है। मेरा राजनीतिक जीवन राजस्थानी समाज के पीछे चल रहा है। कार्यक्रम के अंत में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा की पक्ष में मतदान के लिए प्रवासियों को एकजुट होना पड़ेगा।

किरोड़ी मीणा का धरना सातवें दिन भी जारी

- **धरना स्थल पर जयपुर शहर लोकसभा सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी, पूर्व मंत्री रोहिताश शर्मा, पूर्व मंत्री कैलाश वर्मा, पूर्व विधायक डॉ सुरेश चौधरी व अन्य लोग धरना स्थल पर पहुँचे**

जयपुर। प्रदेश में बेरोजगार युवाओं पर हो रहे अत्याचार एवं उनकी जायज मांगों को लेकर सातवें दिन प्रदेश के युवाओं के साथ धरने पर राज्य सभा सांसद किरोड़ी लाल मीना बैठे हैं। धरना स्थल पर जयपुर शहर लोकसभा सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर से विधायक वासुदेव देवनानी, पूर्व मंत्री रोहिताश शर्मा, पूर्व मंत्री कैलाश वर्मा, पूर्व विधायक डॉ सुरेश चौधरी, पूर्व विधायक कन्हैया लाल मीना, मोती लाल पूर्व विधायक रूपवास, गोपी चंद गुर्जर पूर्व विधायक नगर, पूर्व विधायक प्रमिला कुंडेरा, बिरद्धि चंद शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरियाणा ब्राह्मण समाज सहित धरना स्थल पर पहुँचे। डॉक्टर किरोड़ी लाल ने कहा की रीट, एसआई, कांस्टेबल, आरएएस, वरिष्ठ अध्यापक आदि पेपर लीक प्रकरण की सरकार हठधर्मिता छोड़ सरकार को प्रदेश के युवाओं के हित में सीबीआई जाँच करानी चाहिए। कोराना काल में अपनी ज़िम्मेदारी बखूबी तरीक़े से चिकित्सा विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले सीएचए अभ्यर्थियों को सरकार को रोज़गार देना चाहिए, बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक भर्ती में रिक्त 4015 पदों क़ो मिनीमम पासिंग मार्क्स में शिथिलता देकर भरा जाए जिससे बेरोज़गार बच्चों को रोज़गार मिल सके। मुख्यमंत्री प्रदेश के युवाओं की मेहनत पर डाका डालने वाले डकैतों पर कार्यवाही करनी चाहिए, पेपर लीक से प्रदेश का युवा ठगा सा महसूस कर रहा है। मुखिया प्रदेश का युवा सब कुछ देख रहा है आने वाले चुनावों में वोट की चोट पर बाहर का रास्ता दिखाना भी जानता है।

'टीकाकरण के कारण लम्पी वायरस का प्रभाव कम रहा'

जयपुर, (वि.सं.)। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि लम्पी वायरस से बचाव के लिए राज्य सरकार द्वारा जिलों में एक करोड़ छह लाख 46 हजार गौवंश का टीकाकरण किया गया है।

कटारिया ने प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में विधायक गुलाब चंद कटारिया के पूछे गये पूरक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन जिलों में लंपी नहीं फैला था जहां बड़ी संख्या में टीकाकरण कर गौवंश को इस बीमारी से बचाने के सार्थक प्रयास किये गए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के फलस्वरूप उन जिलों में बीमारी का प्रभाव भी कम रहा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा व्यय राशि का अनुपात 60 और 40 है। उन्होंने बताया कि विधानभा के सदस्यों द्वारा भी टीकाकरण के लिए करीब 13 करोड 52 लाख रुपये विधायक कोष से दिये गए, वहीं सांसदों द्वारा 80 लाख रुपये दिये गये।

इससे पहले पशुपालन मंत्री ने विधायक राजेन्द्र राठौड़ के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि प्रदेश में लम्पी स्किन रोग के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए गौवंशीय पशुओं में भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार गोट-पॉक्स वैक्सीन से माह दिसम्बर, 2022 तक कुल 106.46 लाख चिह्नित गौवंशीय पशुओं में टीकाकरण किया गया है। उन्होंने प्रदेश में लम्पी स्किन रोग से संक्रमित एवं मृत गौवंश पशुओं का जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिन पशुपालक के गौवंशीय पशु लम्पी स्किन रोग से मृत हुये हैं, उन्हें पशु क्रय के लिए आसान दरों पर ऋण दिया जाना वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

मर्डर और धोखाधड़ी के आरोपियों को बनाया वक्फ कमेटी का मेंबर : कटारिया

जयपुर, (वि.सं.)। मर्डर और धोखाधड़ी के आरोपियों को वक्फ कमेटी में मेंबर और पदाधिकारी बनाए जाने पर विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान जमकर तनातनी हुई। बीजेपी विधायक प्रतापसिंह सिंघवी के सवाल पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने विधानसभा में बताया कि वक्फ कमेटी के पदाधिकारी मनोनीत करने पर क्रिमिनल केस से जुड़ा शपथ पत्र लिया जाता है। अब तक किसी मेंबर के खिलाफ शिकायत नहीं मिली है। मंत्री के जवाब पर सिंघवी ने नाराजगी जताई।

- **विधानसभाध्यक्ष ने पूरे मामले की जांच कराने को कहा**

इस बीच नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सवाल उठाते हुए कहा कि वक्फ कमेटी में पांच-पांच मेंबर ऐसे हैं, जिनके खिलाफ मर्डर और धोखाधड़ी जैसे केस चल रहे हैं। मंत्री कह रहे हैं कि शपथ पत्र लिए गए हैं। फिर किस बात के शपथ पत्र लिए हैं? इस बीच विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी ने दखल देते हुए कहा कि ''इस पूरे मामले की जांच करवाई जानी चाहिए। बीजेपी विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने कहा, ''अपराधियों को मेंबर बनाया है, इस पर कार्रवाई हो।'' सिंघवी को स्पीकर ने बोलने की मंजूरी नहीं दी, फिर भी सिंघवी बोलते रहे। इस पर स्पीकर ने सिंघवी को जमकर डांट लगाई।

एक ही नया करोना संक्रमित मिला

जयपुर। प्रदेश में सोमवार को करोना संक्रमण का केवल एक ही नया मामला सामने आया है। हालांकि इस बीच किसी भी मरीज के ठीक नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 10 हो गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को एक नया संक्रमित भरतपुर जिले में मिला है। इससे पहले रविवार को राज्य में 6 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। जिले में फिलहाल 4 एक्टिव केस हैं। उधर प्रदेश में सोमवार को किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से एक्टिव केस बढ़कर 10 हो गए हैं।

मुआवजा राशि की मांग

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान होने पर निश्चित समय अवधि में गिरदावरी पूर्ण होकर किसानों को जल्द मुआवजे की मांग की है।

रामकेश मीणा ने सरकार को पानी की किल्लत के मुद्दे पर घेरा

जयपुर, (वि.सं.)। विधायक रामकेश मीणा ने जलदाय मंत्री महेश जोशी पर नाराज होकर उनके जवाब से असंतुष्ट होते हुए कहा कि मेरे इलाके में 16 साल पहले चंबल-नादौती पेयजल प्रोजेक्ट लटका हुआ पड़ा है। मेरा पूरा इलाका बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया। इस एसपीएमएल कंपनी को काम दिया उसे 2008 तक पहले फेज का और 2016 तक दूसरे फेज का काम पूरा करना था। अब भी काम पूरा नहीं हुआ और कंपनी को पेमेंट कर दिया। पांचना बांध से पानी नहीं दिया जा रहा।

- **मंत्री महेश जोशी ने कहा कि कंपनी के खिलाफ नियमों में रहकर ही एक्शन लिया जाता है, आगे भी कार्यवाही करेंगे**

रामकेश मीणा को स्पीकर ने टोका, लेकिन वे लगातार बोलते रहे। बाद में जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा कि कंपनी के खिलाफ नियमों में रहकर ही एक्शन लिया जाता है, आगे भी एक्शन होगा। काम में देरी करने पर कंपनी पर भारी जुर्माना लगाया है। चंबल, सवाईमाधोपुर, नादौती पेयजल प्रोजेक्ट का काम दिसंबर 2023 तक पूरा किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट के 29 गांव बचे हैं। 19 सितंबर 2013 को सवाईमाधोपुर जिले और सिटी के साथ करौली के 109 गांवों को पेयजल प्रोजेक्ट में शामिल करने के लिए 567 करोड़ का बजट जारी किया। इसका काम इस साल जून तक पूरा कर लिया जाएगा। मंत्री के जवाब पर मीणा ने जमकर सवाल उठाए और कहा कि पिछले 16 साल से प्रोजेक्ट पूरा नहीं होना गंभीर बात है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यह कि एक मकान 43, Rana Pratap Nagar, Jhohara, Jaipur-302012 में स्थित है, जिस पर मेरे पिताजी Ashok Chaturvedi ने एचडीएफसी लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त Property के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखे हैं। यह कि मेरे पिताजी Ashok Chaturvedi का दिनांक 25.12.2022 को स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त फ्लैट/मकान/प्लाट के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब में उक्त फ्लैट के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहता/चाहती हूँ यदि इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो यह दस्तावेज, प्रकाशन, तिथी से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी लिमिटेड Vaishali Nagar Branch (फोन नंबर-01416480799 में संपर्क करें। सूचित रहे।
दिनांक-31.1.2023 मोबाईल नम्बर-9829427779

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक सम्पत्ति आवासीय मकान वाके गायत्री सत्संग भवन के पास, ज्योतिवा फूले सर्किल, श्याम नगर फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 226.40 वर्गगज अर्थात 189.36 वर्गमीटर है तथा उक्त सम्पत्ति का पट्टा स्व. श्री प्रदीप सिंह चौधरी के नाम पूर्व में जारी किया गया है तथा उक्त सम्पत्ति के स्वामित्वाधिकार श्री प्रदीप सिंह चौधरी के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक वारिसान में शारदा चौधरी पत्नि स्व. श्री प्रदीप सिंह चौधरी, श्रीमति अंजुली चौधरी पत्नि श्री भागचन्द चौधरी पुत्री स्व. श्री प्रदीप सिंह चौधरी, श्रीमति निशा चौधरी पत्नि श्री प्रदीप चौधरी पुत्री स्व. प्रदीप सिंह चौधरी, श्रीमति बरखा चौधरी पत्नि श्री प्रवीण चौधरी पुत्री स्व. श्री प्रदीप सिंह चौधरी, श्रीमति चेतना चौधरी पत्नि श्री अर्जुन चौधरी पुत्री स्व. श्री प्रदीप सिंह चौधरी, श्री ओमेश चौधरी पुत्र स्व. श्री प्रदीप सिंह चौधरी द्वारा निष्पादित पजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 15.2.2021 के द्वारा श्री ओमेश चौधरी को सम्पत्ति/अधिकार प्राप्त हुये हैं। श्री ओमेश चौधरी उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति को ऋणदात्री संस्था चोलामण्डलम इनवेस्टमेन्ट एवं फाईनेन्स कम्पनी लिमिटेड जयपुर में बंधक रखकर ऋण प्राप्त कर रहा है। उक्त सम्पत्ति स्वामित्व एवं ऋण के बाबत किसी भी व्यक्ति/संस्था/बैंक या अन्य किसी भी पक्ष को किसी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप या ऐतराज हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी।
अभिषेक वर्मा (एडवोकेट) मो.नं. 8946927188

आम सूचना सरस्वती नगर ई मालवीया नगर स्थित प्लॉट नं. 84 जिसका क्षेत्रफल 266 वर्गगज है, मेरे अभिभाष्य श्री मनीष भण्डारी 8209831955 निवासी 4/102 जवाहर नगर जयपुर ने श्रीमती कान्ता गुरसहानी से उक्त प्लॉट खरीदने का सौदा किया है। इस बेचान के विरूद्ध किसी को कोई आपत्ति हो तो सप्रमाण मुझसे संपर्क करें व 7 दिन में आपत्ति देवे उसके बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
(नवीन देवानी) एडवोकेट, मो.नं. 9829954000
219, सिन्धी कॉलोनी, राजा पार्क, जयपुर

खोया पाया

मेरा मकान सं. 263/237 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र, भौतिक कब्जा प्रति, Seven Day's लैटर, जमा रसीद कहीं गुम हो गये है। मिलने पर संपर्क करें-कविता देवी-8107429596

अम्बेशवर ग्र.नि.स.समिति जयपुर की योजना शिव नगर के भूखण्ड सं. 22 की लीजडीड, स्टाम्प, साईड प्लान एवं मुख्त्यारनामा कहीं गुम हो गया है। सम्पर्क करें- शुभम जैन मो. 9828431303

प्लाट नम्बर ए-265, मालवीय नगर, जयपुर के असल कागजात, जे.डी.ए. द्वारा जारी योगेन्द्र कुमार राघानी के नाम का असल कब्जा पत्र हॉस्पिटल रोड से अशोक नगर सी-स्कीम, जयपुर के मध्य कहीं गुम हो गये है, जिस किसी को मिले निम्न पते पर सूचित करें। कमल राघानी मो. 9414068008, निवासी-ओ-2, हॉस्पिटल रोड, सी-स्कीम, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती संगीता गुप्ता पत्नी श्री राधा गोपाल गुप्ता, निवासी 548, जयलाल मुंशी का रास्ता, चांदपोल, जयपुर की है, जिन्होंने अपनी उक्त वर्णित सम्पत्ति से अपने पुत्र रजत गुप्ता एवं पुत्रवधु श्रीमती रागिनी गुप्ता व अपनी पुत्री रश्मी मेठी को बेदखल कर दिया है। चूंकि मेरी अभिभाष्या के पुत्र, पुत्रवधु व पुत्री मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं है तथा इनका आचरण सही नहीं है इसलिए मेरी अभिभाष्या का इनसे कोई लेना देना नहीं होगा। समस्त खास व आम को उक्त सम्पत्ति से बेदखली बाबत सूचित किया जाता है।
जयपुर (महेन्द्र शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-27.1.23 मो.9828167300

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अति. सि. न्यायाधीश एवं महानगर मजि. क्रम-1 जयपुर महा.-द्वितीय
जुगल किशोर परवाल विरूद्ध नगर निगम जयपुर हैरिटेज व अन्य
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. 11/सन् 2023
बनाम मै. नवयुग निर्माण कम्पनी प्रा.लि. पंजीकरण सं. 20/9589 जरिये निदेशक कार्यालय पता-101, उन्नति टॉवर, प्लाट नं.-11, सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर
जुगल किशोर परवाल ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 01 माह 02 सन् 2023 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 27 माह 01 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत आज्ञा से-रीडर, अपर सिविल न्यायालय न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-1 जयपुर महानगर द्वितीय

नाम परिवर्तन

मैं सुमित कुमार पुत्र राजकुमार, ग्राम-महराणा जिला चरखी दादरी हरियाणा, यह की मेरे पिता के आर्मी सर्विस रिकार्ड JC 352734P, Subedar राजकुमार में भूलवस SUMEET KUMAR दर्ज हो गया जो गलत है। आधार कार्ड, अन्य दस्तावेजों में SUMIT KUMAR है जो सही है आर्मी रिकार्ड में सही किया जावें।

मैं कमला देवी पत्नी राजकुमार ग्राम महराणा जिला चरखी दादरी हरियाणा यह कि मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकार्ड JC 352734P, Subedar राजकुमार में भूलवस Kamala Devi दर्ज हो गया जो गलत है। आधार कार्ड, अन्य दस्तावेजों में KAMLA DEVI है जो सही है आर्मी रिकार्ड में सही किया जावें।

मैंने अपना नाम ममता अग्रवाल से बदलकर ममता गुप्ता पत्नी रवि गुप्ता रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें निवासी-2/151 विद्याधर नगर, जयपुर

मैं Suraj Mandotia S/o Shankar Lal Add-E-2/234 Sec-2, Chitrakoot Vaishali Nagar, Jaipur अपना नाम बदलकर Suraj Kumar Mundatya रख लिया है अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें।

'कांग्रेस पार्टी यदि सचिन पायलट को सी.एम. ना बनाये तो क्षेत्र की जनता कांग्रेस को वोट ना करे'

हर्षोल्लास के साथ मना श्रीछांपाला वाले भैंरूजी का 14वां वार्षिकोत्सव, बिजनौर लोकसभा सांसद मलूक नागर ने सभा को सम्बोधित किया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कल्याणपुरा कुहाड़ा स्थित अरावली की पहाड़ियों में बने श्रीछांपाला वाले भैंरूजी मंदिर का 14 वां वार्षिकोत्सव सोमवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मेले में काफी उत्साह के साथ कोटपूतली सहित आसपास की तहसीलों व हरियाणा राज्य के साथ-साथ विभिन्न जगहों से आये करीब एक लाख श्रद्धालुओं ने भाग लेते हुए पंगत प्रसादी ग्रहण की। वहीं भैंरूबाबा के दर्शन कर देश व प्रदेश की सुख-शांति व समृद्धि की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि आयोजन को लेकर विगत एक माह से मंदिर कमेटी, मेला कमेटी के सदस्य व ग्रामीण भण्डारे की तैयारियों में जुटे हुए थे। इसके लिए भण्डारे हेतु ग्रामीणों ने करीब 350 क्विण्टल चूरमा प्रसादी स्वयं ही बनाकर वितरण की। सर्वप्रथम श्रीभैंरूबाबा को चूरमा-दाल व दही की प्रसादी का भोग लगाकर भण्डारे को शुरू किया गया। इसके लिए 8 ट्रॉलियों में चूरमे को रखा गया था। साथ ही दाल की प्रसादी निरन्तर बनाकर वितरित की गई।

वहीं दूसरी ओर समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट तो नहीं पहुंचे, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बनाये जाने का मामला इस दौरान छाया रहा। कार्यक्रम में हैलीकॉप्टर द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने पहुंचे यूपी के बिजनौर से लोकसभा सांसद मलूक नागर ने कहा कि अगर कांग्रेस आगामी चुनाव में सचिन पायलट को सीएम चेहरा नहीं

कोटपूतली के निकटवर्ती ग्राम कल्याणपुरा कुहाड़ा में आयोजित वार्षिकोत्सव में भारी जनसमुह उमड़ा।

- लक्खी मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, 350 क्विण्टल चूरमा प्रसादी का हुआ वितरण
- सचिन पायलट को मुख्यमंत्री ना बनाये जाने का मुद्दा छाया रहा

बनाती है तो गुर्जर समाज को कांग्रेस को एक भी वोट नहीं देना है। उन्होंने कहा कि जब मैं पार्लिया मेन्ट में घुसता हूं तो मुझे तो देश हित, जनहित व अपने समाज हित से ज्यादा कुछ दिखाई नहीं देता। उस वक्त मैं कोई परवाह नहीं करता कि मुझे कौन चुनाव लड़ायेगा, कौन टिकिट देगा या नहीं देगा, चुनाव जीतूंगा या नहीं जीतूंगा। उन्होंने कहा कि जब मैं अपने प्लेटफार्म पर होता हूं तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने पायलट की ओर इशारा करते हुए कहा कि क्या करेंगे पायलट कांग्रेस उन्हें कुछ देना नहीं चाहती, भाजपा में वे जाना नहीं चाहते, पार्टी तुम्हारी है नहीं आखिर क्या करोगे तुम सोचो जरा?

उन्होंने जन समुदाय का समर्थन मांगते हुए कहा कि यदि अब की बार कांग्रेस पार्टी पायलट को सीएम का चेहरा नहीं बनाती है तो एक भी वोट कांग्रेस के खाते में नहीं जाना चाहिए। साथ ही नागर ने कहा कि प्रदेश में देश के प्रधानमंत्री को आकर गुर्जर-गुर्जर कहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुर्जर सहित समस्त पिछड़ा समाज को राजस्थान का मुख्यमंत्री सचिन पायलट को बनाये जाने का बीड़ा अब अपने कंधों पर उठा लेना चाहिये।

नागर ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी उन्हें सीएम नहीं बनाती है तो पायलट को भी अब अपना निर्णय स्पष्ट कर देना चाहिये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में वोट तो उनके नाम पर लिए, लेकिन अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाया। अब गुर्जर समाज को निर्णय करना है कि पायलट को सीएम नहीं बनाने पर कांग्रेस के साथ क्या करना होगा। उन्होंने पाला गिरने से खराब हुई फसलों का मुआवजा भी किसानों को दिलवाने की बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि हम सभी को शिक्षा पर ध्यान देना चाहिये। विशेषकर किसान, मजदूर व पिछड़ा वर्ग से आने वाले लोगों को, क्योंकि शिक्षा से ही प्रत्येक वर्ग सशक्त होता है। वहीं भाजपा नेता मुकेश गोयल ने भी खराब हुई फसलों का मुआवजा दिलवाने एवं देश के अन्य तीर्थों की भांति श्री छांपाला वाला भैंरू जी स्थान का विकास भी किये जाने की मांग की। वहीं जोशीले अन्दाज में भाषण देते हुए पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने भी युवाओं से पायलट को सीएम बनाने का आह्वान किया। जिसे वहां मौजूद युवा शक्ति ने हाथ उठाकर समर्थन दिया।

कसाना ने कहा कि जब भी हम सच्चाई की बात करेंगे तो बहुत कठिनाईयां आयेंगी लेकिन जीत सिर्फ सत्य की होती है। सभी अतिथियों का भैंरू बाबा का चित्र भेंटकर व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मंच संचालन बाबूलाल छाबड़ी व कैलाश आचार्य ने किया। इस दौरान विराटनगर विधायक इंद्राज गुर्जर, पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमसिंह भड़ाना, प्रधान प्रतिनिधि इंद्राज रावत, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम छावडी, वरिष्ठ भाजपा नेता हँसराज पटेल व शंकर लाल कसाना, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एड. हीरालाल रावत, भाजपा पूर्व जिला मंत्री यादराम जांगल, पूर्व विधायक रामचंद्र रावत, जिला पार्षद मंजू रावत, विहिप के पूरणमल भरगड़, पूर्व जिला प्रमुख दाताराम गुर्जर, पूर्व जिला पार्षद धूडसिंह शेखावत, सतीश गुर्जर समेत बड़ी संख्या में अतिथि भी मौजूद रहे।

कार-ट्रक की टक्कर में चार दोस्तों की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले में बीकानेर-जयपुर रोड पर रायसर के पास ट्रक और कार के बीच हुई टक्कर में चार दोस्तों की मौत हो गई। चारों मृतक बीकानेर के तिलक नगर के रहने वाले थे। सभी हाईवे से घर की तरफ लौट रहे थे कि दर्दनाक हादसा हो गया। सभी की बॉडी पीबीएम अस्पताल में रखी गई है।

जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे पर रायसर चार दोस्त शिवराज सिंह, किशन सिंह, रामकरण सिंह एवं रतन जांगिड़ भी रविवार रात लौट रहे थे। देर रात वापस लौटते समय इनकी कार एक ट्रक से जा टकराई। हादसा रायसर के बिजली बोर्ड ऑफिस के पास हुआ। राहगीरों ने इन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला और पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचाया। डॉक्टर्स ने चारों को मृत घोषित कर दिया। टक्कर इतनी

- एक ही कार में गए थे चार दोस्त, रास्ते में हुआ भीषण हादसा
- एक गाय हाईवे पर कार के सामने आ गई थी, उसे बचाने के चक्कर में हादसा हुआ

जबर्दस्त थी कि इनकी कार पूरी तरह से पिचक गई। अंदर बैठे चारों दोस्त उसी में फंसे थे।

बताया जा रहा है कि एक गाय हाईवे पर कार के सामने आ गई थी। उसी को बचाने के चक्कर में कार और ट्रक ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया। दोनों वाहनों में भयंकर टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि गाय पहले से यहां मृत अवस्था में पड़ी थी। इस मार्ग पर रात में भी बड़ी संख्या में गायें व अन्य पशु घूमते रहते हैं। हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। एक तरफ ट्रक खड़ा रहा तो दूसरी तरफ कार। बड़ी संख्या में लोग भी यहां एकत्र हो गए।

गाय भी सड़क पर ही मरी हुई थी। नापासर पुलिस ने मौके पर पहुंचने के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। रतनलाल, रामकरण, किशन सिंह और शिवराज सिंह पुराने दोस्त हैं। इनमें रतनलाल जांगिड़ के फर्नीचर का कारखाना है। जयपुर रोड पर तिलक नगर पर उनकी दुकान व कारखाना है। रामकरण की जनरल स्टोर है, जहां किराने व अन्य सामान है। शिवराज सिंह रतनगढ़ के लूणासर गांव का रहने वाला है। उसके पिता यहां जूनागढ़ में काम करते हैं। किशन सिंह का भी तिलक नगर में ही मकान है।

करंट लगने से अधेड़ की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र की आलमास ग्राम पंचायत के हिसनिया ग्राम के देवी लाल गुर्जर की खेत पर मोटर चालू करते समय करंट लगने से मौत हो गई। देवी लाल गुर्जर तड़के खेत पर पिलाई करने गया था जोकि वही कुएं के पास पड़ा हुआ था। उसका भतीजा गायों के लिए चारा लेने गया था जिसे देवी लाल वहा पड़ा हुआ मिला। इस पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और देवी लाल को अचेत अवस्था में लेकर मांडल राजकीय चिकित्सालय पहुंचे जहां पर डॉक्टर द्वारा देवी लाल को मृत घोषित किया।

इनामी डकैत केशव गुर्जर को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दबोचा

धौलपुर, (निसं)। राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए आतंक का बड़ा पर्याय बना 1 लाख 15 हजार रुपए का इनामी डकैत केशव गुर्जर को आखिरकार सोमवार को दोपहर करीब साढ़े 11- 12 बजे मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान डकैत केशव के पैर में गोली लगी है। जिससे वह घायल हुआ है।

डकैत केशव गुर्जर को पकड़ने के लिए धौलपुर जिले के एसपी धर्मेंद्र सिंह पिछले करीब 1 महीने से लगातार मिशन में जुटे हुए थे। वे दिन-रात डीएसटी, क्यूआरटी टीम सहित विभिन्न थानों की पुलिस टीम और पुलिस जवानों के साथ दिन-रात चंबल के बीहड़ और डांग इलाके में कॉम्बिंग कर रहे थे। पिछले करीब 3 दिन से तो पुलिस का यह अभियान एसपी के नेतृत्व बड़े स्तर पर चल रहा था। आज भी बरसात और सर्दी के मौसम के बावजूद एसपी धर्मेंद्र सिंह सुबह 6 बजे डकैत केशव गुर्जर की सूचना पर डांग इलाके में पहुंच गए और जवानों के साथ लगातार कॉम्बिंग की और फोर्स का मनोबल बढ़ाया। जिसकी परिणति यह हुई कि आखिरकार आतंका का बड़ा पर्याय डकैत केशव गुर्जर पुलिस की गिरफ्त में आ गया। इसकी सूचना मिलते ही भरतपुर आईजी गौरव श्रीवास्तव तुरंत धौलपुर पहुंचे और उन्होंने एसपी धर्मेंद्र सिंह एवं पुलिस टीम की इस बड़ी

घायल केशव गुर्जर को जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया।

- राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए आतंक का बड़ा पर्याय बना गया था केशव गुर्जर

सफलता के लिए पीठ थपथपाई।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि अपहरण, फिरौती और हत्या के प्रयास सहित दर्जनों मामलों में कुख्यात डकैत केशव गुर्जर की पुलिस को तलाश थी। राजस्थान के टॉप टेन बदमाशों की सूची में शामिल केशव गुर्जर के रविवार को चंबल के बीहड़ों में होने की सूचना मिली। जिस सूचना पर एसपी धर्मेंद्र सिंह के साथ डीएसटी ,क्यूआरटी की टीम सोने का गुर्जा थाना क्षेत्र के सोहन बाबा के मंदिर के पास पहुंची। जहां देर रात से लगातार की जा रही सर्चिंग के बाद पुलिस को डकैत केशव गुर्जर दिख गया। पुलिस को देखकर डकैत केशव गुर्जर ने फायरिंग कर दी। जिसके जवाब में पुलिस की ओर से भी फायरिंग की गई। जिससे केशव गुर्जर के पैर में गोली लग गई।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि डकैत के पैर में गोली लगने के बाद उसे जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए डकैत केशव गुर्जर की खबर मिलते ही सीओ सिटी सुरेश सांखला के साथ निहालगंज थाना प्रभारी विजय मीणा और भारी संख्या में पुलिस बल जिला अस्पताल पहुंच गया। वहीं घायल डकैत केशव गुर्जर का चिकित्सको की टीम इलाज कर रही है।

सहायता राशि के चैक दिए

जोधपुर, (कासं)। बालेसर की शेरगढ़ तहसील के भूंगरा में 8 दिसंबर को शादी समारोह में हुए गैस सिलैंडर विस्फोट मामले में मंत्री राजेंद्र गुढा ने आर्थिक सहायता की घोषणा की थी। मंत्री के बेटे शिवम गुढ़ा ने मृतकों के परिवार जनों को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि के चेक सुपुर्द किए।

गत 8 दिसंबर को भूंगरा गांव में संगत सिंह के बेटे सुरेंद्र सिंह के शादी समारोह में गैस ब्लास्ट मामले में 35 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा भूंगरा गांव आए थे। उस समय प्रत्येक मृतक के परिजनों को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की थी।

एस.पी. के बेटे के खिलाफ मामला दर्ज

अजमेर, (कासं) राजस्थान के जैसलमेर में जिला पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात आईपीएस भवर सिंह नाथावत के पुत्र प्रवीण सिंह पर अपने पिता की वर्दी का ऐसा खुमार चढ़ा कि उसने अजमेर के क्रिश्चयनगंज पुलिस थाने में तैनात थानाधिकारी करण सिंह खंगारोत पर ही हमला कर दिया। जानकारी अनुसार 26 जनवरी को थानाधिकारी करण सिंह ने प्रवीण सिंह को कार में संग्धित हालत में पकड़ा था, जब थानाधिकारी करण सिंह ने प्रवीण सिंह से पूछताछ की तो उसने हमला कर दिया। सीआई करण सिंह ने तुरंत थाने से जाप्ता बुलाया लेकिन तब तक प्रवीण सिंह फरार हो गया। करण सिंह ने जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचकर अपना मेडिकल करवाया लेकिन आरोपी वरिष्ट आईपीएस का बेटा होने के चलते तीन दिन तक मुकदमा दर्ज नहीं हो सका ओर पुलिस महकमा भी आरोपित युवक को बचाने व मामला रफा-दफा करने में अपने स्तर पर ही लगा रहा। लेकिन जब यह बात सार्वजनिक हुई कि आईपीएस के बेटे ने थानाधिकारी पर हमला किया तो आईजी रुपिंदर सिंह ने पूरे मामले में संज्ञान लिया और बीते दिन प्रवीण सिंह पर राजकार्य में बाधा और मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया।

अजमेर रेंज आईजी रुपिंदर सिंघ ने बताया कि 29 जनवरी को थाना क्रिश्चियनगंज में प्रकरण दर्ज हुआ है, जिसमें एसएचओ पर एक युवक ने हमला किया था उसके सम्बन्ध में एफआईआर दर्ज की गई है। एक युवक है प्रवीण नाम का जिसको संदिग्ध अवस्था में एसएचओ ने पकड़ा और पूछताछ की तो उसने बदसलूकी की और एसएचओ को चोट पहुंचाई, जिस पर राजकार्य में बाधा का भी मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी युवक एक आईपीएस अधिकारी का बेटा है। जैसेलमर जिला एसपी भवंर सिंह नाथावत वर्ष 2011 से काफी समय तक अजमेर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में एएसपी के पद भी तैनात रहे। उसके बाद कुछ समय के लिये अजमेर जीआरपी में पुलिस अधीक्षक के पद भी तैनात रहे है।

खेतों में घूम रहे दो ऊंट चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती धवा स्थित खेतों में घूम रहे दो ऊंटों को चोरी कर बाड़मेर ले जाने का मामला पुलिस ने दर्ज किया है। ऊंटों के मालिक ने नामजद दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दी है। झंवर पुलिस ने बताया कि देवासी की ढाणी धवा निवासी मूलाराम ने इस बारे में रिपोर्ट दी हे। इसमें बताया कि उसके दो ऊंट खेतों में घूम रहे थे। जोकि बाद में ना तो घर लौटे और ना ही वहां दिखाई दिए। आस पास पता लगा कि ऊंटों को बाड़मेर के कल्याणपुर में नवरी के रहने वाले चैनाराम देवासी एवं नेमाराम देवासी चुरा ले गए है। पीड़ित ने आशंका जताई कि ऊंटों को बाड़मेर ले जाया गया है।

बारिश से सरसों और सौंफ की फसलों में भारी नुकसान हुआ

किसानों ने फसल खराबे की गिरदावरी करवा सरकार से मुआवजा देने की मांग की

मालपुरा में हुई ओलावृष्टि व तेज बारिश से फसलों में भारी नुकसान हुआ।

मालपुरा, (निसं)। पश्चिमी विक्षोम से मौसम में हुए बदलाव व बीते दो दिन से हो रही बरसात के साथ चली तेज हवा व ओलावृष्टि से मालपुरा क्षेत्र में सरसों व सौंफ की फसल में भारी नुकसान हुआ है।

रविवार की रात को तेज गर्जना के साथ हुई बरसात व ओलावृष्टि से खेतों में पानी भर गया व सौंफ एवं सरसों सहित गैंहू, जौ की फसलें जमीदोज हो गई। बेर के आकार के गिरे ओलों से सर्वाधिक नुकसान सरसों व सौंफ की फसल में भारी नुकसान हुआ है। किसानों ने जल्द फसल खराबे की गिरदावरी करवा राज्य सरकार से मुआवजा देने की मांग की। घाटी व मझौला क्षेत्र में रातभर हुई भारी बारिश से खेतों में भारी तादात में पानी भर जाने से सब्जी व अन्य फसलों को भी भारी नुकसान हुआ। टमाटर व मटर की फसल पूर्ण रूप से खराब हो गई। कई कच्चे मकान धराशाही हो गये। आवासीय कॉलोनी में पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

पाले से फसल पर संकट

सूरतगढ़, (निसं)। ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों पर एक बार फिर पाले की मार पड़ी है। इससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें भी उभर आई हैं। सोमवार सुबह सरसों की पछेती और चने की फसलों पर बर्फ जमी दिखाई दी। इससे किसानों ने फसलों में नुकसान की आशंका जताई है। जिसे लेकर किसान मायूस हो गए हैं। ताखरांवाली के किसान भोमनाथ, राजेंद्र और सुभाष ने बताया कि जनवरी माह में ही 14, 15 और 16 जनवरी के आसपास क्षेत्र में पाला पड़ने से सरसों की अगेती फसल में

- सूरतगढ़ में पत्तों पर दिखाई दी बर्फ

नुकसान हुआ था। अब फिर से एक बार पाला पड़ने से सरसों की पछेती और चने की फसलों में नुकसान की आशंका है। सिंचाई पानी में भी कटौती होने से फसलें बर्बाद हो रही है। परंतु अब शेष रही कसर पाले ने भी पूरी करने की ठान रखी है। यही हालात चक एक एलएम, गोविंदसर, बख्तावरपुरा और गुडली क्षेत्रों की है। जहां फसलों पर आज फिर बर्फ की परत जमी हुई नजर आई।

मावठ होने से पारे में गिरावट

निवाई में बरसात होने से सड़क पर भरा हुआ पानी।

तेज अंधड़ से हुआ फाल्ट, विद्युत सेवा 18 घंटे रही ठप

निवाई, (निसं)। क्षेत्र में रविवार देर रात करीब 9 बजे आए तेज अंधड़ से 33 केवी लाइन में फाल्ट आ गया। इस फाल्ट के चलते पांच जी.एस.एस. के अधीन करीब 60-70 गांव की विद्युत सेवा करीब 18 घंटे ठप रही।

तेज अंधड़ से 33 केवी लाइन में फाल्ट आ गया एवं भुरटिया के पास 11 के.वी. लाइन पर बबूल का पेड़ टूटकर गिर गया जिससे 3 खंबे टूट गए। जिससे मित्रपुरा, करेडा बुजुर्ग, हरभांवता एवं दत्तवास जीएसएस के अधीन करीब 60-70 गांव में पूरी रात अंधेरा छाया रहा। दिन में भी विद्युत सेवा बहाल नहीं होने से दुकानदारों के बिजली आधारित काम नहीं हो पाए। कई घरुलू कार्य भी प्रभावित हुए। सोमवार सुबह गुंसी सहायक अभियंता रणधीर वर्मा, लाइनमैन शमशेर खान, सत्यनारायण गुर्जर एवं राजेश मीणा ने चैनपुरा से हरभावता गांव तक करीब 15 किलोमीटर तक पैदल पेट्रोलिंग कर फाल्ट को तलाश किया। इस दौरान हरभावता टोल के पास 33 केवी लाइन में मिले इंसुलेटर पिंचर के स्थान पर नया लगाने के बाद शाम करीब चार बजे बिजली सेवा बहाल हो पाई।

निवाई, (निसं)। उपखण्ड सहित शहर में शनिवार की रात से सोमवार को दूसरे दिन भी मावठ होने से तापमान में गिरावट आने से ठण्ड बढ़ गई जिससे जन-जीवन प्रभावित रहा। ठण्ड के कारण दिनभर सरकारी दफ्तरों सहित घरों में लोग गर्म कपडों में लिपटे रहे और सर्दी से बचने के लिए अलाव जलाकर तापते हुए नजर आये।

सोमवार की अलसुबह बादलों की तेज गर्जना के साथ बरसात हुई। रविवार की रात में भी रुक-रुक कर बारिश होती रही। सुबह के समय क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा। दिनभर ठण्डी हवा चलती रही जिससे लोग ठिठुरते रहे। इस दौरान दिनभर सूर्यदेव के कभी-कभी दर्शन हुए जिससे लोगों ने राहत महसूस हुई। कई बार बादलों की ओर से सूर्य बाहर निकला और फिर बादलों की ओट में छुप गया। यह सिलसिला शाम तक जारी रहा। बरसात होने से सड़कों पर पानी भर गया जिससे वाहन चालकों एवं राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और हरीश मीणा ने सदन में गहलोत सरकार को घेरा

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बिजली-पानी, चिकित्सा, शिक्षा और भ्रष्टाचार का मुद्दा छाया

- राजस्थान में अनिवार्य एफ.आई.आर. के नाम पर मुख्यमंत्री और मंत्री वाहवाही बटोरते हैं, लेकिन मुझे एक एफआईआर दर्ज कराने के लिए 10 दिन तक धरना देना पड़ा था : हरीश मीणा
- सरकार कहती है कि प्रदेश में बिजली सरप्लस है, तो फिर किसानों को बिजली दी क्यों नहीं जाती : सुरेश मोदी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और हरीश मीणा ने सोमवार को विधानसभा में गहलोत सरकार को जमकर घेरा। राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के दौरान बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इन विधायकों ने अपनी ही पार्टी के मंत्रियों को खरी-खरी सुनाई। हरीश मीणा ने जहां भ्रष्टाचार में जीरो टोलरेंस नीति पर सवाल उठाया तो सुरेश मोदी ने बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और चिरंजीवी योजना की खामियां गिनाते हुए कांग्रेस सरकार को घेरा।

हरीश मीणा ने आरोप लगाया कि राजस्थान में अफसरशाही हावी है, मुख्यमंत्री-मंत्री राजस्थान में अनिवार्य एफ.आई.आर. के नाम पर वाहवाही बटोरते हैं, लेकिन मुझे एक एफआईआर दर्ज कराने के लिए 10 दिन तक धरना देना पड़ा था।

इसके बाद नीमकाथाना के कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी ने प्रदेश में बदहाल बिजली आपूर्ति का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री के सरप्लस बिजली के दावों पर सवालिया निशान लगाया। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री और मंत्री कहते हैं कि प्रदेश में बिजली उत्पादन सरप्लस है तो फिर किसानों को बिजली क्यों नहीं दी जा रही, आखिर बिजली जा कहां रही है। या तो बिजली नहीं हैं या फिर सप्लाई तंत्र में गड़बड़ी है।

सुरेश मोदी ने कहा कि किसानों को बिजली नहीं मिलने से फसलें जल रही हैं। किसानों को कम से कम 6 घंटे बिजली तो देनी ही चाहिए। बिजली सप्लाई की व्यवस्था को फसल पकने तक अच्छी करें। पहले 22 घंटे टू फेस बिजली मिलती थी, अब शाम 6 से रात 10 बजे तक बिजली काट देते है। जब बिजली की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, उस वक्त बिजली काटना बहुत गलत है, इससे सबको दिक्कत होती है।

मोदी ने कहा कि मेरे यहां 33 केवी के दो ग्रिड सब स्टेशन के लिए पिछले 4 साल से लगातार प्रयास कर रहा हूं। मंजूरी भी मिल गई, लेकिन फाइल पता नहीं कहां अटकी है, इसके आदेश कहां दबे पड़े हैं। मेरे क्षेत्र के अलावा कई जगह 33 केवी के सब स्टेशन बन गए। एक जगह तो फीडर से दूरी 48 किलोमीटर की है, जबकि नियमानुसार 9 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी नहीं होनी चाहिए।

इसके बाद सुरेश मोदी ने चिरंजीवी योजना में खामियां गिनाते हुए सुधार की मांग रखी। उन्होंने चिरंजीवी योजना में कई स्तर की खामियां हैं, जिन्हें सुधारना जरूरी है। कई निजी अस्पतालों में आप चिरंजीवी में इलाज करवाने जाते हैं तो जूनियर डॉक्टर इलाज करता है। गैर चिरंजीवी में है तो सीनियर डॉक्टर इलाज करता है। भाजपा विधायक जोगेश्वर गर्ग ने भी चिरंजीवी योजना में प्रवासी राजस्थानियों के इलाज नहीं होने का मुद्दा उठाया। गर्ग ने कहा कि कांग्रेस को प्रधानमंत्री मोदी के नाम से ही तकलीफ है, आयुष्मान भारत स्कीम राजस्थान में लागू की नहीं, भाजपा सरकार की भामाशाह योजना से इनको तकलीफ है। इसलिए चिरंजीवी योजना तो लाए, लेकिन इसमें प्रवासी राजस्थानियों के इलाज की कोई व्यवस्था नहीं की। बहस में खींवसर विधायक नारायण बेनीवाल ने किसानों का ऋण माफ करने की घोषणा को अमली जामा पहनाने की बात कही। उन्होंने महाराणा प्रताप से लेकर दुर्गादास, मीरा, पन्नाधाय, नानी बाई, अमृता देवी का जिक्र तो कर दिया लेकिन इनको आपकी सरकारें कभी तो स्कूलो के कोर्स में शामिल करती है तो कभी हटा देती हैं। उन्होंने इन आदर्शो के आराधना स्थल पर पैनोरमाओ का निर्माण कराने की मांग की। बेनीवाल ने कहा कि मारवाड़ी के नाम से प्रसिद्ध राजस्थानियों व राजस्थान दिवस का गुणगान तो आपने कर दिया लेकिन इन मारवाड़ियों की अपनी जुबान राजस्थानी भाषा को मान्यता देने की कोई बात नही की। चर्चा में मदन दिलावर, नारायण बेनीवाल, चन्द्र भान आक्या, बलजीत यादव, सुरेश टाक, जोराराम कुमावत, पदमा राम मेघवाल समेत कई विधायकों ने हिस्सा लिया।

क्रिप्टो करेंसी से 40 लाख रुपये ठगने वाला गिरफ्तार

आरोपी दीपेश राठौड़ (बीच में)

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने क्रिप्टो करेंसी खरीदने व बेचने के नाम पर 40 लाख रूपए की ठगी करने वाले शातिर ठग दीपेश कुमार राठौड़ (35) निवासी प्रतापगढ़ हाल रतलाम (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपेश राठौड़ क्रिप्टो करेंसी की ट्रेडिंग करने वाले व्यक्तियों से वर्चुअल मोबाइल नम्बर से सम्पर्क कर खरीदने व बेचने का सौदा करता है। इसके बाद क्रिप्टो करेंसी अपने वॉलेट में स्थानांतरित करवाकर मोबाइल बंद कर लेता है।

डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि गत 14 अप्रेल 2022 को परिवादी अहमदाबाद निवासी राहुल मंगरानी ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 12 अप्रेल 2022 को किसी व्यक्ति ने विदेशी मोबाइल नम्बर से वाट्सएप कॉल कर क्रिप्टो करेंसी क्रय करने का झांसा देकर करीब 40 लाख रुपए अपने वॉलेट में ट्रांसफर करवा लिए तथा भुगतान बिना किए ही अपने मोबाइल नम्बर बंद कर लिए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर थानाधिकारी राण सिंह के नेतृत्व में एएसआई विजय सिंह की टीम गठित की गई। यह टीम ने 25 जनवरी को मध्यप्रदेश के रतलाम पहुंची। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर 28 जनवरी को दीपेश कुमार राठौड़ को रतलाम से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी दीपेश राठौड़ क्रिप्टो करेंसी की ट्रेडिंग करने वाले व्यक्तियों से वर्चुवल मोबाइल नम्बर से सम्पर्क कर खरीदने और बेचने का सौदा करता है। तथा खरीदने वाले को कीमत से अधिक और बेचने वाले को कीमत से कम रुपए बताकर सौदा तय कर लेता है। तथा क्रिप्टो करेंसी अपने वालेट में स्थानान्तरित करवाकर वर्चुवल मोबाइल नंबर को बंद कर लेता हैं।

संक्षिप्त

20 ग्राम स्मैक समेत दो सप्लायर पकड़े

जयपुर । कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने खोह नागोरियान इलाके में कार्रवाई करते हुए 20 ग्राम स्मैक जब्त कर दो सप्लायरों को पकड़ा है, जिनमें एक बालअपचारी शामिल है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल एक लूना मोपेड भी जब्त की है। डीसीपी (क्राइम) परिस देशमुख ने बताया आरोपित पवन मौर्य (19) निवासी नागतलाई कच्ची बस्ती, गलता गेट को गिरफ्तार कर इसके साथी बालअपचारी को निरुद्ध किया गया है। दोनों के कब्जे से 20 ग्राम स्मैक सहित तस्करी में प्रयुक्त लूना बरामद की गई है। सप्लायरों ने यह स्मैक रहीम नगर, खोह नागोरियान निवासी इरशाद उर्फ हर्षी से 2600 रूपए प्रति ग्राम के हिसाब से खरीदकर 5200 रूपए प्रतिग्राम के हिसाब से बेचना कबूल किया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर । मालपुरा गेट इलाके में एक महिला से देहशोषण का मामला सामने आया है। थानाधिकारी सतीश चंद चौधरी ने बताया मूलतया जिला टोंक हाल इलाके निवासी महिला ने रिपोर्ट दी है। आरोप है किशोर उर्फ गिर्राज शादी का झांसा देकर पिछले 15 वर्षों से देहशोषण करता आ रहा है और उसकी सारी कमाई भी हड़प कर चुका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं गलता गेट थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया गिरफ्तार आरोपित सिराजुद्दीन (58) वन विहार कॉलोनी, गलता गेट के रहने वाला है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

बदमाशों ने युवती का मोबाइल छीना

जयपुर । मालवीय नगर इलाके में बाइक सवार बदमाश एक युवती का मोबाइल छीन ले गए। पुलिस ने बताया 12/394, मालवीय नगर निवासी वर्षा ठक्कर 29 जनवरी को इलाके स्थित रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास से जा रही थी।

पेपरलीक के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण के मकान की नीलामी की तैयारी शुरू

जे.डी.ए. ने मकान तोड़ने का 19.11 लाख रु. खर्च 7 दिन में मांगा

जयपुर (का.सं.)। शिक्षक भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण को नोटिस जारी कर जेडीए प्रशासन ने 19.11 लाख रुपये मांगे है। जेडीए के प्रवर्तन अधिकारी ने नोटिस में चेतावनी दी है कि अगर मकान के तोड़फोड़ में जेडीए द्वारा खर्च की गई 19.11 लाख रुपये की रकम 7 दिन का नहीं चुकाई गई तो जेडीए प्रशासन इस प्लॉट की कुर्की कर नीलामी के जरिये यह राशि वसूलेगा।

रजनी विहार में भूपेंद्र सारण का ध्वस्त मकान।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि पेपरलीक गिरोह के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण के रजनी विहार स्थित प्लॉट 67-सी में तोड़फोड़ की गई थी। इसमें जेडीए के संसाधन, अधिकारी-कर्मचारी, लेबर, स्थानीय पुलिस और मशीनों का बेड़ा लगाया गया था। मकान के ध्वस्तीकरण में करीब 19.11 लाख रुपये के खर्च का अनुमान है। यह रकम चुकाने के लिए पिछले दिनों भूपेन्द्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण को नोटिस जारी किया था। सोमवार को पुन: नोटिस जारी कर 7 दिन का वक्त दिया गया है। अगर यह रकम जेडीए कोष में जमा नहीं करवाई जाती है तो उनके भूखंड़ की कुर्की करके जेडीए प्रशासन नीलाम करेगा और अपनी रकम वसूलेगा।

सांसद किरोड़ी के धरने को लेकर सदन में हंगामा मचा

- सीबीआई जांच की मांग करते हुए भाजपा विधायक वैल में उतरे
- सभापति राजेन्द्र पारीक की समझाइश पर विपक्ष नहीं माना तो स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने मामला शांत कराया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । पेपरलीक प्रकरण में बीते 7 दिन से जयपुर में धरने पर बैठे राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल की चर्चा भी विधानसभा में गूंजी। भाजपा विधायकों ने यह मुद्दा सदन में उठाते हुए कांग्रेस सरकार को घेरा।

दरअसल जब राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस चल रही थी, तब भाजपा विधायक अशोक लाहोटी ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सांसद किरोडी लाल मीणा पेपरलीक मामले को लेकर युवाओं की परेशानी पर संवेदनशीलता दिखाते हुए पिछले 6-7 दिन से धरने पर बैठे हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार की कान पर जूं भी नहीं रैंग रही है। लाहोटी ने कहा कि सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य उनके समर्थन में उनके साथ धरने पर जा रहे हैं। राज्य सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए प्राथमिकता से इस मामले को लेना चाहिए। भाजपा के अन्य सदस्यों ने भी उनके सुर में सुर मिलाए और अपने स्थान पर खड़े होकर सरकार के खिलाफ तथा पेपरलीक की सीबीआई जांच की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए वैल में आ गए।

इससे सदन में हंगामा छा गया। सभापति राजेन्द्र पारीक की काफी समझाइश के बाद भी जब विधायक नहीं माने तो विधानसभाध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी आसन पर आए। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों को चेतावनी देते हुए अपने स्थान पर भेजा तब जाकर करीब 10 मिनिट में सदन में शांति का वातावरण बना।

सार-समाचार

पुलिस ने 20 लाख रु.के 104 फोन ढूंढे

माणक चौक पुलिस ने ढूंढे हुए मोबाइल उनके असली मालिकों को सुपुर्द किए।

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने अभियान चलाकर एक माह में गुम हुए 20 लाख रूपए से ज्यादा की कीमत के 104 एंड्रॉयड मोबाइल राजस्थान में अलग अलग स्थानों से बरामद कर असल मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किए है। डीसीपी (नॉर्थ) परिस देशमुख ने बताया वर्ष 2022 एवं इससे पूर्व के वर्षों के गुम हुए मोबाइलों की सूची तैयार कर तकनीकी आधार एवं सभी दूरसंचार प्रदाता कंपनियों से समन्वय कर जयपुर एवं सम्पूर्ण राजस्थान में विभिन्न स्थानों पर चल रहे 104 से अधिक मोबाइलों को बरामद किया गया, जिनकी बाजार कीमत लगभग 20 लाख रूपए है। इन मोबाइल को सोमवार को माणक चौक थाना परिसर में असल मालिकों को लौटा दिया गया है।

ऑनलाइन गैंबलिंग करने वाले 4 पकड़े

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा थाना पुलिस ने ऑनलाइन गैंबलिंग के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।डीसीपी (वेस्ट) वंदिता राणा ने बताया फतेहपुर सदर जिला सीकर निवासी फूलचंद (29), गैलासर मकराना निवासी भवानी सिंह (27), गरिण्डा फतेहपुर निवासी आकाश (24) और हिसार हरियाणा हाल चौमू निवासी जतिन चौहान (29)को सीकर रोड स्थित गुरूशिखर शेखावाटी बिल्डिंग में स्थित फ्लैट नम्बर 404 से गिरफ्तार किया गया है।थानाधिकारी हरिपाल सिंह ने बताया आरोपी गूगल पर स्प्रिंटर ऑनलाइन डॉट इन नामक लिंक से लोगों को ऑनलाइन जोड़ वाट्सअप से लॉगिन करवाते है। गिरोह द्वारा लोगों को ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड मास्टर आई डी टैब से क्लाइंट की आई डी टाइगर एक्सचेंद, स्प्रिटंर्स 777, स्प्रिंटर 999, स्प्रिंटर बीआईटी बनाते है। आईडी बनाने के बाद कस्टमर ऑनलाइन ही पेमेन्ट 100 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक ट्रांजेक्शन करते है। लोगों को ज्यादा पैसे कमाने का झांसा देकर लोगों से छलपूर्वक रुपए खातों में डलवा लेते है। उसके बाद स्वयं के और अन्य के खातों में ट्रांसफर कर देते हैं।

मेडिकल शॉप में घुसकर मारपीट

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर इलाके में कार सवार बदमाशों ने मेडिकल शॉप में घुसकर सेल्समैन से मारपीट की। थार जीप में सवार होकर आए बदमाशों ने डंडे और लोहे के स्टूल से कर्मचारियों को पीटा। एक सेल्समैन का सिर फोड़कर हमलावर फरार हो गए। मेडिकल शॉप में लगे सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों की करतूत कैद हो गई। पुलिस ने बताया कि बीलवा शिवदासपुरा निवासी हनुमान शर्मा (28) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि कुम्भा मार्ग प्रताप नगर स्थित अपोलो फार्मेसी पर वह सेल्समैन है। शनिवार को वह मेडिकल शॉप पर अपने तीन-चार साथियों के साथ ड्यूटी पर था। रात करीब 10:45 बजे दो लड़के शॉप पर नींद की दवाई मांगने आए। दवाई नहीं होने की कहने पर कर्मचारियां से गाली-गालौच करने लगे। जिसके बाद वह वहां से चले गए। करीब 10 मिनट बाद ही दोनों बदमाश अपने 4-5 साथियों के साथ थार जीप से वापस आ गए और हमला कर दिया।

डॉ.भुवनेश जैन ने कार्यभार संभाला

जयपुर। नेहरू युवा केंद्र संगठन के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मुख्यालय के निदेशक डॉ. भुवनेश जैन ने आज जयपुर में पश्चिम क्षेत्र के पांच राज्यों के क्षेत्रीय निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन के महानिदेशक नीतेश कुमार मिश्रा ने डॉ. जैन को क्षेत्रीय निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार के आदेश जारी किये थे। देश में नेहरू युवा केंद्र के 6 क्षेत्रीय निदेशालय कार्यरत हैं। जयपुर में क्षेत्रीय निदेशालय वर्ष 2021 में बना था। इस निदेशालय में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छतीसगढ़, गोवा राज्य में कार्यरत नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य-जिला कार्यालय शामिल है।

मजबूरी का नाम राजस्थान का गांधी : पारख

भाजपा विधायक ने सदन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसा

- ''मुख्यमंत्री गहलोत ने शिक्षकों के सम्मेलन में पूछा था क्या ट्रांसफर के लिए पैसा देना पड़ता है? इस पर सभी शिक्षकों ने चिल्लाकर कहा कि देना पड़ता है।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । भाजपा विधायक ज्ञानचंद पारख विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर जमकर तंज कसे।

पारख ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए कहा कि ''राजस्थान का मुख्यमंत्री आज मजबूर है। अब तो कहावत बन गई कि मजूबरी का नाम राजस्थान का गांधी है। राजस्थान के मुख्यमंत्री को हमने इतना मजबूर कभी नहीं देखा। एक तो कोरोना और एक आपकी पार्टी का कोरोना, आपकी सांसें निकाल रहा है। ऐसे में प्रदेश को संभालना मुश्किल हो गया। हमने देश-प्रदेश की मजबूत कांग्रेस देखी है। कांग्रेस जो पाकिस्तान के दो टुकड़े करवाने का दंभ भरती है। वह आज देश के टुकड़े करने वाली टुकड़े-टुकड़े गैंग की गिरफ्त में है। राहुल गांधी की यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ज्यादा टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग थे।''

पारख ने कहा कि तबादला-पोस्टिंग में भारी करप्शन है। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों शिक्षकों के सम्मेलन में पूछा था कि क्या ट्रांसफर के लिए पैसा देना पड़ता है? इस पर सभी शिक्षकों ने चिल्लाकर कहा कि देना पड़ता है। क्या मजबूरी है मुख्यमंत्री की, जब मुख्यमंत्री के सामने शिक्षक कह रहे हैं कि ट्रांसफर-पोस्टिंग में पैसा देना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि हमने 1985 में उस कांग्रेस को देखा है, जिसने दागी नेता चाहे कितना बड़ा हो, उसका टिकट काट दिया था। आज उनके चंगुल में फंस रहे हो। कोई भी रिश्वत में पकड़ा जाता है तो कहता है कि ऊपर तक पैसा देना पड़ता है। यह ऊपर वाला कौन है? जिस दिन ऊपर वाला पैसा लेना बंद कर देगा, उस दिन नीचे भ्रष्टाचार अपने आप बंद हो जाएगा। बहस के दौरान बीजेपी विधायक वासुदेव देवनानी ने सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की खेमेबंदी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। देवनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री और पूर्व डिप्टी सीएम की लड़ाई में जनता पिस रही है। अफसर मंत्रियों की नहीं मान रहे हैं, मंत्री, विधायकों की नहीं मान रहे। स्तरहीन बयानबाजी हो रही है। इससे राजस्थान की छवि बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री खुद लाचारी का अनुभव कर रहे हैं।

जी क्लब पर फायरिंग करने वाले शूटरों की तलाश में पंजाब, दिल्ली और हरियाणा भेजी पुलिस टीमें

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई को पुलिस जल्द ही प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जयपुर लाएगी

- पुलिस ने करीब 200 संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर दोनों शूटर्स व उनके बाइक चालक साथियों को चिन्हित किया
- आरोपी पश्चिमी राजस्थान के होने की संभावना पर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व बीकानेर में भी तलाश जारी

जयपुर । राजधानी के जवाहर सर्किल इलाके में होटल पर अंधाधुंध फायरिंग करने के मामले में फिलहाल पुलिस को कोई सफलता हासिल नहीं हुई है। हालांकि आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें राजस्थान सहित पंजाब, दिल्ली और हरियाणा भेजी गई है। वहीं जयपुर में कुख्यात गैंगेस्टर लॉरेंस विश्नोई की बढ़ती अपराधिक गतिविधियों को लेकर पुलिस ने उस पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। अब पुलिस जल्द ही लॉरेंस को प्रोडेक्टशन वारंट पर जयपुर ला सकती है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जयपुर में फायरिंग करने से पहले बाहर से आए शूटरों ने गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के स्थानीय गुर्गों से मदद मांगी। यहां मदद नहीं मिलने पर शूटर शनिवार दोपहर को जयपुर पहुंचे और जी क्लब के आस-पास रहकर रैकी की। देर रात जी क्लब मालिक अक्षय गुरनानी के क्लब पहुंचने के कुछ देर बाद ही शूटरों ने फायरिंग की और जयपुर से बाहर भाग गए। शूटरों ने बाइक चोरी की या फिर किसकी है। इस संबंध में जांच की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त क्राइम अजयपाल लाम्बा ने बताया कि जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने करीब 200 संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर दोनों शूटर व उनके बाइक चालक साथी की पहचान की है। तीनों शूटर पश्चिमी राजस्थानी है और वारदात के बाद जयपुर से बाहर भाग गए। उनकी तलाश में पुलिस टीम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, पंजाब, दिल्ली व हरियाणा में भेजी गई है। जयपुर कमिश्नरेट की साइबर सेल और टेक्निकल टीम की मदद से बदमाशों के जयपुर में रुकने के ठिकानों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जयपुर लाया जाएगा, ताकि जयपुर में अब तक दी गई धमकियों के संबंध में उससे पूछताछ की जा सके। पुलिस के अनुसार जयपुर में रंगदारी के लिए धमकी देने के मामले में तीन वांटेड बदमाश रोहित गोदारा, अनमोल विश्नोई और गोल्डी बराड़ विदेश में है। विदेश से गैंग चला रहे हैं। उनकी तलाश में सीबीआई से संपर्क किया जा रहा है।

शनिवार देर रात को इलाके में जी क्लब पर फायरिंग के पीछे का मकसद होटल कारोबारी को डराकर पांच करोड़ की रंगदारी वसूलने की बात सामने आ रही है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में होटल कारोबारी फ्रंटियर कॉलोनी आदर्श नगर निवासी अक्षय गुरनानी (29) ने शनिवार शाम रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह दुर्गापुरा स्थित एयरपोर्ट प्लाजा में होटल डेयज और जी क्लब चलाता है। 28 जनवरी को रात करीब 11:50 पर होटल कारोबारी अक्षय गुरनानी पास स्थित रेडियन ब्लू होटल से निकल कर अपने होटल डेयज पहुंचा था। इसी दौरान बदमाशों ने होटल के गेट से फायरिंग की। वहां पर गार्ड, अन्य स्टाफ व होटल में रूके गेस्ट ने इधर-उधर भागकर और छिपकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 8 जनवरी को उसे वॉट्सएप कॉल आया। कई बार कॉल आने पर एक बार उठाया। सामने वाले ने अपना नाम रोहित गोदारा बीकानेर बोलना बताया। इस दौरान धमकी दी कि 5 करोड़ रुपए दो नहीं तो जिदंगी से हाथ धो लोगे। उसने पीड़ित को एक वाइस मैसेज भी भेजा। जिसमें कहा कि फोन का जबाव नहीं दोंगे और फोन नहीं उठाओगे तो आपकी आवाज गायब हो जाएगी। पीड़ित ने बताया कि उसके कुछ देर बाद ही उसके पास एक इंटरनेट कॉल भी आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई बताया। कहा कि तेरे को रोहित गोदारा का मैसेज मिल गया होगा। रोहित की बात पूरी कर देना नहीं तो जान से हाथ धो बैठोगे। मैं घबराहट के कारण कॉल सेव नहीं कर पाया। इन लोगों से मुझे और मेरे परिवार को जान का भी खतरा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित होटल मालिक को 8 जनवरी से पहले भी धमकी दी गई थी, लेकिन दो बार धमकी दिए जाने के बाद भी उसने पुलिस से संपर्क नहीं किया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि फायरिंग कर चिट्ठी देने से माना जा रहा है कि बदमाशों की ओर से मैसेज भेजा गया। वह कारोबारी को मारना नहीं, डराना चाहते थे, इसी लिए होटल पर फायरिंग की गई।

'राजस्थान में विकसित होंगी 10 हजार मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं'

अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पॉवर पार्क्स की स्थापना के लिए सोमवार को एमओयू हुआ।

जयपुर । भारत सरकार की मिनी रत्न ए-श्रेणी की कम्पनी टी.एच.डी.सी. लिमिटेड तथा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के मध्य आज जयपुर में ज्वांइट वैंचर कम शेयर होल्डिंग एग्रीमेन्ट पर हस्ताक्षर किए गए।

टी.एच.डी.सी. एवं आर.आर.ई.सी. ज्वाइंट वैंचर कंपनी में 74:26 प्रतिशत हिस्से क्रमश: की भागीदारी होगी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष आशुतोष ए.टी. पेडणेकर तथा प्रबंध निदेशक अनिल ढाका की उपस्थिति में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के तकनीकी निदेशक डी.के.शर्मा तथा टी.एच. डी.सी. के चीफ जनरल मैनेजर (सोलर)एस.एस. पॅवार द्वारा उक्त समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष आशुतोष ए.टी. पेडणेकर द्वारा इस अवसर पर अवगत करवाया गया कि इस ज्वाइंट वेंचर कम्पनी द्वारा प्रदेश में 10,000 मेगावाट क्षमता की अक्षय ऊर्जा परियोजनायें प्रदेश के विभिन्न स्थानों में चरणबद्ध रूप से विकसित की जावेंगी, जिससे सस्ती अक्षय ऊर्जा की प्राप्ति होगी। इस अवसर पर पेडणेकर द्वारा टी.एच..डी.सी. अधिकारियों के साथ मिलकर फ्लोटिंग सोलर और पम्प स्टोरेज हाईड्रो प्लांट को भी राजस्थान में विकसित कराये जाने के लक्ष्यों पर विचार-विमर्श किया।

पेडणेकर के अनुसार प्रदेश में स्थापित होने वाले इस अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पॉवर पार्क्स की स्थापना प्रदेश में केन्द्र सरकार के उपक्रम के साथ अक्षय ऊर्जा के विकास की इस तरह की एक अनूठी पहल साबित होगी। राज्य सरकार प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के विकास हेतु हर संभव सहायता एवं सहयोग प्रदान करने हेतु कटिबद्ध है।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक अनिल ढाका द्वारा अवगत करवाया गया कि प्रदेश में 10 हजार मेगावाट क्षमता के अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पॉर्क्स की स्थापना से राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के कार्य-कलापों के दायरे का विकास होगा।

ARBiT
it happens here...

Armoured Snail

Tiny snails sitting on the ocean floor might seem defenseless against a large, determined predator such as a crab. But evolution has provided one species of sea snail with a unique iron-plated armoured shell that resists such attacks. Discovered in 2003, the snail lives in a relatively harsh environment on the floor of the Indian Ocean near hydrothermal vents that spew hot water. The snail has evolved a tri-layered shell structure consisting of an outer layer embedded with iron sulfide granules.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
31 January 2023
A-B

#CURTAIN RAISER

Green Door Arts Week

Maah Space, which is a movement arts and performance space in Jaipur, is organizing a week long showcase of contemporary and folk performance works by independent artists in and around Jaipur. To be held from February 3 to February 10, the week is aimed at bringing forth creativity and innovation in performing arts by independent artists.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Tanish Khandelwal.

The COVID-19 pandemic has dealt a devastating blow to live performers, causing a shift towards online platforms and a decline in live performance art events. However, Maah Space, which is a movement arts and performance space in Jaipur is stepping up to provide a beacon of hope for independent artistes and performers. They are organizing a week-long showcase of contemporary and folk performance works which offers a unique platform for independent artistes to experiment, showcase thought-provoking work, and engage with audiences in an intimate setting.

For The Artists & The Audience

Kamakshi Saxena.

Known as the 'Green Door Arts Week', the event is aimed at bringing forth creativity and innovation in performing arts by independent artists looking to go beyond the norm and experiment with the form they practice, be it theater, music or dance. Telling more about the event, the organizers, Shreeya Kishanpuria Agarwal and Kamakshi Saxena share: "Not only will this event help support and promote live performances, it will also give the Jaipur audience a chance to witness these interesting performances and artists up, close and personal. We hope to make it an annually recurring event bringing together an eclectic mix of artists."

An Eclectic Mix of Performances

The arts week will kick start on 3 February with 'Fragile: a contemporary dance evening' by dance practitioner, Kamakshi Saxena. Over the course of the week-long event, there will be unique performances such as a rendition of Hindustani Classical Music in a Morning Raga by Hullas Purohit, Film Screening of 'Janam Amolak', an artistic expression inspired by music and poetry of Sant Dadu Dayal, folk dance performance by Chaina and Rakesh, Kathak by Manaswini Sharma, Soundscapes - An evening of music by Tanish Khandwal, Contemporary Dance by Michel Casanovas, among others. Another interesting feature of the event will be an installation exhibit – 'What's for Dinner?'. It is an immersive installation designed around real-life stories of the kitchen. The installation tries to open up the conversation around the unspoken rule of women being the caretakers of the kitchen.

Manaswini Sharma.

About Maah Space

Inspired by the Japanese word, Ma (pronounced Maah), Maah is a movement arts and performance space in Jaipur. Through movement classes, workshops, community gatherings, performances and therapeutic healings, Maah intends to create a confluence of artists and art lovers from across the globe in the city. Maah has played host to over 100 artists and has been an exchange ground for the artist and the audience.

When: February 3 to 10
Where: Maah Space, S-18-19, Adinath Nagar, JLN Marg, Jaipur
Entry: For tickets, reach out to 9828411116

Hullas Purohit.

Schedule for Green Door Arts Week

3rd February, 7 pm - Fragile Contemporary dance by Kamakshi Saxena

4th February, 7 pm - Such hai ya Sapana? Dance/theatre by Manju Sharma & Riya Mandal

5th February, 10 am - Morning Raga, Classical vocal by Hullas Purohit

5th February, 6 pm - Film Screening of Janam Amolak by Abhishek Kumawat

5th February, 7 pm- Voices of Folk, Folk dance/theatre by Chaina & Rakesh

6th February, 7 pm- Radhey Kathak by Manaswini Sharma

7th February, 7 pm- Soundscapes, Experimental music by Tanish Khandwal

8th February, 7 pm- Impromptu with the wind, Improvisation dance by Michel Casanovas

9th and 10th February, 5 pm - 9pm - What's for dinner? Aaj Khane Main Kya hai? Installation by Maah X Pink City Feminist

Prime Minister Jawaharlal Nehru (L) tossing the coin along with Dr. S. Radhakrishnan and Maharawal Lakshman Singh at a cricket match between Lok Sabha and Rajya Sabha teams played at the National Stadium, New Delhi, 1953.

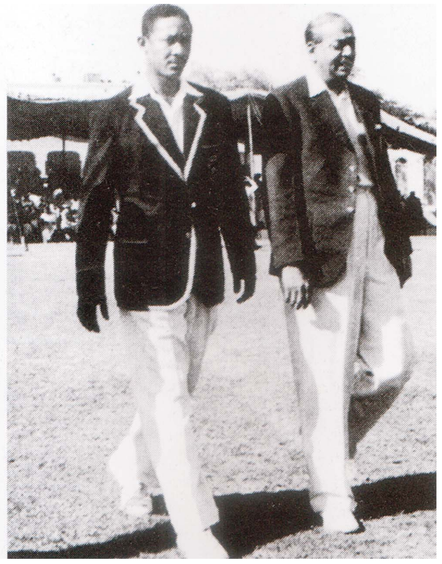

Frank Worrell (R), captain of Silver Jubilee overseas team and Maharawal Lakshman Singh, captain of Rajasthan Raj-Pramukh's XI, walking out for the toss at Ganpatinagar Polo Ground, Jaipur 1953.

The love for cricket a family passion (...3)

Prakash Bhandari
The writer is a senior journalist

Samar Singh, the scion of the Dungarpur royals in his book Dungarpour-A glorious century, has written the history of the Dungarpur rulers and he used the cricketing term century as part of the title of the book.

A good part of the book is devoted to Maharawal Lakshman Singh, who was the last ruler before Indira Gandhi stripped the princes of their privy purse and took away all the privileges enjoyed by them.

Samar Singh has dealt with all the details about the administrative set up of Dungarpur and how well-adminstered the state was. Lakshman Singh persona has also been described by eminent administrator like KM Pannikar. The book in details describes the cricket part of the life of a royal, who later excelled as a politician also. Here is the cricket story of the Maharawal in his own words:

My Reminiscences

Late Maharawal Shri Lakshman Singh of Dungarpur (1908 - 1989)

I started playing Cricket in 1919 when I was eleven years old. That year I went to school at the Mayo College in Ajmer. My Assistant Guardian Thakur Nathu Singh of Gumanpura, who later joined the Indian Army and rose to become a Lt. General, persistently prompted me to play the game and it is thus that I took to Cricket. Like me, Nathu Singh is a left hander, and a left hander has certain advantages – whether a batsman or bowler.

When I started playing the game, Cricket was in its initial phase in India. No doubt, Bombay (now Mumbai) was the cradle of the game, which was also popular in the British administered cities of Madras and Calcutta.

When I joined the Mayo College in 1919, there were some good players in the College Cricket XI known as 'A' Team. The names of Thakur Man Mahipal Singh of Namli, Sahibzada Mir Gulam of Surat and Shrimant Dhairya Sheel Rao of Dhar deserve special mention. Given an opportunity, each of these players would have walked into an English County Cricket XI and made a mark. Among the Masters also, there were some good players and I must mention specially my guardian Col. Twiss and Khan Sahib Gaffar Syed. My Indian Assistant Guardian Thakur Raghunath Singh of Jajli was a fine left arm medium pace bowler and at times on matting wickets, he was almost unplayable. He had great command over length and could cleverly move the ball both ways. It was in 1924 that I was included in the College Cricket 'A' Team as a left hand batsman and soon established my position by heading the batting averages for the subsequent three years.

Then, I was appointed Captain of the team for the next two years till I left the Mayo College in 1927. In 1926, the first MCC team led by Arthur Gilligan (who had captained England against Australia a year before) visited Ajmer and played two matches on the Mayo College Cricket Ground. This was largely due to the persistent efforts of Wahiduddin Begg, a local cricketer who was also my personal friend. I was selected to play both matches.

In the trial match preceding the first match with the MCC team (MCC vs Rajputana and BB & CI Combined XI), I made 63 runs playing against fast bowlers of the caliber of L. Ramji and Chanda Rana, whose right arm (Ramji) – left arm (Chanda Rana) combination was deadly indeed. My innings paved the way for my inclusion in the Indian team to play against the MCC. I was only eighteen -years -old then and was mightily pleased to be the youngest member in our side.

In the two matches that followed at Ajmer, our team was no match for the MCC. But, I got excellent exposure and had the good fortune of playing with excellent players like Vithal, Captain of the formidable Hindu XI, and the redoubtable CK Nayudu, who I consider as the Victor Trumper of India and whom Douglas Jardine called the right-handed Frank Woolley.

Here, it is necessary to mention that in those days cricket was played on coir matting wickets. Turf wickets were unknown then in most parts of the country, except for a few places in Bombay, Madras and Calcutta and, of course, at the Acheson College in Lahore.

On coir matting, fast bowlers like Ramji, Tate or Geary (last two in the visiting MCC team) could make a good length ball stand chest high, which made batting really difficult.

Besides, matting wickets were notorious for high bumpers as well as ground-level shooters, locally called 'surra'. All this added to the woes of the batsman. In other words, making runs on a coir matting wicket in those days required great effort, concentration and skill.

After leaving the Mayo College in 1927, I visited England for the first time. I was looking forward to playing Cricket there and Arthur Gilligan had assured me all facilities for my coaching at the Hove, the Sussex County Cricket Ground in Brighton. However, my guardian Col. Benn, who accompanied me to England, and Sir Leonard Reynolds, the AGG in Rajputana, tactfully dissuaded me from taking Cricket too seriously. They kept telling me that Cricket was at best a game and it should not be allowed to come in the way of my real responsibility as the ruler of a princely state. They added that a promising young prince like me could play a more active and useful role in the field of administration than on the cricket field. Thus, during my stay in England for six months in 1927, I could visit Brighton for three weeks only and merely managed to get some net practice, which disappointed me. On my return, I was invested with ruling powers and the Viceroy, Lord Irwin, advised me to earnestly devote my time and energy in the service of the people of my State and not to take Cricket too seriously - "be it a good game", he said. In these circumstances, I had to curtail my playing of the game on regular basis and though I did play some matches from time to time and even captained the Rajputana team against visiting teams, my career as a cricketer came to a gradual end rather prematurely.

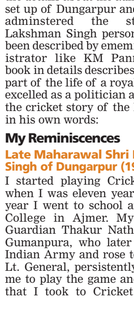

#DUNGARPUR

> They kept telling me that Cricket was at best a game and it should not be allowed to come in the way of my real responsibility as the ruler of a princely state. They added that a promising young prince like me could play a more active and useful role in the field of administration than on the cricket field. Thus, during my stay in England for six months in 1927, I could visit Brighton for three weeks only and merely managed to get some net practice, which disappointed me.

One of my fond memories is the Cricket Tournament organized at Alwar on the occasion of the Silver Jubilee of Maharaja Jai Singh in 1927. The Maharaja very kindly invited me to play for his team in the final match of the tournament against the Aligarh University XI, which had some good players like Abdul Salaam and Mohammed Saeed. I made 72 runs, hitting four sixes, and in partnership with the Maharaja, we put on over fifty runs and won the match. The great Ranji, Jam Saheb of Nawanagar, who was a close friend of Maharaja Jai Singh of Alwar, was present on the occasion and he made some flattering remarks about my innings, which I cherish to this day. Maharaja Jai Singh presented to me the Alwar colours. The State team in those days used to wear Safas and so did we at the Mayo College. Our College colours were Panchranga Safa and Blazer designed on the pattern of the Harlequins on the express wishes of Viceroy Lord Curzon. It is a pity that the Mayo College has now done away with the Panchranga. Colour is a special characteristic of Rajasthan; the people here, men and women, whether rich or poor, simply adore colour. Rightly or wrongly, I regard respect for good traditions as a necessary ingredient for character building at a tender age. The Panchranga being unusual and colourful made us feel proud of it.

The years 1925 to 1939 were the palmy days of the Indian Princes. During this period, Cricket in India was really the Cricket of the Princely era. At that time, there was an unwritten convention that, as far as possible, a cricketing prince should lead the Indian Cricket Team. Thus, the Maharaja of Porbandar and the Maharaj Kumar of Vijaynagaram (popularly known as Vizzy) had the good fortune of leading the Indian teams that visited England in the 30s.

In this context, I may be pardoned for making a personal reference about my own record in the cricketing arena in the period 1925 - 1933. As already mentioned, I topped the batting averages in school for three consecutive years with figures of 49 in 1925, 54 in 1926 and 63 in 1927 and twice made a thousand runs in a season. I captained the Mayo College 'A' Team in 1926 and 1927. Playing against the Alwar State XI, I made a hundred in each innings (133* and 107*) of the match and remained not out both times.

In other matches, I had scores of 215, 151, 104 and 101. In a memorable match against the Carriage and Wagon XI, which included good bowlers like Syed Ansari, Murad and Halim, I made 91 runs in a total of 127. Soon thereafter, the Dungarpur Cricket XI led by me won the All-India Cricket Tournament at Ajmer and I got 127 runs playing against the Mehsana XI, which included formidable bowlers like Amar Singh and Oghad Shanker. Again, playing for the MK Alirajpur's team in 1929, we won the All-India Tournament at Ajmer and my contribution with the bat was notable. In this whole background, with all humility I would say that during this period if any prince was to lead the Indian Cricket Team overseas, my claim surely deserved serious consideration. The fact that I was overlooked in favour of non-performers certainly disappointed me.

In 1931 the Rajputana Cricket Association was formed with its headquarters at Ajmer. Two years later in 1933 the MCC team led by DR Jardine visited Ajmer. The Mayo College Central Ground was the venue of the match in which I had the honour of captaining the Rajputana XI. Somehow, Jardine did not play the match and hence CF Walters captained the MCC. Apart from being a fine player, he was a thorough gentleman and we got along very well. The MCC defeated Rajputana by an innings. Our innings folded up for a paltry 32, with Clark running through the side by taking 5 wickets for only 10 runs. From our side, Ramji and Azim Khan bowled well, which helped in keeping the MCC total down to 213 runs. On this occasion, Jardine and Walters stayed at the residence of Col. Betham, Commissioner, Ajmer, where I was also staying. In the evening, we all sat down at dinner, during the course of which Jardine did not utter a single word! This gave an inkling of his stern character and the ruthless manner in which he took recourse to bodyline bowling against the Australians. All said and done, Jardine was a very shrewd tactician and a great skipper. Also, I can never forget his superb innings of 127 on a sticky wicket at the Lords on a hot and humid day in 1927, when he was captaining the Gentlemen against the Players.

In the winter of 1935 an Australian Cricket Team led by Jack Ryder visited India and played several first class matches at different locations. The match with the Rajputana XI captained by me was interesting though with low scores and we lost by 7 wickets. The match gave me an idea of what a fine all-rounder Jack Ryder must have been in his heydays. Thereafter, I was selected to lead the Cricket Club of India against the Australian XI and the game was played on a perfect turf wicket at the Ferozshah Kotla Ground in Delhi. However, in the middle of the match news was received about the passing away of the King of England and so the match was abandoned. Viceroy Willingdon and Lady Willingdon had both come to watch the match; just before tea I was sent for and the Viceroy said: "The King is dead, the match is off. Please go back to your State and observe mourning according to custom."

> The last big match that I played was at Jaipur against the Silver Jubilee Overseas Team which visited India in 1953-54. This was like the previous two Commonwealth Teams but was named differently to mark the silver jubilee of the Indian Cricket Board. I was selected to lead the Raj Pramukh's XI against the foreign team. We got the opponents out for a moderate total, but then I had to leave the match owing to the demise of a close relative.

Though I continued to play serious cricket occasionally till 1953, my best years were from 1925 to 1932. During this period, I was able to play 10 to12 matches every season from October to March, including the Colvin Shield and the All-India Cricket Tournament matches. In these years I made twelve centuries, including a score of 215. In 1926/27 season, I scored four centuries. After 1932, most of my time was consumed in ruling my state and work connected with the Chamber of Princes. Besides, I took to hunting during periods of leisure. Though Cricket was my favourite game and I remained captain of the Rajputana Cricket Team continuously till the outbreak of the Second World War in 1939, my duties as a ruling prince compelled me to almost give up the game after 1939. Thereafter, I played very few matches. Of course, till 1947 I used to attend the Mayo College Prize Giving almost every year and enjoyed playing for the Old Boys against the College XI.

The last big match that I played was at Jaipur against the Silver Jubilee Overseas Team which visited India in 1953-54. This was like the previous two Commonwealth Teams but was named differently to mark the silver jubilee of the Indian Cricket Board. I was selected to lead the Raj Pramukh's XI against the foreign team. We got the opponents out for a moderate total, but then I had to leave the match owing to the demise of a close relative.

So far, I have mentioned the names of my contemporaries who played Cricket in Rajputana in the 20s and early 30s. But, there were some others at that time who did not get the opportunity of appearing against visiting teams though they were good enough to do so. Among these, I would specially mention the names of Maharaj Virbhadra Singh (my younger brother), Bhim Sen, Ahmed and Nanu from Dungarpur, Rahim Bux and Banarsi Dass of Bissett Institute in Ajmer, Loveday of Abu Road, Ratilal and Erasha of Jhalawar.

Looking back, I am reminded of the fact that I was a member of the Committee that conceived the idea of the Cricket Club of India (CCI) and witnessed the construction and completion of the Brabourne Stadium named after Lord Brabourne, Governor of Bombay, who was the Chairman of the aforesaid committee. Maharaja Bhupinder Singh of Patiala was, of course, the prime mover and mainstay of the initiative. I attended the inauguration of the CCI in 1939, when Vijay Merchant played a classical innings of 140 runs. Now, after decades later, I am the oldest living Patron of CCI. Being a Life Member of the MCC, my name was proposed in 1928 by Maharaja Ranjit Singhji (Ranji), Jam Saheb of Nawanagar, and seconded by Sir Dorab Tata. My name remained on the waiting list for some years and then I was elected member of the celebrated club that is the headquarters of the Cricket World.

My home place, Dungarpur in south Rajasthan, is located among hills and undulating ground. Fifty years ago, we did not have a decent play-ground. The play-ground amidst pretty surroundings that the town boasts of today is the outcome of planning initiated way back in 1933 and the considerable effort, labour and cost involved in executing the project. I am happy that it provides much needed recreation to the local sportsmen, students and people, young and old alike.

In conclusion, I would like to say that Cricket has come to stay in India. Our people love sports, but more than any other game they are crazy about Cricket. Though time consuming, this game needs sustained effort on the part of the players and provides enjoyment to the spectators who gather in large numbers to see the game for several hours over one or more days. Though English in origin, Cricket has virtually become our National Game. May it bring glory to the country and may the sport-loving people of Rajasthan derive ever increasing joy playing or watching the game in its finest form.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Natwar Singh the Maharaja of Porbandar.

Maharaj Kumar of Vijaynagaram (popularly known as Vizzy).

L Ramji.

Arthur Gilligan.

Maharawal Laxman Singh in turban was 18-year-old when he played against Artghur Gilligan's team in 1926 at Mayo College, Ajmer.

Maharawal Lakshman Singh and MK Mahipal Singh (seated on chairs). Standing (L to R)- MK Jai Singh, Maharaj Virbhadra Singh and MK Raj Singh. RK Samar Singh (seated below), 1947.

THE WALL

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

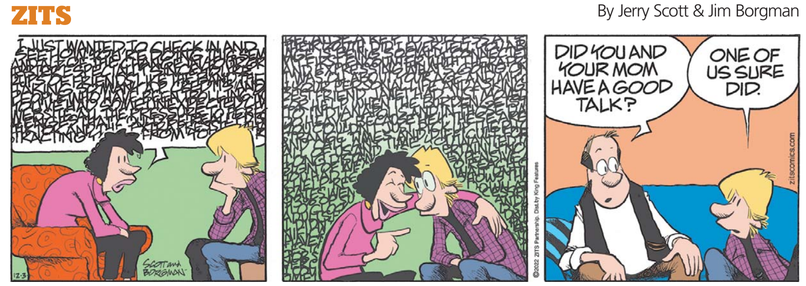

नगर परिषद सभापति रेखा भाटी को नकाबपोश बदमाशों ने धमकाया

कार के आगे बाइक लगाकर देख लेने की धमकी दी, दो आरोपी गिरफ्तार

पाली, (निसं)। गत रात नगरपरिषद सभापति रेखा भाटी को दो नकाबपोश बदमाशों ने देख लेने की धमकी दी। रविवार रात हुए इस घटनाक्रम के बाद सभापति की रिपोर्ट पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामला रविवार रात करीब पौने नो बजे का है जब सभापति रेखा भाटी अपने पार्षद पति राकेश भाटी के साथ एक विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रही थी। इस दौरान साइंस पार्क के निकट उनकी कार के आगे अपनी बाइक लगा दी। अचानक हुए इस घटनाक्रम से उन्हें अपनी कार को रोकना पड़ा, इसके बाद इन दोनों नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें कार से उतरने के लिए कहा। जब भाटी दम्पत्ति कार से नहीं उतरा तो इन बदमाशों ने उन्हें देख लेने की धमकी दी।

धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया।

पहले से कर रहे थे पीछा :- जिस वक्त ये घटनाक्रम हुआ उस वक्त मौके पर जब वाहन चालक रुककर एकत्र होने लगे और राकेश भाटी उतर कर जोर से चिल्लाए तो दोनों बदमाश वहां से फरार हो गए। इसके बाद भाटी की सूचना पर पुलिस वहां पहुंची। भाटी ने बताया कि इन बदमाशों ने पहले तो उनका पीछा किया और फिर साइंस पार्क के निकट मौका देखकर उनकी कार के आगे अपनी बाइक लगा दी जिससे उन्हें अपनी कार को रोकना पड़ा।

- **सभापति भाटी अपने पार्षद पति राकेश भाटी के साथ विवाह समारोह से लौट रही थी**

कार से उतरने के लिए बनाया दबाव:- पटेल छात्रावास में आयोजित एक विवाह समारोह से घर लौटने वक्त बदमाशों ने पहले तो उनकी कार का पीछा किया और फिर साइंस पार्क के निकट अंधेरा देखकर उन्हें कार से उतरने को कहा और देख लेने की धमकी दी घटनास्थल पर अंधेरा होने के कारण भाटी दम्पत्ति उनका चेहरा नहीं देख पाए।

वहीं दूसरी ओर सभापति रेखा भाटी को धमकी देने के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों राम-रहीम कॉलोनी निवासी 32 साल के असलम घोसी पुत्र सफी मोहम्मद और 24 साल के अतीश आचार्य पुत्र जसराज को शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में उन्होंने इस घटना के वक्त नशे में होने की बात कही है जबकि सभापति के पति पार्षद राकेश भाटी ने इन युवकों पर उनका पीछा करने और कार के आगे बाइक खड़ी कर उन्हें अपशब्द कहने का आरोप लगाया है।

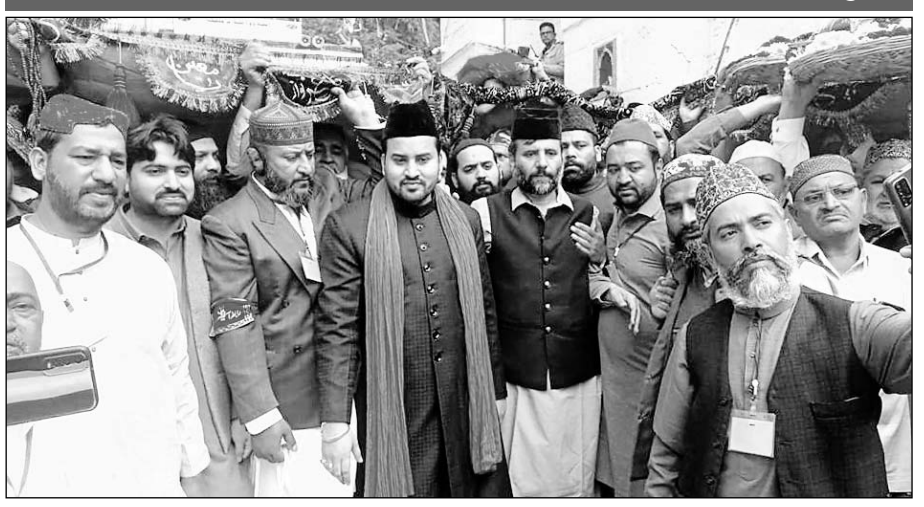

पाक जायरीन दल ने ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश की

पाकिस्तान से 240 जायरीन अजमेर ख्वाजा की नगरी में पहुंचे

ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश करने जाते पाक जायरीन।

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811 वें उर्स में सोमवार को पाकिस्तानी जायरीन ने पाकिस्तान की ओर से ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश की। इस दौरान एक सुकूनभरी तस्वीर भी सामने आई।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान से आए जायरीन जब सेंट्रल गर्ल्स स्कूल से दरगाह के लिए गाते बजाते जुलुस के रूप में रवाना हुए तो शानदार नजारा दिखा। एक पाक जायरीन ने एक और जहां हिंदुस्तान का तिरंगा पकड़ रखा था तो दूसरा जायरीन पाकिस्तान का झंडा लेकर चल रहा था। यह पाक जायरीन दरगाह के अंदर तक झंडे लेकर गए, जिसकी लोगों ने खूब तारीफ की। ग्रुप लीडर तारिक ने बताया कि पाकिस्तान से 240 जायरीन अजमेर ख्वाजा की नगरी में पहुंचे हैं। आज पाकिस्तान से आए जायरीन द्वारा चादर पेश की गई है। दरगाह की अंजुमन और दरगाह कमेटी ओर जिला प्रशासन का बेहतरीन सहयोग मिला है।

पाकिस्तान से आए 240 पाक जायरीन ने ग्रुप लीडर तारिक के नेतृत्व में ख्वाजा साहब को यह चादर पेश की। इस दौरान दोनों मुल्कों में अमन चैन और भाईचारे की दुआ भी की गई। पाक जायरीन की दरगाह में दस्तारबंदी भी की गई साथ ही उन्हें अजमेर का मशहूर सोहन हलवा भी दिया गया। इसके बाद सभी पाक जायरीन महफिल खाने में पहुंचे, जहां दरगाह कमेटी व पाक जायरीन द्वारा कलाम पेश किया गया। चादर पेश करने के लिए जब जायरीन रवाना हुए तो पुलिस भी पूरी तरह से मुस्तैद नजर आई। सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मी पाक जायरीन को लेकर दरगाह पहुंचे।

पाकिस्तान से आए अब्बू शकूर ने कहा कि उन्हें अजमेर आकर ऐसा नहीं लगा कि वह किसी दूसरे मुल्क या दूसरे शहर में हैं, बल्कि उन्हें यहां अपनापन महशूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के पुलिस प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उन्हें भरपूर सहयोग किया। इसके वह शुक्र गुजार हैं। यहां उन्होंने दोनों मुल्कों के लिए दुआ की साथ ही अपने साथियों के लिए भी दुआ की है।

जे.ई.ई.-मेन 2023: विद्यार्थियों की समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जनवरी सेशन में विद्यार्थियों की समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी किए गए शेड्युल के अनुसार अब सिर्फ दो दिन की परीक्षाएं शेष है, जबकि अभी भी सैकड़ों विद्यार्थी ऐसे हैं जो परीक्षा दिनांक और परीक्षा शहर की जानकारी के इंतजार में है। ये वे विद्यार्थी हैं, जिन्हें आवेदन प्रक्रिया के दौरान भरे गए चारों विकल्पों में से कोई परीक्षा शहर आवंटित नहीं हुआ। इसके अलावा कुछ विद्यार्थी हैं जिन्हें भरे गए विकल्पों में से परीक्षा शहर तो मिल गया लेकिन एडमिट कार्ड जारी नहीं हुए। परीक्षा का दिन आने तक ये विद्यार्थी एडमिट कार्ड के इंतजार में है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई मेन जनवरी सेशन की चार दिनों में आठ शिफ्टों में परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। शेष 4 शिफ्टों की बीई-बीटेक की परीक्षा 31 जनवरी व 1 फरवरी को होनी है। अगले दो दिनों में करीब 2.70 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होने का अनुमान है। ऐसे विद्यार्थी बड़े परेशान हैं, जिन्होंने अपने आवंटित परीक्षा शहरों से संतुष्ट नहीं होने पर एनटीए को उनके चुने हुए परीक्षा शहरों को आवंटित करने के लिए ई-मेल के माध्यम से आपत्ति दर्ज करवाई थी। इन विद्यार्थियों के अभी तक भी एडमिट कार्ड जारी नहीं होने से विद्यार्थियों में अब संशय की स्थिति है, कि मात्र जेईई-मेन के बचे हुए दो दिनों में परीक्षा देने के लिए उनके एडमिट कार्ड जारी भी होंगे या नहीं। कहीं उनका जनवरी जेईई-मेन सेशन परीक्षा छूट नहीं जाए और यदि जारी किए गए एडमिट कार्ड के अनुसार उन्हें परीक्षा शहर दूर मिलता है तो आने जाने की व्यवस्था इतने कम समय में कैसे होगी, इस कारण विद्यार्थियों का अपनी पढ़ाई को समय नही ंदे पा रहे हैं।

ऐसे में विद्यार्थियों द्वारा एनटीए को बार-बार ई-मेल के माध्यम सूचित किया जा रहा है, परन्तु जेईई-मेन एनटीए द्वारा इस संबंध में वेबसाइट पर कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है कि विद्यार्थियों की परीक्षा कब है और इसके लिए एडमिट कार्ड कब जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही बड़ी संख्या में बिहार बोर्ड के विद्यार्थी भी परेशान हैं कि उनकी पूर्व में जारी की गई 31 जनवरी व 1 फरवरी की परीक्षा तिथियों में बदलाव नहीं किया गया है।

पूनम हत्याकाण्ड के आरोपी को उम्रकैद

भीलवाडा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (महिला उत्पीड़न प्रकरण) ने शहर के निकटवर्ती हलेड गांव में हुए बहुचर्चित पूनम हत्याकांड मामले में आरोपी को आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया गया। अभियोजन पक्ष ने आरोपित पर लगे आरोप सिद्ध करने के लिए अदालत में 55 दस्तावेज पेश कर 21 गवाहों के बयान कलमबद्ध करवाये।

विशिष्ट लोक अभियोजक संजू बापना ने बताया कि हलेड निवासी शंकर लाल पुत्र बाबूलाल ने 3 अप्रैल 2019 को सदर थाना पुलिस को वारदातस्थल पर रिपोट दी कि वह अपने परिवार सहित हलेड में रहता है। 3 अप्रैल 2019 को करीब 12-1 बजे के बीच में परिवादी की बहिन पूनम (19) घर पर नहीं मिली। उसकी, परिवादी व परिजनों ने आसपास के गांव में तलाश की। इस बीच दोपहर में गांव के ही राकेश की लड़की शौच करने के लिए गांव के बाहर सुवाणा रोड पर साईड में खाली जगह में गयी। उसने आकर बताया कि एक महिला मरी हुई पड़ी है। इस पर परिवादी, उसका पिता आदि ने जाकर देखा तो पूनम की लाश पड़ी थी। उसका गला धारदार हथियार से कटा हुआ था। परिवादी ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच शुरु की।

पुलिस ने घटनास्थल से मृतका पूनम का मोबाईल हैण्डसेट व एक खून सना चश्मा, मृतका के हाथ की अंगुलिया में मिले बालों को जब्त किया। कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया। अभियोजन पक्ष ने आरोपित पर लगे आरोप सिद्ध करने के लिए अदालत में 55 दस्तावेज पेश कर 21 गवाहों के बयान कलमबद्ध करवाये।

स्कूल बस बिजली के तारों में उलझी

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं बाईपास के पास स्थित हाड़ोता के एनबी पैलेस के पास एक निजी स्कूल की बस बिजली के तारों में उलझ गई। बस में धमाका होने पर आसपास के लोग बाहर निकले तो टारगेट स्कूल की बस में बिजली का तार फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को सूचना देकर बिजली सप्लाई बन्द करवाई और स्कूल के बच्चों को बस से बाहर निकाला। वहीं बस के चालक की लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता था।

बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर

करौली मे बारिश के दौरान सुनसान पड़ा कलेक्ट्री सर्किल।

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गत 2 दिन से मौसम ने अचानक पलटा खाया है और आकाशीय गर्जना के साथ तेज हवाओं के बीच रिमझिम बारिश से मौसम सुहावना हो गया। वहीं किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर देखी जा रही है। गत दिनों रविवार की रात्रि से मौसम ने अचानक पलटा खाया और तेज अंधड के साथ आकाशीय गर्जना के बीच रिमझिम बारिश के साथ कई स्थानों पर ओले पड़ने से मौसम में ठंडक दिखाई दी। सोमवार को प्रातः से ही रुक-रुक कर रिमझिम बारिश होती रही। बाजारों में लोगों की आवाजाही नगन्य देखी गई। जहां आम दिनों में बाजार प्रातः आठ खुल जाते थे वहां बाजार 12 बजे तक नहीं खुल पाए। तेज हवाओं के चलने और रिमझिम बारिश के चलते रात्रि से ही जिला मुख्यालय पर विद्युत आपूर्ति ठप हो गई जो सोमवार को दोपहर 12 बजे जाकर बहाल हो पाई।

अंधड़ से टीनशेड उड़े

चाकसू, (निसं)। जनवरी का माह जाते-जाते उपखण्ड में जबरदस्त तबाई मचा गया। यहां दो दिन से हो रही बेमौसम बारिश से यकायक ठंड बढ़ गयी, लेकिन वर्षा के साथ पड़े ओलों से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। यहां दरगाह कॉलोनी में देर रात्रि को तेज अंधड़ से कच्चे घरों पर रखे टीनशेड उड़ गए। जिससे घर में सो रही आलम खान की 5 साल की बेटी कशिश की टीन से अंगूली कट गई और गम्भीर घायल हो गयी, जिसे जयपुर रैफर किया गया है। वहीं दूसरी ओर हवा, वर्षा व अंधड़ से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है जिससे किसानों के चेहरों पर निराशा हाथ लगी है। तेज अंधड़ से यहां के लोगों को बिजली व पानी की समस्याओं से गुजरना पड़ा। बिजली के तार टूटने से कई मोहल्लों में बिजली गुल रही।

उत्कर्ष क्लासेस में मनोवैज्ञानिक परामर्श विभाग की स्थापना

इस विभाग में मनोविज्ञान के जाने-माने विशेषज्ञ विद्यार्थियों की काउंसलिंग करेंगे

जोधपुर, (कासं)। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का छात्रों मे उत्पन्न तनाव को दूर करने के लिए अब उत्कर्ष क्लासेस की ओर से मनोवैज्ञानिक परामर्श विभाग की स्थापना की गई है। इस विभाग में मनोविज्ञान के जाने-माने विशेषज्ञ विद्यार्थियों की काउंसलिंग करेंगे। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. ए.के.मलिक, उत्कर्ष मनोवैज्ञानिक परामर्श विभाग के अध्यक्ष होंगे। वहीं उत्कर्ष के ट्रेनिंग एंड डवलपमेंट विभाग के प्रभारी दीपक बिस्सा एवं मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉ. हेमलता पंचारिया परामर्श विभाग के सदस्य होंगे।

उत्कर्ष क्लासेज जोधपुर में मनोवैज्ञानिक परामर्श विभाग स्थापित किया।

उत्कर्ष क्लासेज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि कई बार माता-पिता की बच्चों से अत्यधिक अपेक्षाओं और सपनों को पूरा करने की चिंता विद्यार्थियों में मानसिक अवसाद का कारण बन जाती है। इससे परीक्षा की सुनियोजित तरीके से तैयारी करने के बजाय उनमें नकारात्मक अभिवृत्तियां विकसित होती है जो कभी-कभी उन्हें घातक कदम उठाने को मजबूर करती हैं। विद्यार्थी अवसाद में न आकर बेहतर ढंग से अपने लक्ष्य को साध सकें इसी उद्देश्य से संस्थान की ओर से मनोवैज्ञानिक परामर्श विभाग की शुरुआत की गई है। इस विभाग के विशेषज्ञों की टीम समय-समय पर विद्यार्थियों की काउंसलिंग करेंगी।

उत्कर्ष मनोवैज्ञानिक परामर्श विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ.ए.के. मलिक ने बताया कि विभाग की ओर से समय-समय पर विभिन्न कार्यशालाओं एवं काउंसिलंग सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रहकर परीक्षा की तैयारी के गुर सिखाए जाएंगे। इस दौरान विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यमों से भी विद्यार्थियों की मनःस्थिति को समझते हुए उन्हें स्ट्रेस फ्री होकर परीक्षा देने के लिए तैयार किया जाएगा। हालांकि उत्कर्ष क्लासेज के नीट एवं जेईई केंद्र पर पहले से प्रायोगिक रूप से मनोविज्ञान विशेषज्ञों की टीम यह कार्य करती आई है। जिसके सकारात्मक परिणाम भी विद्यार्थियों को प्राप्त हुए हैं।

प्रदेश के कोटा में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले कई विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाने के बाद यह मामला राज्य की विधानसभा में भी उठ चुका है। सरकार की ओर से भी शिक्षण संस्थानों को इस प्रकार की सलाह दी जाती रही है कि विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रखने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं। उत्कर्ष क्लासेस ने अपनी ओर से यह सकारात्मक पहल करते हुए मनोविज्ञान परामर्श विभाग की स्थापना की है।

एमजीएच के डॉक्टर से मारपीट, नगदी छीनी

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक होटल के संचालक और स्टाफ ने महात्मा गांधी अस्पताल के मेडिकल ज्युरिस्ट डॉक्टर संदीप कुमार और अन्य साथ मारपीट की और जेब से 50 हजार रूपए छीन लिए। डॉक्टर ने राजीव गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। घटना का कारण फिलहाल पुलिस नहीं बता पाई। जांच की जा रही है। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि मूलतः सीकर के नीम का थाना हाल एमजीएच मेडिकल ज्यूरिट डॉक्टर संदीप कुमार देवात पुत्र रामस्वरूप जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वे अपने दो तीन साथियों संग चौखा के समीप आई होटल फिलोस पर खाना खाने गए थे। जहां पर कुछ बोलचाल हुई थी। बाद में वे साथियों संग होटल के रास्ते पर खड़े थे। तब होटल संचालक वासुदेव, करणसिंह एवं स्टाफ आदि ने मिलकर मारपीट की।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नीटू फोगाट पर हमला

बदमाशों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी दी

झुंझुनूं, (निसं)। एनएमटी महिला कॉलेज की पूर्व में छात्रसंघ अध्यक्ष नीटू फोगाट के घर पर हमला होने का मामला सामने आया है। बगड थाना के गांव कासिमपुरा निवासी नीटू फोगाट ने बताया कि रविवार शाम को उनके घर में कुछ बदमाशों ने घुसकर तोडफोड की और जान से मारने की धमकी दी हैं।

जानकारी के मुताबिक कासिमपुरा निवासी पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नीटू फोगाट ने आरोपियों के खिलाफ बगड थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। नीटू फोगाट ने बताया कि गांव के विजय, अजय, उर्मिला, रणवीर, सत्यपाल समेत अन्य लोगों ने दोपहर में उनके परिवार को जान से मारने और लूटपाट करने की धमकी दी। इसके बाद शाम सात बजे एक ब्लेक कलर की गाडी में सवार होकर आए जिसमें विद्याधर, विजय, अजय, सत्यपाल, शीशराम एवं उर्मिला थे। उसके तुरंत बाद एक एंबुलेंस में करीब 2०-25 बदमाश सवार होकर आए और बाहर गाली गलौज करने लगे।

उसने बताया कि बाहर आकर देखा तो कुछ बदमाश हाथ में सरिए और लट्ठ लिए खडे थे। फिर वे सभी जबरन घर में घुसकर तोडफोड करने लगे। उन्होंने बताया कि फिर वह और उनकी मां विनोद देवी ने रात के अंधेरे में भागकर जान बचाई। जबकि पिता बनवारीलाल को फिर बदमाश गाडी में डालकर ले गए। इसके साथ मोटरसाइकिल व एक साईकिल भी तोडकर चले गए।

- **पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद छानबीन की कार्रवाई शुरू कर दी**

इधर फोगाट ने आरोप लगाया है कि इस बीच जब वह घर आकर देखा तो तोडफोड के साथ 1 लाख 12 हजार नगदी एवं कुछ जेवरात भी गायब मिले। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने दुबारा आकर जान से मारने की धमकी भी दी है। घटना के बाद बगड पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। थानाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने छानबीन की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जन भावनाओं से किया खिलवाड़

हलैना, (निस)। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित टोल प्लाजा टोल वसूल करने वाली कंपनी के कर्मचारियों ने आज एक क्रूरतम व जन भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। थानाधिकारी हलैना ने कंपनी प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। शनिवार की सुबह करीब 9 बाणगंगा पुल के पास एक गाय की वाहन की टक्कर से मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाय का शरीर क्षत-विक्षत हो गया। कंपनी प्रशासन के कर्मचारियों ने मृत गाय को हाइड्रा में लटका कर करीब 4 किलोमीटर दूर ले जाकर मृत गाय को गड्ढा खोदकर गाढ़ा। मामले की तत्काल हलैना थाना अधिकारी को सूचना दी जिस पर थानाधिकारी योगेंद्र सिंह ने कंपनी प्रशासन को सूचित किया तथा कंपनी प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। क्षेत्र के लोगों ने जिला पुलिस अधीक्षक को भी मामले की जरिए दूरभाष के जानकारी दी है। झालाटाला निवासी कमल सिंह गुर्जर का कहना है कि गाय की दुर्दशा है लेकिन इतनी निर्दयता भी नहीं होनी चाहिए जिससे आमजन की भावनाएं आहत हो। प्रशासन को कंपनी प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

इसी तरह किसान नेता इंदल सिंह व भाजपा ग्रामीण मंडल वैर अध्यक्ष गजेंद्र सिंह टंटा का कहना है की कंपनी प्रशासन ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी हैं। कंपनी प्रशासन के खिलाफ प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

जे.एल.एन. अस्पताल में सिद्धार्थ सिटी स्कैन सेवायें बंद, आमजन परेशान

अस्पताल में अनुबंध पर लगी सिद्धार्थ सिटी स्कैन एण्ड ईमेजिंग सेंटर जयपुर द्वारा पीपीपी मोड पर साल 2016 में स्थापित की थी

अजमेर, (कासं)। जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में अनुबंध पर लगी सिद्धार्थ सिटी स्कैन एण्ड ईमेजिग सेंटर जयपुर द्वारा पीपीपी मोड पर साल 2016 में स्थापित की थी जो लगातार सेवायें दे रहे थे लेकिन कुछ समय से जवाहर लाल नेहरू अस्पताल प्रशासन व सिद्धार्थ के बीच चले रहे वित्तीय विवाद के बाद अब सिद्धार्थ स्केन ने अपनी सेवायें बंद करने का निर्णय ले लिया है। वहीं अधीक्षक नीरज गुप्ता का कहना है कि बिजली के बिलों में आ रहे अंतर को सही करवाने के लिये टाटा पावर को पत्र लिखा है, उनसे राय ली जायेगी। जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में सिद्धार्थ सिटी स्केन मशीन बंद होने से शहरवासियों को दो गुने दामों पर अब बाहर जाकर सिटी स्केन या एमआरआई करवानी पड़ेगी।

सिद्धार्थ स्केन के डॉ. सतीश जैन ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर में स्थित एम.आर.आई मशीन जो की सिद्धार्थ सिटी स्केन एण्ड ईमेजिग सेन्टर, जयपुर द्वारा पी.पी.पी.मोड पर वर्ष 2016 में स्थापित कर जनहित में निरन्तर सेवाए दी जा रही है। एम.आर.आई. जांच एक अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं जीवन रक्षक जांच है। एम.आर.आई. जांच सुविधा मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की जनता को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधाए देने की महत्वकांक्षी योजना का अहम हिस्सा है। जैन ने बताया कि जे.एल.एन अस्पताल द्वारा हमारी संस्था द्वारा की गई एम.आर.आई जांचों का वर्ष 2016 से लेकर जनवरी 2023 तक का रेवेन्यू शेयर हिस्सा हटाने के बाद राशि 96,61,500 रू. (राउड ऑफ) का भुगतान दिया जाना बाकी है। जिसके संदर्भ में हमारी संस्था ने अनेको बार जरिये पत्र सक्षम कार्यालय को लिखा है, लेकिन जे.एल.एन अस्पताल का विधुत उपभोग का बिल संबन्धित विधुत विभाग द्वारा 20 के गुंणाक एवं 8.05 रूपये प्रति यूनिट दर से गणना कर विधुत विभाग को दिया जा रहा है वही सब मीटर के जरिये जे.एल.एन अस्पताल द्वारा हमारी संस्था से 30 एवं 40 के गुणांक तथा 10 रूपये प्रति युनिट दर से गणना कर विधुत राशि वसुली की जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यालय द्वारा भी विधुत बिल की सही गणना करने के लिये जे.एल.एन अस्पताल को लिखा जा चुका है, लेकिन जे.एल.एन अस्पताल द्वारा माह दिसम्बर 2022 तक का एम.आर.आई विधुत उपभोग का बकाया गलत तरीके से गणना कर 7791220 रूपये निकाला जा रहा है जो कि 30/40 के गुणांक एंव 10 रूपये प्रति युनिट से गणना किया गया है। इस विधुत बिल को 20 के गुंणाक एवं 8.30 रूपये प्रति युनिट से गणना करने के पर महज 1771490 रूपये बकाया रहता है। हमारी संस्था द्वारा बार-बार विधुत उपभोग की बकाया राशि को हमारे देयकों के भुगतान से समायोजित कर शेष भुगतान करने हेतु जरिये पत्र लिखा जा चुका है। परन्तु जिस पर कोई कार्यवाही नही हुई है।

सिद्धार्थ संस्था के डॉ. सतीश जैन ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया।

- **अस्पताल प्रशासन व सिद्धार्थ के बीच चल रहे वित्तीय विवाद के बाद सिद्धार्थ स्केन ने सेवायें बंद करने का निर्णय लिया**

संस्था सिद्धार्थ सिटी स्केन एण्ड ईमेजिग सेन्टर ,जयपुर की और से प्रेस वार्ता में बताया कि हमारे अथक प्रयासो, लगातार पत्राचार के जरिये जे.एल.एन अस्पताल को एम.आर.आई जांचों के भुगतान की तरफ ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया तथा बिना भुगतान की स्थिति में सेवाओं को सुचारू नहीं रख सकते है। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में जे.एल.एन अस्पताल प्रशासन ने कोई संज्ञान नही लिया तथा संस्था को कोई भुगतान नही किया गया।

इस संबंध में अस्पताल अधक्षीक डॉ. नीरज गुप्ता का कहना है कि सिद्धार्थ वालों का काफी समय से बिजली के बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा, फिर भी टाटा पावर को पत्र लिखा है और बिजली के बिलों के गुणांक के बारे में राय ली जा रही है।

संक्षिप्त

गुणी वाले हनुमानजी का मेला 5 को

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुण्डावरा में स्थित तपोस्थली तालवृक्ष में गुणी वाले हनुमानजी महाराज का विशाल मेला और वार्षिक उत्सव 5 फ़रवरी रविवार को बड़ी धूमधाम से आयोजित किया जायेंगा। 4 फ़रवरी को रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा। मेले के दौरान पुजारी छाजूराम शर्मा, हेतराम शर्मा, कमलेश शर्मा, मुकेश शर्मा द्वारा बालाजी महाराज की भव्य श्रृंगार झांकी सजाई जाएगी और सुबह 11 बजे से स्थानीय कलाकार जयराम ठेकला एवं साथी कलाकारों द्वारा दिनभर भजन-सत्संग का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमे आसपास क्षेत्र के श्रोतागण पहुंचेंगे।

रोहित एवं घनश्याम कोर्डिनेटर मनोनीत

लालसोट, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशों पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग द्वारा ब्लॉक स्तर पर हाथ से हाथ जोडो अभियान का लालसोट ब्लॉक का रोहित पंसारी एवं चांदसेन ब्लॉक का धनश्याम सैनी को सोशल मीडिया का ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष सोशल मीडिया विभाग अशोक कटारिया की अनुशंसा पर कांग्रेस पार्टी की विचारधारा एवं कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए कार्यों के प्रचार-प्रसार आदि को गति देने के लिए यह नियुक्तियां की गई है।

देवनारायण धाबाई निर्विरोध अध्यक्ष

निवाई, (निसं)। निकटवर्ती गांव नटवाडा में ग्राम सेवा सहकारिता के चुनाव जिला इंस्पेक्टर मनीष चौधरी, व्यवस्थापक रामअवतार चौधरी के सानिध्य में आयोजित हुए जिसमें सर्वसम्मति से देवनारायण धाबाई को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों के द्वारा निर्विरोध अध्यक्ष का स्वागत किया कार्यक्रम में रामप्रसाद जाट, सम्पत बोकण सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

किसानों ने फसल खराबे का मुआवजा देने की मांग पर धरना दिया

फागी ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर किसानों ने धरना प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन दिया।

फागी, (निसं)। स्थानीय ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर सोमवार को किसानों ने फसल खराबे की गिरदारी एवं बीमा कंपनियों द्वारा मुआवजे को लेकर की जा रही हेराफेरी को लेकर प्रषासन के समक्ष धरना दिया।

बारिश से फसलों के नुकसान को लेकर आक्रोशित किसानों ने फागी प्रधान प्रेम देवी चौधरी, फागी सरपंच एवं जीएसएस अध्यक्ष ओम प्रकाश खवास के नेतृत्व में फागी पंचायत कार्यालय के सामने धरना दिया। धरने को सम्बोधित करते हुए सरपंच ओम प्रकाश खवास ने प्रशासन को क्रोप कटिंग फिर से करवाने एवं बीमा कम्पनियों द्वारा किये जा रहे किसानों के छलावे को लेकर आक्रोश प्रकट करते हुए सरकार को इस ओर ध्यान दिलवाने के लिए उपखण्ड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में किसानों की ओर से मांग की गई कि फसल खराबे की गिरदावरी तुरंत करवा कर क्रोप कटिंग किसानों को साथ लेकर करवायें तथा एक प्रति किसानों को देने की मांग की गई

धरना स्थल पर पहुंचे कार्यवाहक तहसीलदार प्रहलाद सहाय ने किसानों को मांगों के अनुरूप कार्यवाही का आश्वासन देते हुए क्रोप कटिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया को समझाते हुए किसानों को क्रोप कटिंग व गिरदावरी के समय पटवारी के साथ मौके पर रहने के लिए कहा। जिससे किसी प्रकार की हेराफेरी न होकर क्रोप कटिंग की प्रति मौके पर ही प्राप्त कर सके। धरने में किसान नेता महेन्द्र सिंह गुर्जर के साथ पूर्व सरपंच सीताराम पारीक, फागी जीएसएस उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार गुर्जर, छोटू मानहाला, कैलाश कंकाल, पूर्व सरपंच परवण, बजरंग लाल जाट, केदार प्रधान सहित सैकडों किसान उपस्थित थे।

मौन रख गांधीजी को श्रद्धांजलि दी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में निदेशक मोहर सिंह खर्रा, प्राचार्य डॉ वी.के सैनी, सीटीओ विजेंद्र पुनिया व सभी स्टाफ,एनएसएस, स्काउट व एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में सभी छात्र-छात्राओं ने सोमवार को गाँधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर गांधी जी के आवक्ष चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर एवं 2 मिनट का मौन रखकर गाँधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। एनएसएस प्रभारी मांगीलाल कुमावत ने बताया कि राष्ट्रिपता महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में शांति मार्च का आयोजन किया गया। महाविद्यालय निदेशक मोहर सिंह खर्रा, प्राचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार सैनी, सीटीओ विजेंद्र पुनिया व सुशीला देवी ने हरी झंडी दिखाकर शांति मार्च रैली को रवाना किया। शांति मार्च रैली के आयोजन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रिपता महात्मा गाँधी व अन्य महापुरुषों के प्रेरणादायक संदेश तथा कोरोना से बचाव का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रमोद वर्मा, मनीष अग्रवाल, रोहित शर्मा, आनंद बबेरवाल, राकेश कुमार शर्मा, कैलाश बिजारणिया आदि मौजूद रहे।

सार-समाचार

खो-खो एवं लम्बीकूद में लड़कियों ने मारी बाजी

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। शहर के जयपुर रोड राधास्वामी बाग स्थित ए.एन पब्लिक स्कूल में चल रहे खेल सप्ताह के दूसरे दिन प्राचार्य अमरिश कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास के साथ खेल को खेलना चाहिए, प्रेम और सौहार्द के साथ खेलों से आपस में भाईचारा बढ़ता है। सोमवार को आयोजित प्रतियोगिताओं में खो-खो, रस्सीखींच, लम्बीकूद, वॉलीबॉल एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें खो-खो में लक्ष्मीबाई टीम विजेता एवं सावित्रीबाई टीम उपविजेता रही। वॉलीबॉल में विजेता टीम भगत सिंह एवं उपविजेता सुभाष चन्द्र बोस रहीं। इसी प्रकार बॉयज रस्सीखींच प्रतियोगिता में सरदार पटेल विजेता एवं सुभाष चंद्र बोस उपविजेता रहे। गर्ल्स में रस्सीखींच प्रतियोगिता में कल्पना चावला टीम विजेता तथा सरोजनी नायडू टीम उपविजेता रही। लोंगजम्प प्रतियोगिता में बॉयज में रोहित टोडावता एवं गर्ल्स में निधि शर्मा विजेता रहे। कोच के.आर. बगडिया ने बताया कि आज के आयोजित हुए मैच बहुत ही रोमांचक थे जिसमें खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर तेजप्रकाश जांगिड, आदित्य स्वामी, धीरज दम्बीवाल ,अमित कुमावत, लालचंद शर्मा आदि अध्यापकगण एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। संस्था के कोर्डिनेटर डॉ.के.एल कुमावत ने बताया कि मंगलवार को क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाएगा।

कृषि उपहार योजना की लॉटरी आज

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कृषि उपज मंडी समिति श्रीमाधोपुर की सचिव सुमन कुमारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक उपहार योजना के लिए 31 जनवरी मंगलवार को लाटरी निकाली जाएगी। सचिव के अनुसार इस ड्रा मे एक जुलाई से 31 दिसंबर 22 तक किसानों द्वारा बेची गई कृषि जिंसों की ई - विक्रय पर्चियों के लिए के लिए जारी ई - कूपन की लाटरी 31 जनवरी मंगलवार को दोपहर 12 बजे निकाली जाएगी । योजना में मंडी स्तर पर पहला पुरस्कार 25 हजार रुपए, दूसरा पुरस्कार 15 हजार रुपए व तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपए दिया जाएगा। बताया गया है कि लॉटरी के लिए तीन सदस्यों की समिति बनाई गई है जिसमें कृषि उपज मंडी समिति श्रीमाधोपुर के प्रशासक ,सचिव कृषि उपज मंडी समिति नीमकाथाना एवं सचिव कृषि उपज मंडी समिति श्रीमाधोपुर सदस्य होंगे।

खुली नाली दुर्घटनाओं दे रही न्यौता

राजगढ़, (निसं)। उपखंड कार्यालय परिसर के बाहर खुली नाली दुर्घटनाओं का सबब बन गई है। प्रतिदिन घटित हादसों के बाद भी अभी तक इस नाली पर जाल नहीं लग पाया है। विदित रहे कि काफी समय से इस नाली पर जाल नहीं होने की वजह से ई-रिक्शा, दुपहिया वाहन चालक अपने को बचाने के चक्कर में बाल बाल दुर्घटना घटित होने से बचते हैं। इस नाली पर नगर पालिका प्रशासन एवं उपखंड प्रशासन की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जाने के कारण यह समस्या परेशानी का कारण बनी हुई है। इधर चिकित्सालय सहित अन्य विभागों के कारण लोगो की भारी मौजूदगी से हादसे की संभावना बनी रहती है। जागरूक लोगों ने उपखंड प्रशासन से खुली नाली पर जाल लगवाने की मांग की है।

सात फरवरी को होने वाले आंदोलन की रणनीति बनाई

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर के रेलवे स्टेशन स्थित एक निजी गार्डन में सोमवार को भाजपा नेता शंकर गौरा के नेतृत्व में भाजपा युवा कार्यकर्ताओं की मीटिंग आयोजित की गई।

मीटिंग में आगामी 7 फरवरी को चौमूं शहर में होने वाले आंदोलन की रणनीति बनाई गई और कार्यकर्ताओं के साथ में विचार विमर्श किया गया। भाजपा नेता शंकर गोरा ने बताया कि 7 फरवरी को प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर से एसडीएम कार्यालय तक हजारों युवाओ की रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। जिसमें चौमूं शहर को बीसलपुर योजना से जोड़ने की मांग, किसानों की फसल खराबे मुआवजे की मांग, अघोषित बिजली कटौती, और लगातार हो रहे पेपर लीक सहित अन्य मांगों को लेकर विशाल रैली निकाली जाएगी।

111 अहसाय लोगों को कम्बल वितरित किए

निवाई, (निसं)। मानव कल्याण समिति निवाई द्वारा इमाम चौक में सोमवार 111 निर्धन, विधवा, दिव्यांग एवं एकल महिला एवं पुरुषों को भामाशाह मुकेश जैन बनेठा वालों के पिताजी की पुण्यतिथि पर कंबल वितरण किए गए। सभी ने इस पुनीत कार्य में में अपना योगदान देकर धर्म लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर हेमा, अवनी, अनंत जैन बनेठा, रिंकू टोंक वाले, नरेंद्र खंगार गुरुजी, रणेन्द कुमार, केदार सेन, मुरली एवं भाजपा महिला मोर्चा की शहर अध्यक्ष कौशल्या शर्मा एवं समिति के अध्यक्ष सुरेश राजवंशी सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

गांधीजी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया

लालसोट, (निसं)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालसोट एवं चांदसेन कांग्रेस कमेटी लालसोट के तत्वावधान में संस्कृत महाविद्यालय लालसोट पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई। जहां मुख्य वक्ताओं द्वारा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर रचनात्मक पथ पर चलने का आव्हान किया गया।

इस मौके पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण करके महात्मा गांधी को याद किया गया एव राहुल गांधी जी की कन्याकुमारी से कश्मीर की चार हजार अस्सी किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर कश्मीर में झंडारोहण किया गया। इसी को देखते हुए संस्कृत महाविद्यालय लालसोट परिसर में भी झंडारोहण किया गया। इस माके पर पालिका चेयरमैन रक्षा मिश्रा पीसीसी सदस्य दिनेश मिश्रा पंचायत समिति लालसोट उपप्रधान कैलाश दुसाद लालसोट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ रामफूल सैनी, चांदसेन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक पुरोहित लालसोट मंडल अध्यक्ष विनोद गोयल लालसोट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया संयोजक रोहित पंसारी पार्षद जीतू बढ़ाया कपिल पुरोहित कमलेश सैनी बसंती लाल सैनी चंदालाल सैनी फिरोज खान बाबूलाल सेन टेलर अनोख महावर रघु तिवाड़ी हरिशंकर शर्मा खादी बोर्ड मंत्री विनोद शर्मा प्रधानाध्यापक भागीरथ सैनी एवं महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएं अन्य कांग्रेसीजन एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

लालसोट उपखंड मुख्यालय पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेसजनों ने पुष्प अर्पित किये।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक

30-31, मोहन टॉवर, प्रिन्स रोड़, विद्युत नगर, अजमेर रोड़, जयपुर- 302021, फोन: 0141-2358628 ई-मेल: zo.jaipur@psb.co.in

परशिष्ट-IVक {नियम 8(6) का परन्तुक देखें}

अचल सम्पतियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूत हित (प्रर्वतन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस। आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहां है, जैसी है, और जो कुछ भी है"** के आधार पर दिनांक **03/03/2023** को बेचा जाएगा। ऋणी, गारन्टर प्रत्याभूति-दाता, आरक्षित ज्ञात ऋण भार सहित आरक्षित मूल्य अचल व अग्रिम धनराशि का विवरण निम्न तालिका अनुसार होगा।

क्र. सं.	शाखा का नाम एवं ऋणी एवं जमानतदार का नाम	ज्ञात ऋण भार सहित अचल सम्पत्तियों का विवरण	वर्तमान बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	अग्रिम धरोहर राशि	बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की दिनांक एवं समय	नोडल, अधिकारी नाम एवं नंबर
1.	**शाखा निर्माण नगर, जयपुर-302019** (1) श्रीमती शिमाला पत्नी श्री जय नारायण जाट, (2) श्री जय नारायण जाट पुत्र श्री राधा किशन	फ्लेट न. 108, तिसरी मंजिल, प्लाट न0 545, जे.वी.वी. एन.एल पावर हाउस के पास, पत्रकार कॉलोनी, गांव धोलाई, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान मे स्थित है, जो कि श्रीमती शिमाला पत्नी श्री जय नारायण जाट के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- खुली जगह व रोड, दक्षिण :- लिफ्ट एंव लोबी, पूर्व:- खुली जगह, पश्चिम:- प्लाट नं. 545ए	रूपये **30,66,440.22** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 28,68,750/-**	**रू. 2,86,875/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ मो. नं. 7060468879**
2.	**शाखा निर्माण नगर, जयपुर-302019** (1) श्रीमति साधना पत्नी श्री घनश्याम शर्मा (2) श्री रजत शर्मा पुत्र श्री घनश्याम शर्मा (3) श्री अमित शर्मा पुत्र श्री सुरेश शर्मा	फलेट नं. एस 109, द्वितीय तल, प्लॉट नं. 151, वर्धमान सरोवर, ए ब्लाक वन्दे मातरम मार्ग, खुशी विहार कॉलोनी के पीछे, गनपतपुरा, जयपुर में स्थित है जो श्रीमति साधना पत्नी श्री घनश्याम शर्मा के नाम से है।	रूपये **25,39,267.45** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 22,62,500/-**	**रू. 2,26,250/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ मो. नं. 7060468879**
3.	**शाखा निर्माण नगर, जयपुर-302019** 1) श्रीमति नीतू वर्मा पत्नी श्री देवेन्द्र प्रकाश महावर, (2) श्री देवेन्द्र प्रकाश महावर पुत्र श्री रमेश चन्द्र महावर, (3) श्री रमेश चंन्द्र महावर पुत्र श्री नाथु लाल, (4) श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री बाबू लाल सिंह,	फ्लेट नं. एस 3, द्वितीय तल, यश अपार्टमेंन्ट, प्लॉट नं. 558, मुहाना मण्डी गेट नं. 2 के सामने, स्वर्ण विहार, गांव हाज्यावाला, मुहाना मण्डी रोड, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान, में स्थित है जो की श्रीमति नीतू वर्मा पत्नी श्री देवेन्द्र प्रकाश महावर एंव श्री देवेन्द्र प्रकाश महावर पुत्र श्री रमेश चंन्द्र महावर के नाम सें है। चतुर्थ सीमाएंः- उत्तर :- फ्लेट नं. एस 02, दक्षिण :- प्लॉट नं. 559, पूर्व :- सीडी व गलियारा, पश्चिम:- रोड 160 फीट चौडी	रूपये **20,03,066.35** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 21,50,000/-**	**रू. 2,15,000/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ मो. नं. 7060468879**
4.	**शाखा निर्माण नगर, जयपुर-302019** 1. श्रीमती ममता नेनवानी पत्नी श्री कन्हैया नेनवानी (ऋणी), 2. श्री अनंत कुमार माथुर पुत्र श्री कल्याण राय माथुर 3.श्री योगेश गिडवानी पुत्र श्री किशोर गिडवानी (गारंटर)	फ्लैट नंबर 107, राधा गोविंद एन्क्लेव, पहली मंजिल, प्लॉट नंबर 155, ब्लॉक-ए, दादूदयाल नगर, कल्याणपुरा, मुहाना मंडी रोड, तहसील - सांगानेर, जयपुर (राज.) में स्थित है जो की श्रीमति ममता नेनवाली पत्नी श्री कन्हैया नेनवाली के नाम से है। क्षेत्रफल- 950 वर्गफीट, चतुर्थ सीमाएंः- पूर्व :- प्लॉट नं. 132, पश्चिम:- सीढ़िया एवं कोरिडोर, उत्तर :- प्लॉट नं. 154, दक्षिण:- प्लॉट नं. 156	रूपये **32,82,257.81** दिनांक 31.12.2022 तक ब्याज शामिल + आगे का ब्याज, लागते, शुल्क एवं अन्य खर्चे इत्यादि।	**रू. 19,24,200/-**	**रू. 1,92,420/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ मो. नं. 7060468879**
5.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती विमला शर्मा पत्नी श्री चतुर्रभुज शर्मा (2) श्री चतुर्रभुज शर्मा पुत्र श्री घासी लाल, (3) श्री संजय कुमार पुत्र श्री बालमिकी शर्मा लाल	फलेट नं. एफ-2, प्रथम तल, ट्राएंगल हाउस स्थित है प्लॉट नं. सी.डी-267, श्री दादू दयाल नगर, सी.डी ब्लॉक, कल्याणपुरा, मुहाना मण्डी रोड, सांगानेर, जयपुर में स्थित है जो की श्रीमती विमला शर्मा पत्नी श्री चतुर्रभुज शर्मा के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1100 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएंः- उत्तर:- फलेट नं. एफ-1, दक्षिण:- फलेट नं. एफ-3, पूर्व:- खुली जगह, पश्चिम:- गलियारा व फलेट नं. एफ-4	रूपये **30,39,967/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 28,05,000/-**	**रू. 2,80,500/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
6.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती शालीनी श्रीवास्तव पत्नी श्री नवीन श्रीवास्तव, (2) श्री नवीन श्रीवास्तव पुत्र श्री मंगु लाल श्रीवास्तव , (3) श्री सौरव कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री अखलेश कुलश्रेष्ठ	फलेट नं. एफ 3, प्रथम तल, प्लॉट नं. 2, कृष्णा सागर, रामसिंहपुरा (धौलाई), मुहाना मण्डी रोड, सांगानेर, जयपुर, में स्थित है जो की श्रीमती शालीनी श्रीवास्तव पत्नी श्री नवीन श्रीवास्तव के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1100 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- रोड, दक्षिण :- गलियारा व लिफ्ट, पूर्व :- फलेट नं. एफ 4, पश्चिम:-अन्य सम्पत्ति	रूपये **26,83,230/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 21,28,500/-**	**रू. 2,12,850/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
7.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्री रविन्द्र सिंह राजावत पुत्र श्री गुमान सिंह, (2) श्री राजू लाल सैनी पुत्र श्री पुरन मल सैनी, (3) श्री रविंन्द्र सिंह चौहान पुत्र श्री जयसिंह चौहान	फलेट नं. एफ-1, प्रथम तल, (शिवकुन्ज-7) प्लॉट नं. 46 पर स्थित है, कैलाशपुरी स्कीम, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर में स्थित है जो की श्री रविंन्द्र सिंह राजावत पुत्र श्री गुमान सिंह के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 499.71 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- अन्य सम्पत्ति, दक्षिण :- प्लॉट नं. 47, पूर्व :- प्लॉट नं. 45, पश्चिम:- रोड	रूपये **14,12,026/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 14,85,000/-**	**रू. 1,48,500/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
8.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** श्रीमती मीना राठौर पत्नी श्री राजू सिंह (ऋणी), श्री राजू सिंह पुत्र श्री राम सिंह (सह-ऋणी)	फ्लेट नं. टी 02, तीसरा तल, जगदम्बा अपार्टमेंन्ट, प्लॉट नं. 575 का उत्तरी भाग, मुहाना मण्डी गेट नं. 2 के पास, स्वर्ण विहार, गांव हाज्यावाला, मुहाना रोड, सांगानेर, जयपुर में स्थित है जो की श्रीमती मीना राठौड पत्नी श्री राजू सिंह के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1420 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- प्लॉट नं. 574, दक्षिण :- प्लॉट नं. 575ए का दक्षिणी भाग, पूर्व :- खुली जगह व 40 फीट रोड, पश्चिम:- सीडी व गलियारा व फ्लेट नं. टी-1	रूपये **27,72,459.63** दिनांक 31.12.2022 तक ब्याज शामिल + आगे का ब्याज, लागते, शुल्क एवं अन्य खर्चे इत्यादि।	**रू. 22,48,000/-**	**रू. 2,24,800/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
9.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती रीना आवला पत्नी श्री सानू कण्डेरा (2) श्री सानू कण्डेरा पुत्र श्री धनपत राम कण्डेरा (3) श्री सन्तोष कुमार अग्रवाल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल	जगदम्बा अपार्टमेंन्ट, फ्लेट नं. टी 01, ततीय तल, प्लॉट नं. 576ए का दक्षिणी भाग, मुहाना मण्डी गेट नं. 2 के पास, स्वर्ण विहार, गांव हाज्यावाला, मुहाना रोड, सांगानेर, जयपुर, में स्थित है जो की श्रीमती रीना आवला पत्नी श्री सोनू कण्डेरा के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1420 वर्गफीट है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :- शेष भाग प्लॉट नं. 576, दक्षिण :- प्लॉट नं. 577, पूर्व :- रोड, पश्चिम:- रोड	रूपये **26,69,513/-** दिनांक 31.12.2022 तक ब्याज शामिल + आगे का ब्याज, लागते, शुल्क एवं अन्य खर्चे इत्यादि।	**रू. 24,59,700/-**	**रू. 2,45,970/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
10.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती नसीम पत्नी श्री जाकिर हुसैन, (2) श्री जाकिर हुसैन पुत्र श्री मोहम्मद नूर खां, (3) श्री पवन कुमार गुप्ता पुत्र श्री मुरलीधर गुप्ता,	फलेट नं. जी 02, भू तल, प्लॉट नं. 575 के पीछे की तरफ (उत्तरी भाग का हिस्सा), मुहाना मण्डी के पास, गेट नं. 2, स्वर्ण विहार, मुहाना मण्डी, सांगानेर, जयपुर में स्थित है जो की श्रीमती नसीम पत्नी श्री जाकिर हुसैन के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1163 वर्गफीट (सुपरबिल्टअप ऐरिया) है। चतुर्थ सीमाएंः- उत्तर:-प्लॉट नं. 574, दक्षिण:-प्लॉट नं. 575ए का दक्षिणी शेष भाग, पूर्व:-खुली जगह व 40 फीट रोड, पश्चिम:- सीडी व गलियारा व फ्लेट नं. जी-1	रूपये **29,21,479/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 24,59,700/-**	**रू. 2,45,970/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
11.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्री विष्णु कुमार गौतम पुत्र श्री कैलाश चंद गौतम, (2) श्रीमती नीलम शर्मा पत्नी श्री विष्णु कुमार गौतम (3) श्री राजू सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह,	फलेट नं. एस 2, दितीय तल, प्लॉट नं. 1, विनायक विहार, दादू दयाल नगर, बड मोहनपुरा, मुहाना मंडी रोड, सांगानेर, जयपुर, में स्थित है जो की श्री विष्णु कुमार गौतम पुत्र श्री कैलाश चंद गौतम के नाम सें है जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्गफीट (सुपरबिल्टअप एरिया) है।	रूपये **37,28,800/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 30,94,200/-**	**रू. 3,09,420/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
12.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती रजनी मित्तल पत्नी श्री सोनू मित्तल, (2) श्री सोनू मित्तल पुत्र श्री अशोक मित्तल (3) श्री गोविन्द कुमार पुत्र श्री मोहन लाल अग्रवाल	रिहायशी यूनिट फ्लेट नं. एफ-2, प्रथम मंजिल, प्लॉट नं. 575 (उत्तरी भाग का हिस्सा), जगदम्बा अपार्टमेंट, स्वर्ण विहार, हाज्यावाला, मुहाना मंडी के पास, गेट नं. 2, ग्राम हाज्यावाला मुहाना रोड, सांगानेर, जयपुर (राज.) में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1440 वर्गफीट हैं जो कि श्रीमती रजनी मित्तल पत्नी श्री सोनू मित्तल के नाम से है।	रूपये **28,43,564/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 26,75,000/-**	**रू. 2,67,500/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
13.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती हंसा कंवर पत्नी श्री बाबू सिंह (2) श्री भंवर सिंह पुत्र श्री पाबू सिंह, (3) श्रीमती पिंकू कंवर पुत्री श्री पाबू सिंह	फ्लेट नं. टी-1, तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 575(उत्तरी भाग का हिस्सा), जगदम्बा अपार्टमेंट, स्वर्ण विहार, हाज्यावाला, मुहाना मंडी के पास, गेट नं. 2, सांगानेर, जयपुर (राज.) जयपुर (राज.), में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1420 वर्गफीट हैं जो कि श्रीमती हंसा कंवर पत्नी श्री बाबू सिंह के नाम से है।	रूपये **25,05,842/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 26,75,000/-**	**रू. 2,67,500/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
14.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री लाल चंद शर्मा (2) श्री लालचंद शर्मा पुत्र श्री छोटू लाल शर्मा (3) श्री राजू सैनी पुत्र श्री पूरण मल सैनी	प्लॉट नं. बी -35 (पश्चिमी भाग), श्री रामनगर, खीरनी फाटक रोड, झोटवाड़ा, जयपुर जो कि श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री लालचंद शर्मा के नाम से है। जिसका क्षेत्रफल 72.39 वर्गगज है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर - रोड, दक्षिण - अन्य सम्पत्ति, पूर्व - प्लॉट नं. 35(पूर्व भाग), पश्चिम - रोड	रूपये **11,49,747/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 36,50,000/-**	**रू. 3,65,000/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
15.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) मैसर्स शौर्य ट्रेडिंग कम्पनी प्रोपराईटर श्रीमती ओमवती देवी पत्नी श्री रजत चौधरी (2) श्रीमती ओमवती देवी पत्नी श्री रजत चौधरी (3) श्री रजत चौधरी पुत्र श्री विजय सिंह चौधरी (4) श्री विजय सिंह चौधरी पुत्र श्री मदन सिंह चौधरी	खसरा नं. 1285, कुम्हेर रोड, प्रथम कातरा, नदबई भरतपुर में स्थित है जिसका जो कि श्री विजय सिंह चौधरी पुत्र श्री मदन सिंह चौधरी के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर - प्लॉट नं. 17, दक्षिण - रोड, पूर्व - रोड, पश्चिम - प्लॉट नं. 18	रूपये **52,24,767/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 46,68,000/-**	**रू. 4,66,800/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
16.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) श्री आकाश विजयवर्गीय पुत्र श्री मोहन विजयवर्गीय, (2) श्रीमती मीना गुप्ता पत्नी श्री आकाश विजयवर्गीय	रिहायशी मकान प्लॉट नं. 149, ओके प्लस एक्जोटिका, ग्राम माचवा, कालवाड़ रोड, जयपुर (राज.), में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 117.55 वर्गगज हैं जो कि श्री आकाश विजयवर्गीय पुत्र श्री मोहन विजयवर्गीय के नाम से है। सीमाएं: उत्तर: प्लॉट नं. 148, दक्षिण: प्लॉट नं. 150, पूर्व: प्लॉट नं. 168, पश्चिम: रोड 30 फीट चौड़ी	रूपये **23,86,074/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 40,50,000/-**	**रू. 4,05,000/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
17.	**दुकान नंबर 43,44,45, प्लॉट नंबर 11, विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर (राज.)** (1) मैसर्स अमित इलैक्ट्रिक डेकोरेटर्स प्रोपराईटर श्रीमती नीरा शर्मा पत्नी श्री मोहन शर्मा (2) श्रीमती नीरा शर्मा पत्नी श्री मोहन शर्मा (3) श्री मोहन शर्मा पुत्र श्री रामनुज शर्मा (4) श्री राजेन्द्र कुमावत पुत्र श्री भोला राम	प्लॉट नं. 67, ढाका नगर, सिरसी रोड, जयपुर में स्थित है जो कि श्रीमती नीरा शर्मा पत्नी श्री मोहन शर्मा के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर - अन्य प्लॉट, दक्षिण - प्लॉट नं. 66, पूर्व - रोड 30 फीट चौड़ी, पश्चिम - रोड 60 फीट चौड़ी।	रूपये **22,13,288.84** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 68,70,000/-**	**रू. 6,87,000/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार सांखला मो. नं. 7986137790/ 9413849166**
18.	**मंडावर (M1164), रामनिवास एण्ड कंपनी के पास, मैन रोड़, मंडावर, जिला - दौसा 321609** (1) मैसर्स लबान डेयरी प्राइवेट लि. निदेशक- श्री जुबेर खान पुत्र श्री इसरायल खान (2) मैसर्स लबान डेयरी प्राइवेट लि. निदेशक- श्री जावेद खान पुत्र श्री इसरायल खान, (3) श्री जुबेर खान पुत्र श्री इसरायल खान (4) श्री जावेद खान पुत्र श्री इसरायल खान, (5) श्रीमती उमारबी पत्नी श्री इसरायल खान,	खसरा नं. 1389 एवं 1390, पुराना बस स्टैण्ड के पास, घड़ी मोड. मण्डावर, दौसा में स्थित है जो कि श्रीमती उमारबी पत्नी श्री इसरायल खान के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :-स्वंय सम्पत्ति, दक्षिण :- रास्ता, पूर्व:- दानाराम की खुली भूमि, पश्चिम:- दुकान व मोहन का मकान	रूपये **38,03,454.03** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 70,38,440/-**	**रू. 7,03,844/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री मनोज कुमार मीणा मो. नं. 8750211390**
19.	**राजापार्क, जयपुर- 302004** (1) श्री सुमित व्यास पुत्र श्री राम खिलाड़ी (2) श्रीमती कामिनी शर्मा पत्नी सुमित, (3) श्री प्रेम राज शर्मा पुत्र राम राज शर्मा	आवासीय संपत्ति जो प्लॉट नंबर 84, (उत्तरी भाग), सेठी अस्पताल के पास महावीर नगर, दुर्गापुर, टोंक रोड, जयपुर (राज.) में स्थित, जो कि श्री सुमित व्यास पुत्र श्री राम खिलाड़ी के नाम से है।	रूपये **25,20,738/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 1,06,16,847/-**	**रू. 10,61,685/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री रामफूल मीणा मो. नं. 9414709319**
20.	**राजापार्क, जयपुर- 302004** (1) मैसर्स महिमा लैमिनेशन प्रोप. श्रीमती श्रवण देवी, (2) श्रीमती श्रवण देवी पत्नी श्री मूल चंद जाट (प्रोपराईटर) (3) श्री मूल चंद जाट पुत्र कजोड़ मल जाट	वाणिज्यिक सम्पत्ति जो प्लॉट नं. जी-58, रीको औद्योगिक क्षेत्र, मेनिला, चौमूं, जयपुर- 303702 में स्थित, जो कि श्रीमती श्रवण देवी पत्नी श्री मूलचंद जाट के नाम से है। जिसका क्षेत्रफल 1500 वर्गमीटर है।	रूपये **1,88,54,374.71** दिनांक 30.06.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 1,52,09,000/-**	**रू. 15,20,900/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री रामफूल मीणा मो. नं. 9414709319**
21.	**राजापार्क, जयपुर- 302004** 1. श्री बालस्वरूप गर्ग पुत्र श्री मोती लाल गर्ग (ऋणी), 2. श्रीमती विमलेश गर्ग पत्नी श्री बालस्वरूप गर्ग (सह-ऋणी), 3. श्रीमती यशी गर्ग पत्नी श्री आशीष गर्ग (सह-ऋणी), 4. श्री आशीष गर्ग पुत्र श्री बालस्वरूप गर्ग (सह-ऋणी)	आवासीय संपत्ति जो प्लॉट नंबर 28, दादू कॉलोनी, जगतपुरा फाटक के पास, जयपुर (राज.) में स्थित जिसका क्षेत्रफल 228.91 वर्गगज जो श्री बालस्वरूप गर्ग पुत्र श्री मोती लाल गर्ग के नाम से है। सीमाएं- पूर्व में प्लॉट नंबर 27, पश्चिम में प्लॉट नंबर 29, उत्तर में अन्य भूमि, दक्षिण में सड़क, ऋणभार - ज्ञात नहीं	रूपये **56,96,261/-** दिनांक 31.12.2022 तक ब्याज शामिल + (भविष्य के लागू ब्याज, लागत, शुल्क तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 1,08,50,000/-**	**रू. 10,85,000/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री रामफूल मीणा मो. नं. 9414709319**
22.	**वैशाली नगर, (j0871), जयपुर** (1) श्रीमती ज्योति जसवानी पत्नी श्री प्रकाश चंद जसवानी (2) श्री प्रकाश चंद जसवानी पुत्र श्री नाथू मल	फ्लैट नंबर एफ-2, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 137ए, (प्लॉट नंबर 137ए का पूर्वी हिस्सा), स्वर्ण विहार स्कीम, मुहाना मंडी के पास, सांगानेर, जयपुर (राज.) में स्थित जो कि श्रीमती ज्योति जसवानी पत्नी श्री प्रकाश चंद जसवानी के नाम से है। क्षेत्रफल 1182 वर्गफीट। सीमाएं- पूर्व- प्लॉट नं. 138, पश्चिम- प्लॉट नं. 137, उत्तर- रोड, दक्षिण- प्लॉट नं. 148	रूपये **21,29,227.65** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 31,43,000/-**	**रू. 3,14,300/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री सुनिल चोरड़िया, मो. नं. 9460684870**
23.	**12-पार्क स्ट्रीट, स्टेशन रोड़, जयपुर-302006** (1) मैसर्स आर. वी. एंटरप्राईजेज प्रोपराईटर श्री विनोद कुमार जैन पुत्र श्री लाल चंद जैन (2) श्री विनोद कुमार जैन पुत्र श्री लाल चंद जैन, (3) श्रीमती चंचल जैन पत्नी श्री विनोद कुमार जैन,	फ्लेट नं. एस-1, द्वितीय तल, ए-349, शिक्षा विहार, जगतपुरा, ज में स्थित है जो कि श्री विनोद कुमार जैन पुत्र श्री लाल चंद जैन के नाम से है। चतुर्थ सीमाएंः- उत्तर-ओटीएस, दक्षिण- फलेट नं. एस-2, पूर्व-ओटीएस, पश्चिम- ओटीएस एंव सीढीया	रूपये **16,60,181/-** दिनांक 31.12.2022 तक (भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त)	**रू. 2436000/-**	**रू. 243600/-** अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि **02/03/2023** सांय 04.00 बजे तक	**रू. 10,000/-**	**03/03/2023** को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक	**श्री पृथ्वीराज मीणा, मो. नं. 8094333353**

नोडल अधिकारी के अनुसार कार्यालय समय में निरीक्षण किया जायेगा।

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए **पंजाब एण्ड सिंध बैंक की वेबसाईट** अथवा नोडल अधिकारी से तथा बोली जमा करने व ई-बोली प्रक्रिया के प्रशिक्षण हेतु मैसर्स सी-1, इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, उद्योग विहार, फेज-2, गल्फ पेट्रोकेम बिल्डिंग नं. 301, गुड़गांव, हरियाणा-122015 **श्री भाविक पान्डेय मो. नं.** 08866682937, 7291981124/25/26, 0124-4302020/21/22/23/24, ईमेलः E-mail: **gujarat@c1inida.com, support@bankeauctions.com** पर सम्पर्क किया जा सकता है एवं वेबसाईट अर्थात् **https://bankeauctions.com, http://ibapi.in** पर देखें।

दिनांक: 31.01.2023 **स्थान: जयपुर एवं दौसा**

प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक

संक्षिप्त

शकीलुर्रहमान जिलाध्यक्ष मनोनीत

टोंक, (निसं)। ए.आई.सी.सी. ह्मयुमन राइट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष

वी.के. पॉल ने एडवोकेट शकीलुर्रहमान ए.आई.सी.सी. मानवाधिकार जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है एवं प्रदेश स्तर पर मानवाधिकार विधि सलाहकार की जिम्मेदारी दी है। इससे पूर्व भी शकीलुर्रहमान 10 वर्ष तक टोंक जिले के मानवाधिकार विभाग कांग्रेस के जिलाध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रसे कमेटी अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के महामंत्री एवं जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में जिला सचिव (प्रभारी उनियारा) एवं जिला महासचिव (कार्यालय प्रभारी) के पद पर भी रह चुकें हैं।

महात्मा गांधीजी को याद किया

फागी, (निसं)। शहीद दिवस पर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय फागी पर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष किशनदाधीच के नेतृत्व में कार्य पर ध्वजारोहण कर गांधीजी की प्रतिमा पर पुश्पांजलि अर्पित की जाकर दो मिनट का मौन रखा गया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दाधीच ने कार्यरर्ताओं को अहिंसा के पथ पर चलने की सीख देते हुए गांधीजी के जीवनी पर प्रकाश डाला।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। नवीन न्यायालय भवन परिसर में सोमवार को बार एसोसिएशन श्रीमाधोपुर ने दो मिनट का मौन रखकर महात्मा गांधी को याद किया। एडवोकेट राजेंद्र शर्मा ने बताया कि न्यायालय परिसर में काफी संख्या में वकीलों ने एकत्रित होकर दो मिनट का मौन रखा तथा महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

आज बिजली कटौती रहेगी

मालपुरा, (निसं)। जयपुर विधुत वितरण निगम कार्यालय मालपुरा सहायक अभियंता कदम वशिष्ट ने बताया कि 132 केवी जीएसएस केकडी रोड पर आवश्यक मरम्मत व रखरखाव कार्यो के चलते मंगलवार को प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक सम्पूर्ण मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र मे विधुत कटोती रहेगी।

धर्मदासपुरी कॉलोनीवासी पट्टे देने की मांग पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

चाकसू, (निसं)। सोमवार को नगर पालिका क्षेत्र की वार्ड नंबर 15 धर्मदासपुरी कॉलोनी निवासी पार्षद किरण सांवरिया और पूर्व पार्षद पवन सांवरिया के नेतृत्व में मकानों के पट्टे जारी नहीं करने को लेकर उपखंड अधिकारी अशोक कुमार रिणवा को ज्ञापन सौंप कर नगर पालिका गेट पर नारेबाजी के साथ रजाई गद्दों और भोजन का प्रबंध कर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

कॉलोनी वासियों ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से आवासीय कॉलोनी का पट्टा बनाने के निर्देश के बावजूद उनके मकानों के पट्टा नहीं बनाए जा रहे हैं। वार्ड पार्षद किरण सांवरिया एवं पूर्व पार्षद पवन सांवरिया ने बताया कि वार्ड 15 के पास स्थित धर्मदासपुरी एटीपी से पास कॉलोनी है और प्रशासन शहरों के संग अभियान के अंतर्गत उक्त कॉलोनी वासियों ने पट्टा शुल्क भी नगरपालिका में जमा करा दिया है। परंतु मेरे एवं वार्ड के अन्य जनप्रतिनिधियों और निवासियों के बार-बार निवेदन के बाद भी प्रशासन पट्टे जारी नहीं कर रहा है। क्योंकि पालिका चेयरमैन कमलेश बैरवा हमसे नगरपालिका की 11 बीघा जमीन वक्फ बोर्ड को कब्रिस्तान के लिए देने की शर्त रख रहा है। जिस पर वर्तमान में उक्त स्थल पर कॉलोनी निवासियों का कब्जा वर्षों से चल रहा है और उक्त नगर पालिका की भूमि पर भी न्यायालय ने कब्जा धारियों के पक्ष में फैसला दिया है।

चाकसू की धर्मदासपुरी कॉलोनी निवासी मकानों के पट्टे जारी नहीं करने पर नगर पालिका के गेट पर नारेबाजी के साथ रजाई गद्दों और भोजन का प्रबंध कर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

इस संबंध में न्यायालय के निर्देश और क्षेत्रीय विधायक वेद प्रकाश सोलंकी के आश्वासन के बावजूद भी पालिका चेयरमैन दबाव की राजनीति कर रहे हैं जबकि उक्त भूमि पर लगभग 20-25 वर्षों से उपयोग और उपभोग कर रहे हैं और न्यायालय के आदेश के विरुद्ध जाकर समझौते का हवाला और दबाव बनाकर पूरी कॉलोनी निवासियों के पट्टे जारी नहीं कर रहे हैं। इसलिए परेशान होकर कॉलोनी निवासी जब तक समस्या का समाधान नहीं हो जाता तब तक नगर पालिका के गेट पर अनिश्चितकाल के लिए धरने पर बैठे हैं।

वार्ड निवासी मंगलराम कुम्हार, कैलाश चंद स्वामी, पूरण जांगिड, दौलत राम, लल्लूलाल,मनोज,किशोर सहित अन्य कॉलोनी निवासियों ने बताया कि प्रशासन में आज इतनी भी नैतिकता नहीं बची की अपनी समस्याओं को लेकर जब लोग प्रशासन के दरवाजे पर आए हैं तो चेयरमैन या

- लोगों ने आरोप लगाया कि न्यायालय के निर्देश और विधायक के आश्वासन के बाद भी प्रशासन नहीं कर रहा सुनवाई

अधिकारी मौके पर आकर लोगों से मिले जबकि कॉलोनी में अधिकांशत: गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार निवास करते हैं। जिनके हितों के साथ कुठाराघात किया जा रहा है उल्टे बने बनाए मकान गिराने की धमकियां दी जा रही है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर के पुलिस जाब्ता भी तैनात दिखा। सोशल मीडिया पर भैंस के मुंह की जगह चेयरमैन कमलेश बैरवा की फोटो लगाकर भैंस के आगे बीन बजाने का संदेश देते दिख रही थी।

वहीं मामले में पालिका चेयरमैन कमलेश बैरवा ने कहा कि मामले में अन्य विपक्षी पार्षदों ने पट्टों की कार्रवाई को लेकर अनापत्ति दर्ज करवा रखी है। मैंने किसी भी पार्षद को धमकाया नहीं है । मेरे लिए सभी सम्मानीय हैं आरोप निराधार हैं दोनों पक्षों को बिठाकर सुनवाई कर सभी को संतुष्ट कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। समस्या समाधान में अधिकारी दी लगे हुए हैं।

सार-समाचार

147 किलो डोडा चूरा बरामद किया

टोंक, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ कार में ले जाते हुए दो जनों को गिरफ्तार कर 147 किलो डोडा चूरा बरामद किया। पुलिस थानाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की रोकथाम अभियान के दौरान सदर थानाधिकारी घनश्याम मीणा के नेतृत्व में मय जाप्ता रविवार को जरिए मुखबीर की सूचना पर एनएच 52 पर दौराने नाकेबंदी कार्यवाही करते हुए एक कार को डिटेन किया तो गाडी में 10 कट्टो में अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा भरा हुआ था, मौके पर कार्यवाही के लिए पुलिस उपाधीक्षक निवाई संदीप सारस्वत की उपस्थिति में गाडी व गाडी भरे कट्टों को चेक किया तो गाडी में कुल 147 किलो डोडा चूरा भरा हुआ मिला, जिस पर डोडा चूरा जब्त कर गाडी में सवार दो जनों कुलदीप सिंह पुत्र इकबाल सिंह जाति जट सिख निवासी ग्राम होतीपुर तहसीन मुनख थाना खनोरी जिला संगरुर पंजाब व देवेन्द्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह जाति जट सिख निवासी कांगथना थाना पातडा तहसील पातडा जिला पटीयाला पंजाब को गिरफ्तार किया गया।

भामाशाह सम्मान समारोह

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम ललाणा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं भामाशाह सम्मान व पारितोषक वितरण समारोह मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश गुप्ता के मुख्य आतिथ्य व पावटा प्रागपुरा नगर पालिका वाइस चेयरमैन नरपत सिंह शेखावत की अध्यक्षता एवं पार्षद पूजा सैनी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कूनेड यूसीईओ बलदेव शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ-साथ विद्यालय विकास में सहयोग करने वाले भामाशाहों घनश्याम सिंह शेखावत ललाणा, पुष्कर शर्मा मांजूकोट, वाइस चेयरमैन नरपत सिंह शेखावत, दिनेश सिंह शेखावत, कुलदीप सिंह शेखावत को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि गुप्ता ने कहा कि प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से विद्यालय विकास में हर संभव सहयोग की बात कही। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुती दी। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक कैलाश चंद यादव भांकरी, वरिष्ठ अध्यापक रामसिंह, शारीरिक शिक्षक उषा, सीता यादव, कैरली हेडमास्टर निरंजन सैनी, प्रधानाध्यापिका ममता यादव, सरोज यादव, रघुनाथपुरा बाबू दीपक पारासर, अनिल जोशी, दिनेश कुमार, कानाराम सहित ग्रामीण व अतिथि मौजूद रहे।

पंचायत सहायकों की बैठक

बौंली, (निसं)। राजस्थान विद्यार्थी मित्र व ग्राम पंचायत सहायक संघ बौंली व सवाई माधोपुर की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें 2 फरवरी 2023 राजस्थान के 27हजार ग्राम पंचायत सहायक व विद्यार्थी मित्रों द्वारा राजस्थान विधानसभा का घेराव करने का निर्णय लिया गया। विद्यार्थी मित्र व पंचायत सहायक संघ बौंली के अध्यक्ष शिवराम गुर्जर ने बताया कि राजस्थान की गहलोत सरकार ने अपने घोषणापत्र में संविदा कर्मियों को नियमित करने का वादा किया था उसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है इन्हें पुन: संविदा के दलदल में धकेल दिया गया है। इस कारण राजस्थान के 4500सो पंचायत सहायकों को उम्र व संतान से संबंधित अपात्र मानते हुए विद्यालय सहायक बनाने से वंचित कर दिया गया है। इस प्रमुख मांग को लेकर 2 फरवरी 2023 को 27हजार विद्यार्थी मित्र एवं पंचायत सहायक 22 गोदाम जयपुर पर एकत्रित होकर राजस्थान विधानसभा का घेराव करेंगे।

70 विद्यार्थियों को जर्सी वितरण की

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत चांदपुरी के गांव राजपुरा सिक्ख में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को भामाशाह सोमवती देवी पत्नी कर्नल रामकरण यादव की ओर से 70 विद्यार्थियों को जर्सी वितरण किया गया। जर्सी पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। संस्था प्रधान महेंद्र शर्मा ने बताया कि जर्सी वितरण के अलावा भामाशाह परिवार द्वारा एक कमरा और सरस्वती माता का मंदिर बनवाया गया था। वही कोरोना के समय में भामाशाह द्वारा विद्यालय में एक लैपटॉप भी भेंट किया गया था। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी भगवान सहाय वर्मा, बलवीर सिंह शेखावत, रामनिवास गुर्जर, अनीता सैनी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

49 मरीज ऑपरेशन के लिए चयनित

बहरोड़/नीमराना(निसं)। बहरोड़ तहसील के कुंड रोड पर स्थित उप तहसील मांढण में सोमवार को लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स एवं मिश्री देवी आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में मांढण के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय निशुल्क विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन करते हुए 49 मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन 5 फरवरी को करने के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन राकेश रोहिल्ला व एम जे एफ लायन दिनेश अग्रवाल द्वारा पधारे सभी डॉक्टर व स्टाफ का माल्यार्पण कर स्वागत व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । लॉयन प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि नेत्र रोग जांच शिविर में कुल 419 रोगियों की जांच की गई। जिसमें 104 विद्यार्थियों व 315 ग्रामीणों की जांच की गई तथा 49 रोगियों की आंखों का नि:शुल्क ऑपरेशन 5 फरवरी को बहरोड़ कस्बे की मिश्री देवी आई हॉस्पिटल की तरफ से किया जाना निश्चित हुआ।

प्रतिभाओं का सम्मान किया

बोराज, (निसं)। कस्बे में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में सोमवार को सरपंच सुरेंद्र सिंह मीणा के मुख्य आतिथ्य में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता संस्था प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी जोशी ने की एवं समारोह के विशिष्ट अतिथि बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रिंसिपल रामनारायण डाबरिया ,गोपाल सांखला व उपसरपंच राजेश कुमावत रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीर के आगे दीप प्रज्वलित कर किया गया।समारोह मे छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी एवं अतिथियों ने विद्यालय की पढाई में अब्बल प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ सुशीला चौधरी ,आशा साहू , भगवती मीणा व अनेक ग्रामीण मौजूद रहे ।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

खैरथल, (निसं)। देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जगह-जगह पर आयोजित कार्यक्रमों में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नगरपालिका में नेता प्रतिपक्ष विक्रम सिंह चौधरी विक्की की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया और उन्हें दुनिया भर में सम्मान की नज़र से देखने को गौरवान्वित महसूस करना बताया। कार्यक्रम में उनके पद चिन्ह पर चलने को प्रेरित किया व 2 मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी सदस्य गिरीश डाटा,जसवंत सिंह आर्य, वरिष्ठ पार्षद नारायण छगॉणी, मोहन शर्मा,रामचंद्र कामरेड, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जय प्रकाश हैडाऊ, राजेन्द्र चौधरी, देशराज जॉगिड, मनोज बुराहडिया, पवन वासु, राहुल रसगोन, प्रकाश दादाणी, सुल्तान तंवर, तिलक राज, महेंद्र यादव, बिट्टू सरदार, पवन कुमार, भरत मिस्त्री,उदय यादव, घनश्याम भारती, अभिषेक हैडाऊ, कर्ण सिंह चौधरी, मुशर्रफ ख़ान बिश्मभर गुर्जर,जाजन मूलानी, मामचदं वाल्मीकि आदि सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- दो मिनट का मौन रखा

इसके अलावा लगभग सभी विद्यालयों में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किये गए इंद्रा हैप्पी स्कूल में 2 मिनट का मोन धारण करके गांधी जी को याद किया टीचर्स ने बच्चों को गांधी के जीवन के बारे मे बताया भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ प्राचार्य डॉ ज्योति, शाला निदेशक पंकज खुराना ने गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष नमन करते हुए माल्यार्पण किया नीतू शर्मा मंजू गुप्ता माही शर्मा ने बच्चो को गांधी जी के बारे में बताया।

भागवत कथा के समापन पर फूलों से खेली होली

किशनगढ़ बास, (निसं)। कस्बे के खैरथल रोड गजानंद गार्डन में श्रीमद् देवी भागवत कथा के समापन पर दुर्गा की विशेष पूजा, देवी भागवत की महिमा के साथ संगीतमय भजनों पर महिलाओं ने खूब नृत्य किया और होली के फागुनी गीत उड़े रे गुलाल रसिया पर जमकर फूलों की होली खेली।

इस अवसर पर कथा आयोजक लंगड़ बास निवासी उद्योगपति चारु देवेंद्र अग्रवाल व वृंदावन धाम के भागवताचार्य प.राम कृष्ण शास्त्री ने 9 दिन से लगातार भागवत कथा में सेवाएं दे रही माताओं व बहनों एवं भाइयों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। भागवत कथा में भागवताचार्य पंडित राम कृष्ण शास्त्री ने श्री राम, श्री कृष्ण व भगवती दुर्गा जन्म से लेकर गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए धर्म-कर्म पुण्य एवं सत्य के पथ पर चलने से मिलने वाली ईश्वरीय शक्ति का ज्ञान कराया। 9 दिन चली श्रीमद् भागवत कथा में पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि व्यापारियों एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने पहुंचकर कथा का लाभ प्राप्त किया।

किशनगढ़ बास में भागवत कथा के समापन पर महिलाओं की भीड़ उमड़ी।

कार्यक्रम के आयोजक चारु देवेंद्र अग्रवाल ने बताया कथा समापन के उपरांत 31 जनवरी मंगलवार को सुबह 10:15 से हवन होगा तथा कलश यात्रा के दौरान शामिल रही महिलाओं को कलश वितरण किए जाएंगे।

पुलिस चौकी भवन का राज्यमंत्री व विधायक ने शिलान्यास किया

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मैड में पुलिस चौकी भवन निर्माण के लिए कई वर्षों पूर्व भामाशाह सुल्तान सिंह नायक व हनुमान नायक द्वारा एक हजार वर्ग गज भूमि समर्पित की गई थी। जिसका रविवार को शिलान्यास व भूमि पूजन गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य व विधायक इन्द्राज गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया।

इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव व विधायक इन्द्राज गुर्जर ने भामाशाह नायक परिवार का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस दौरान गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव ने कहा कि जो इंसान दान करता है उसे ईश्वर की असीम कृपा प्राप्त होती है। क्योंकि देना इंसान को श्रेष्ठ और सत्कर्मी बनाता है। उन्होंने कहा कि भूमि का दान करना पुण्य के समान है। उन्होंने कहा कि हमें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अगर आप भी अपने भीतर की सच्ची खुशी को महसूस करना चाहते हैं तो इस प्रकार के सत्कर्म करें। उन्होंने बताया कि करीब एक हजार वर्गगज भूमि का दान करना अनुकरणीय है। विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि दुनिया में 'दान' के नाम के रूप में 'भामाशाह'का गौरव दिलाने वाले हम उस राजस्थान की भूमि से भामाशाह के वंशज है जिन्हें दान देने की वृत्ति संस्कारों में मिली है, हमें जब भी मौका मिले माटी का कर्ज चुकाने में पीछे नहीं रहते। इस चौकी भवन के बनने से आपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधियों की गतिविधियों में अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर विराटनगर प्रधान प्रतिनिधि कन्हैयालाल गुर्जर, कांग्रेस कमेटी विराट नगर ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र रातावाल, मैड सरपंच बीना मनोज रातावाल, पालडी सरपंच रामकिशोर प्रजापत, नवरंगपुरा सरपंच प्रतिनिधि मुकेश कुमार सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

- दान देना इंसान को श्रेष्ठ और सत्कर्मी बनाता है : यादव
- हम उस राजस्थान की भूमि से भामाशाह के वंशज हैं जिन्हें दान देने की वृत्ति संस्कारों में मिली है : गुर्जर

समाजसेवी कुमावत को श्रद्धांजलि दी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं समाज सेवी गजेंद्र जी कुमावत (लोहरवाडिया) के निधन पर सोमवार को उनके कचियागढ स्थित निवास पर समाज जनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। वे 81 वर्ष के थे।

कुमावत के पुत्र हरिओम कुमावत ने बताया के शिक्षा विभाग में लम्बी सेवा के बाद वे सन 2000 में सेवानिवृत्त हुए। इसके साथ ही वे समाज सेवा कार्यों में सक्रिय रहे। वे श्रीमाधोपुर पेंशनर्स समाज के पूर्व कोषाध्यक्ष व सावित्रीदेवी फाउंडेशन के संरक्षक भी थे। इस अवसर पर भारतीय कुमावत क्षित्रय महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी संदीप कुमावत सहित शिक्षाविद बनवारीलाल खोवाल, रामपाल घोडेला, भरत कुमावत, दीनदयाल शर्मा, छाजूराम कुमावत, आर. के. कुमावत आदि ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की।

भूतेश्वर गौ रक्षा कमांडो फोर्स की कार्यकारिणी गठित

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। क्षेत्र में गौ संरक्षण के लिए अभूतपूर्व कार्य कर रही भूतेश्वर गौ रक्षा कमांडो फोर्स की कार्यकारिणी का गठन किया गया।

जिसमें भूतेश्वर गौरक्षा कमांडो फोर्स डिडवाना के संरक्षक राकेश मेडिवाला व अक्षित जांगिड ने बताया कि भूतेश्वर गौरक्षा कमांडो फोर्स डिडवाना के सभी गौ सेवकों द्वारा सर्वसम्मति से रमेश जालवाला को अपने अध्यक्ष के रूप में चयन किया गया। इसमें उपाध्यक्ष पद पर सोनू बेरडीवाला सागर तिवाडी व सचिव पद पर आकाश जारवाल मंत्री पद पर लाला पंडित व मिडिया प्रभारी अरविंद सैनी व मनीष जांगिड कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता आपातकालीन सेवा प्रभारी मुकेश नारड्या व राजा लखेरा चिकित्सा प्रभारी अंकित सैनी व निखिल जैमन व अक्षय शर्मा खाल व उपसचिव अक्षय जैन व सभी सदस्य कमल जैमन वरिष्ठ सहायक दिपक गिरदावर चन्द्र प्रकाश शर्मा मेडिवाला, चिंटू जांगिड गिरधारी सैनी गोलू भगत, अंकित जैमन अक्षय जौशी विश्वास सौनी सुभाष शर्मा बागवाला रामधन शर्मा टाईगर हेमू जांगिड अंकूर सैनी,सोनू सैनी राहुल सरसिन्या बाबु लाल बूटोल्या नवीन शर्मा डूंगरी, सत्यवान बाबाला,आशीष चोधरी हन्नी पंडित दिनेश योगी धीरज पंडित अभिषेक प्रजापत विकास जालवाला, अजय भगत, रामराय सैनी उमेश शर्मा उपरली ढाणी विष्णु कुईवाला विश्वास कुईवाला नरेश लकड्या आदि कार्यकर्ताओं द्वारा इस निर्णय पर अपनी सहमति जताते हुए सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया तथा गौसेवा में अपनी अमिट छाप छोड़ने संकल्प लिया गया।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान जारी, घर-घर पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता

कोटपूतली, (निसं)। हाल ही में भारत जोड़ो यात्रा के तहत राजस्थान आये कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आह्वान पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों पर हाथ से हाथ जोडो अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत कांग्रेस नेता, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व पदाधिकारी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पद यात्रा कर गांव व ढाणी तक आमजन के बीच भारत जोडो यात्रा के संदेश के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी की नीतियों व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवा रहे हैं।

- कांग्रेस पार्टी की नीतियों व राज्य सरकार की योजनाओं के पत्रक बांटे

कोटपूतली में कांग्रेस पार्टी की नीतियों व राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर कांग्रेसियों ने पत्रकों का घर-घर जाकर वितरण किया।

कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान रविवार को राजमार्ग स्थित कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर ग्राम पंचायत खेडकी वीरभान में घर-घर पहुंचा। वहीं कार्यकर्ताओं ने सोमवार को ग्राम पंचायत देवता में घर-घर पद यात्रा निकालकर पत्रकों का वितरण किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा झण्डा लेकर अपार जोश, उत्साह व उल्लास के साथ पद यात्रा निकालते हुए देश भक्ति के नारे भी लगाये। पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि कांग्रेस पार्टी का संदेश स्पष्ट है कि देश शांति, एकता व भाईचारे के साथ ही प्रगति पथ पर आगे बढ सकता है। जिस प्रकार केन्द्र की मोदी सरकार ने देश में धर्म, जाति, वर्ग, समाज व सम्प्रदाय के नाम पर आपसी संघर्ष की स्थिति उत्पन्न की है, इसके दुष्परिणाम देश के सामने है। इसी खाई को मिटाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने भारत जोडो यात्रा निकाली है, जिसके तहत शांति व भाईचारे का संदेश लेकर जन जन के बीच जा रहे है। मंगलवार को यात्रा ग्राम छारदड्डा व निचला पानेडा में पहुंचेगी। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी, डॉ. सुन्दर लाल, किशन बंसल, करण सिंह अलोरिया, साधुराम जाट, विक्रांत सैन, अशोक जाखड़, पार्षद प्रदीप सैनी, आनन्द सैनी, रामावतार गुरूजी, जितेन्द्र यादव, सरपंच हनुमान यादव, रामौतार थानेदार, श्योराम हवलदार, इन्द्राज हवलदार, मूलचंद यादव, मंजीत यादव समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाने के आदेश

मालपुरा, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सोमवार को मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र की डुंगरीकलां ग्राम पंचायत के डुंगरी खुर्द गांव की 700 बीघा चरागाह भूमि से दो माह में अतिक्रमण हटाने के लिये जिला कलेक्टर व चेयरमैन पीएलपीसी को आदेश दिये। मुख्य न्यायाधिश पंकज मिठ्ठल व न्यायाधीश शुभम मेहता की खण्डपीठ में यह आदेश डुंगरीखुर्द के ग्रामीण सांवर लाल गुर्जर व गोविन्द सिंह राजावत द्वारा एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिए दायर की गई याचिका की सुनवाई के बाद निस्तारण करते हुए दिये हैं। याचिका में बताया गया कि गांव की 700 बीघा चरागाह भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माण सहित सरसों की बुवाई कर रखी है। जिससे ग्रामीणों को मवेशियों को चराने मे परेशानी हो रही है। स्थानीय प्रशासन को वर्ष 2005 से ग्रामीण अर्जियां देकर अतिक्रमण हटाने की मांग कर रहै हैं लेकिन कार्यवाही नहीं की जा रही है। अदालत ने याचिका पर सुनवाई के बाद ग्रामीणों को निर्देश दिये कि वे टोंक कलेक्टर व चैयरमेन पीएलपीसी को अभ्यावेदन दें तथा कलेक्टर दो माह में अभ्यावेदन में बताये बिन्दुओं का निस्तारण करेंगे।

पेंशनर्स समाज की कार्यकारिणी गठित

फुलेरा, (निसं)। राजस्थान पेंशनर्स समाज उपशाखा फुलेरा के नवनियुक्त अध्यक्ष शक्ति सिंह के द्वारा उपशाखा के संविधान द्वारा प्रदत अधिकारों का उपयोग करते हुए कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक के पद पर ओमप्रकाश शर्मा, सभा अध्यक्ष के पद पर सत्यनारायण शर्मा, रामपाल कुमावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर रामेश्वर लाल कारडिया, ग्लोरिया डेविड, उपाध्यक्ष के पद पर विमल शर्मा, अमर चन्द जांगिड तो महासचिव के पद पर भंवर लाल कुमावत, इसी तरह सचिव के पद पर इकरामुद्दीन कुरेशी तो संगठन सचिव के पद पर मदन लाल मेहरा व प्रताप को नियुक्त किया गया। इसी क्रम में कार्यालय सचिव के पद पर भंवर लाल, कोषाध्यक्ष के पद पर सत्यनारायण टांक, संयुक्त सचिव के रूप में नन्दकिशोर शर्मा, महिला मंत्री के पद पर शीला वॉयलेट, संगठन मंत्री के पद पर दामोदर प्रसाद, जगदीश प्रसाद एवं कार्यालय प्रचार मंत्री के पद पर ईश्वर चन्द गर्ग, विधि सलाहकार के रूप में रामेश्वर लाल यादव, इसी तरह नाथू लाल, हनुमान सिंह, कुंवरपाल, रतन लाल, रामकरण, राधेश्याम, मोहन लाल कुमावत, रामेश्वर लाल, सरोज गुप्ता को सदस्य पद पर नियुक्त किया गया।

मुझे लगता है कि इस एक दिवसीय श्रृंखला से बहुत सारी सकारात्मकता चीजें सामने आई हैं। श्रेयस अय्यर रन बना रहे हैं, वह मुश्किल परिस्थितियों में क्रीज पर समय बिताने के लिए तैयार है। सूर्यकुमार के पास निश्चित रूप से क्षमता और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।- **रवि शास्त्री**

पूर्व भारतीय कोच, श्रेयस अय्यर और सूर्य कुमार यादव के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लक्ष्य प्रज्ञानानंदा

शतरंज के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा का मानना है कि विश्व चैम्पियन बनना एक वास्तविक संभावना है और उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करने के लिए खुद को तीन से चार साल का समय दिया है। देश के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर्स में से एक 17 वर्षीय प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को केवल छह महीनों में तीन बार हराया जो उनके करियर के मुख्य आकर्षणों में से एक है। हाल ही में उन्होंने मेल्टवाटर शतरज चैंपियंस टूर फाइनल का अपना सर्वश्रेष्ठ मुकाबला खेलते हुए पोलैंड के ग्रैंडमास्टर यान-क्रिस्टोफ डुडा को हराया।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 87 ओवर में 258 रनपर एकविकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

एक वर्ल्ड कप शेफाली के लिए काफी नहीं, विमेंस टीम इंडिया की ओपनर ने कहा-

अब तो सीनियर वर्ल्ड कप जीतकर ही लौटूंगी

पोचेस्ट्रूम, 30 जनवरी। शेफाली वर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहला विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया। यह पहला मौका है जब भारत ने महिला क्रिकेट में किसी भी लेवल पर वर्ल्ड कप जीता है। इतनी बड़ी कामयाबी के बावजूद शेफाली संतुष्ट नहीं हैं। वे कहती हैं - ये तो बस शुरुआत है। शेफाली ने कहा कि साउथ अफ्रीका से वे सिर्फ इसी ट्रॉफी के साथ भारत नहीं जाना चाहती हैं। वे सीनियर टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भी जीतना चाहती हैं। यह टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका में ही 10 फरवरी से शुरू हो रहा है। शेफाली इसमें भारत की सीनियर विमेंस टीम को रिप्रजेंट करेंगी।

शेफाली ने फाइनल मैच के बाद कहा कि, मैं उन खिलाड़ियों में से हूं जो एक समय पर एक ही टूर्नामेंट पर फोकस करती है। जब मैंने अंडर -19 वर्ल्ड कप कैप्तेन शुरू किया तब मेरा फोकस सिर्फ इस टूर्नामेंट को जीतने पर था। अब मैं अपने कॉन्फिडेंस को आगे लेकर जाऊंगी और सीनियर वर्ल्ड कप भी जीतूंगी। अब मैं अंडर-19 के बारे में भूल कर अब सीनियर टीम पर फोकस करूंगी और हम साथ मिलकर वर्ल्ड कप जीतेंगे।

शेफाली ने 8 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। महज 15 साल की उम्र में शेफाली ने टी-20 से इंटरनेशनल क्रिकेट में एंट्री की थी। 19 साल की उम्र में शेफाली वर्मा ने अंडर-19 क्रिकेट टीम की कप्तानी की।

भारतीय हॉकी टीम के कोच ग्राहक रीड ने इस्तीफा दिया

वर्ल्ड कप में 9वें नंबर पर रही थी टीम, ओलिंपिक और कॉमनवेल्थ मेडल जिताए

नई दिल्ली, 30 जनवरी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के हेड कोच ग्राहम रीड ने अपना पद छोड़ दिया है। पिछले दिनों हॉकी वर्ल्ड कप में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। इस बार का वर्ल्ड कप भारत में ही हुआ था और टीम इंडिया न्यूजीलैंड से हारकर बाहर हो गई थी। 58 साल के रीड के साथ सपोर्ट स्टाफ के कुछ सदस्यों ने भी इस्तीफा दिया।

कोच पद से इस्तीफा देते हुए ग्राहम रीड ने कहा, अपना पद छोड़ने और नई मैनेजमेंट को काम सौंपने का यही सही समय है। हॉकी इंडिया के साथ काम करना मेरे लिए गौरव के क्षण रहे। टीम इंडिया के साथ काम करते हुए मैंने सभी मोमेंट्स को एंजॉय किया।

सपोर्ट स्टाफ में एनालिटिक्स कोच ग्रेग क्लार्क और साइंटिफिक एडवाइजर मिचेल डेविड पेंबर्टन ने भी इस्तीफे दिए हैं। सभी जनवरी में नोटिस पीरियड पर रहेंगे और हॉकी इंडिया की परमिशन मिलने के बाद अपने पद से हट जाएंगे। भारत वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल तक में प्रवेश नहीं कर सका और 9वें नंबर पर रहकर संतोष करना पड़ा। लेकिन, 6 महीने बाद ही भारत को एशियन गेम्स भी खेलना है और 2024 में पेरिस ओलिंपिक भी है। ऐसे में उनके पद छोड़ने का फैसला कितना सही है, ये तो आने वाला समय ही बताएगा। ग्राहम रीड के कोचिंग करियर का सुखद अंत तो नहीं हुआ। लेकिन, उन्होंने टीम इंडिया को अपनी कोचिंग में ओलिंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जिताया है। टीम ने उनकी कोचिंग में ही बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स का सिल्वर मेडल भी जीता। फाइनल में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। 15वें हॉकी वर्ल्ड कप में मेजबान भारतीय टीम इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ पूल डी में थी। भारत ने स्पेन को हराया और इंग्लैंड से ड्रॉ खेला। लेकिन, पहली बार वर्ल्ड कप खेल रहे वेल्स के खिलाफ टीम को 2 गोल पड़ गए। भारत 4-2 के अंतर से मैच तो जीत गया, लेकिन पूल-डी में दूसरे नंबर पर फिनिश करने के बाद टीम को क्रॉसओवर मैच खेलना पड़ा।

अगर भारत वेल्स के खिलाफ बड़े अंतर से जीतता तो पहले नंबर पर फिनिश करता और क्वार्टर फाइनल में भी पहुंच सकता था। क्रॉसओवर में टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से हुआ। जहां न्यूजीलैंड ने हमें पेनल्टी शूटआउट में हराकर चैंपियन बनने की रेस से बाहर कर दिया।

क्रॉसओवर हारने के बाद भारत ने 9वें से 16वें स्थान की टीम बनने के लिए मैच खेले। पहला मैच हमने जापान को 8-0 से हराया और दूसरा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5-2 से जीता। दोनों मैचों में जीत के बाद भारत अर्जेंटीना के साथ संयुक्त रूप से 9वें नंबर पर रहा।

यूरोप में ही होगा रोनाल्डो के करियर का अंत : अल-नस्त्र कोच गार्सिया

रियाज, 30 जनवरी। अल-नस्त्र फुटबॉल क्लब के कोच रूडी गार्सिया ने कहा है कि पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अल-नस्त्र में अपना करियर खत्म नहीं करेंगे और जल्द ही यूरोप लौटेंगे।

गार्सिया ने यह बात लगातार दो मैचों में रोनाल्डो के गोल न कर पाने के बाद कही। सऊदी सुपर कप सेमीफाइनल में अल-नस्त्र को अल-इत्तेहाद के हाथों हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। पुर्तगाल के 37 वर्षीय फुटबॉलर इस क्लब में शामिल होने के बाद से एक बार भी गोल नहीं कर सके हैं।

गार्सिया ने कहा, क्रिस्टियानो रोनाल्डो टीम में एक महत्वपूर्ण जुड़ाव हैं क्योंकि वह डिफेंडरों को छिन्न-भिन्न करने में मदद करते हैं। गार्सिया ने हालांकि सेमीफाइनल में अल-इत्तेहाद के खिलाफ गोल से चूकने के लिये रोनाल्डो की आलोचना की।

चुनौती भरे विकेट पर खुद को शांत रखना काम आया : सूर्य कुमार

लखनऊ 29 जनवरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में स्वाभाव से विपरीत धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी कर भारत के सिर जीत का सेहरा बांधने वाले प्लेयर आफ द मैच सूर्य कुमार यादव ने कहा कि चुनौतियों से भरे विकेट पर संयम से बल्लेबाजी करना काम आया।

इकाना स्टेडियम पर रविवार को खेले गये मैच के बाद सूर्य कुमार ने कहा इकाना की विकेट पर गेंद तेजी से घूम रही थी। यहां की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना बहुत महत्वपूर्ण था। मुझे यह सुनिश्चित करना था कि मैं अंत तक बल्लेबाजी करूँ। मैंने नहीं देखा कि गेंद कहाँ गई। निश्चित रूप से यह एक चुनौतीपूर्ण विकेट था। हमें अंत में बस एक हिट की जरूरत थी और खुद को शांत करना बहुत महत्वपूर्ण था। इससे पहले कि मैं विजयी रन बना पाता, हार्दिक मेरे पास आए और मुझसे कहा कि तुम इस गेंद पर विजयी रन मारोगे। कप्तान की बात ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया और मै यह कर पाया।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा मुझे हमेशा विश्वास था कि हम खेल खत्म कर देंगे। इस तरह के खेल में घबराना महत्वपूर्ण नहीं है। जोखिम लेने के बजाय, हमने स्ट्राइक रोटेट की। यहां 120 का स्कोर भी जीत दिलाने में अच्छा माना जाता। हम अपनी योजनाओं पर कायम रहे, हमने सुनिश्चित किया कि वे (न्यूजीलैंड) स्ट्राइक रोटेट न कर पायें और विकेट गिरते रहे। ओस ने ज्यादा भूमिका नहीं निभाई।

हार से थोड़ा निराश न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा यह क्रिकेट का शानदार खेल था। हमने अच्छी गेंदबाजी की। वास्तव में हम जीत के करीब आ गये थे। अगर हमारे पास 10-15 रन ज्यादा होते तो मैच का रूख कुछ और हो सकता था। जब आप बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो आप निश्चित नहीं होते हैं कि कितना अच्छा स्कोर है। हम 140 की ओर देख रहे थे जबकि इस पिच पर 120 भी एक अच्छा स्कोर होता।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज

मध्यप्रदेश, 30 जनवरी। देश के दिल मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज हो गया है। इस दौरान जोरदार आतिशबाजी की गई। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में सोमवार की शाम इसका औपचारिक उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय राज्यमंत्री निशीथ प्रामाणिक, मध्यप्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा टीटी नगर स्टेडियम में मौजूद रहे। मंच पर अभिलिप्सा पांडा ने हर हर शंभू भजन गाकर समां बांध दिया। गायिका नीति मोहन ने भी अपनी प्रस्तुति दी। कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध ड्रम प्लेयर शिवामणि और ठाुप ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत की प्रस्तुति दी। सिंगर शान ने हर हर मैदान फतेह समेत कई गानों की शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। मंच संचालन अभिनेता जय भानुशाली ने किया। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि देश के दिल में देश के कोने-कोने से आए बेटे-बेटियों का अभिनंदन करता हूं। खिलाड़ियों का भविष्य गढ़ने वाले और नए भारत का निर्माण करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि अनुराग जी आपने कहा मध्यप्रदेश सबका ध्यान रखें, मैं विशास दिलाता हूं हम अतिथि देवो भव का पालन करते हैं, मेहमानों की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी।

इकाना की 'चौंकाने' वाली पिच की हुई आलोचना

लखनऊ, 30 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां खेले गये दूसरे टी20 के बाद इकाना स्टेडियम की पिच को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत के वर्तमान टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या ने न्यूजीलैंड पर करीबी जीत दर्ज करने के बाद इस पिच को 'चौंकाने वाला' बताया। न्यूजीलैंड ने रविवार को खेले गये मुकाबले में भारत के सामने मात्र 100 रन का लक्ष्य रखा, लेकिन इसे हासिल करने में पांड्या की टीम को 19.5 ओवर लग गये। यह पिच स्पिनरों के लिये इस कदर मददगार थी कि पूरे मैच के दौरान कोई भी बल्लेबाज छक्का नहीं लगा सका।

पांड्या ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में कहा, सच कहूं तो यह विकेट चौंकाने वाला था। दोनों मैचों में हमने जिस तरह के विकेट पर खेला है.... मुझे मुश्किल विकेट से कोई परेशानी नहीं है। मैं मुश्किल पिचों के लिये तैयार हूं लेकिन यह पिचें टी20 के लिये नहीं बनी हैं।

पहले टी20 के लिये रांची की पिच भी स्पिनरों के लिये मददगार थी, लेकिन इकाना स्टेडियम की पिच का स्तर अलग था। दोनों कप्तानों ने इस बात को भांप लिया और रविवार को 40 में से 30 ओवर स्पिनरों द्वारा फेंके गये। इससे पहले किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में स्पिनरों द्वारा इतने ओवर नहीं फेंके गये थे।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने मैच के बाद कहा कि वह स्पिनरों को ढूंढने की कोशिश कर रहे थे। सैंटनर ने कहा, यह क्रिकेट का बहुत अच्छा मुकाबला था। इसे इतना रोमांचक बनाने के लिये टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अगर हमने 10-15 रन और बनाये होते तो फर्क पड़ सकता था लेकिन भारत को जीत दिलाने के लिये हार्दिक और सूर्यकुमार यादव ने बहुत अच्छा धैर्य दिखाया। मैं हर जगह से स्पिनरों को ढूंढने की कोशिश कर रहा था। मैंने लोकी फर्ग्यूसन से भी पूछा कि क्या वह ऑफ-स्पिन डाल सकते हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर जेम्स नीशम ने भी पिच को लेकर हार्दिक के विचारों से सहमति जताई। नीशम ने स्टार स्पोर्ट्स पर मैच के बाद कहा, मुझे नहीं लगता कि न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों की कमी थी।

स्मिथ को मिला ऐलन बॉर्डर पुरस्कार

मेलबर्न, 30 जनवरी। स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया में साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर को मिलने वाला 'ऐलन बॉर्डर' मेडल सोमवार को चौथी बार हासिल कर लिया। स्मिथ को इस पुरस्कार के लिये हुए चुनाव में 171 मत मिले, जबकि उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंदी ट्राविस हेड ने 144 मत प्राप्त किये। स्टीव इससे पहले 2015, 2018 और 2021 में यह पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। वह रिकी पॉन्टिंग और माइकल क्लार्क के बाद यह पुरस्कार चार बार पाने वाले तीसरे क्रिकेटर हैं।

कंगारू क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्मिथ ने 32 मैचों में 1524 रन बनाये, जिसमें चार शतक शामिल रहे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 71.92 की औसत से 863 रन जोड़े और ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट की नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसी बीच, बेथ मूनी को ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर को मिलने वाला 'बेलिंडा क्लार्क मेडल' से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह पुरस्कार दूसरी बार प्राप्त किया है जबकि इससे पहले उन्हें 2021 में इससे नवाजा गया था।

शॉ के अंदर आग, उन्हें तीसरे टी-20 में मौका दें : कनेरिया

कराची, 30 जनवरी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सुझाव दिया है कि भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में पृथ्वी शॉ को एकादश में शामिल करना चाहिये। कनेरिया ने अपने यूट्यूब चैनल पर जारी वीडियो में कहा, यह सीरीज का आखिरी मैच है। आपने देख लिया कि शुभमन गिल कैसा खेलते हैं। पृथ्वी शॉ एक प्रतिभावान युवा बल्लेबाज हैं। वह अपने आक्रामक खेल के लिये पहचाने जाते हैं। आप उन्हें शुभमन गिल की जगह टीम में ला सकते हैं। शॉ के अंदर आग है। अगर वह लगातार खेलते हैं तो कमाल कर सकते हैं।

कनेरिया ने कहा, कोई संदेह नहीं कि शुभमन गिल एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें अपनी कमियों पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ अपने खेल को बेहतर करने की जरूरत है। भारत (दूसरा टी20) जीत गया है लेकिन सुधार की जरूरत है।

गिल ने अब तक अपने टी20 करियर के पांच मैचों में 15.2 की औसत और 128.82 के स्ट्राइक रेट से 76 रन बनाये हैं। दूसरी ओर, शॉ ने अपने करियर में सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला है जहां उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में गिल ने सिर्फ 11 रन बनाये, हालांकि भारत ने छह विकेट से जीतकर तीन मैचों की सीरीज बराबर कर ली। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट के नुकसान पर 99 रन बनाये। इसके जवाब में भारत ने 19.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

एसबीआई अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता में जयपुर मंडल ने पटाना मंडल को हराया

जयपुर, 30 जनवरी। अहमदाबाद मंडल के तत्वाधान में एक्का क्लब, अहमदाबाद में खेली जा रही अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता 2022-2023 में जयपुर मंडल ने अपने पहले लीग मुकाबले में पटना मंडल को 48 के मुकाबले 7 अंकों से हराया। कप्तान सुरेश मीना की अगुवाई में जयपुर मंडल के खिलाड़ी सूरज मीना व रामसिंह गुर्जर ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया दिखाया। इस मैच में संदीप मील, महेश कुमार, रामलाल बाना, मेहुल चौहान, नरेंद्र शिवरन, सुभाष चंद्र शेखावत, श्रवण सिंह तंवर, गोविंद शर्मा, परमेश चंद एवं टीम मैनेजर चंद्र मोहन मीना ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

काला चश्मा गाने पर थिरकी अंडर-19 विमेंस टीम

वर्ल्ड कप जीतने के बाद किया सेलिब्रेट, राहुल द्रविड़ ने सीनियर मेंस टीम के साथ दी बधाई

नई दिल्ली, 30 जनवरी। इंडिया अंडर 19 विमेंस टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहला विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप जीतकर ने इतिहास रच दिया। टीम ने गाना काला चश्मा पर डांस करते हुए जीत का जश्न मनाया। जीत पर टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने भी टीम इंडिया के साथ अंडर 19 टीम को बधाई दी।

ने इंस्टाग्राम पर डांस मूव्स का वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा, मैदान पर जीत और उसके बाहर भी। वीडियो में, भारतीय टीम की प्लेयर्स जर्सी और मेडल के साथ काला चश्मा गामे पर डांस करते दिखाई दे रही हैं। प्लेयर्स ने हुक स्टेप को भी शानदार तरीके से किया।

भारतीय सीनियर टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वर्ल्ड कप जीतने पर अंडर 19 विमेंस टीम को बधाई दी। द्रविड़ ने द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, आज का दिन भारतीय महिला अंडर-19 टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन था। मई चाहता हूं कि अंडर 19 मेंस क्रिकेट के पूर्व कप्तान लड़कियों को संदेश दें।

इसके बाद, उन्होंने 2018 अंडर 19 वर्ल्ड कप विनर कप्तान पृथ्वी शॉ को माइक दिया। पृथ्वी ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। बधाई हो, शाबाश। इंडिया विमेंस टीम किसी भी लेवल पर पहली ही बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। जूनियर लेवल पर ने पहली बार वर्ल्ड कप आयोजित कराया।

भारत ने इससे पहले 2005 और 2017 का वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार गए। वहीं, 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भी टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

रिद्धी के लिए पिता ने पहले खुद सीखी थी तीरंदाजी

जबलपुर, 30 जनवरी। पांचवीं बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेने जा रही हरियाणा के करनाल की तीरंदाज रिद्धि की कहानी औरों से जुदा है। आमतौर पर खिलाड़ी पहले अपनी पसंद के खेल को चुनता है और फिर गुरु की तलाश पूरी कर उसमें महारथ हासिल करता है, लेकिन रिद्धि के पिता ने अपनी बेटी के लिये तीरंदाजी को चुनने के बाद पहले खुद इसे सीखा और फिर बेटी के पहले गुरु बने। आइस क्यूब का बिजनेस करने वाले मनोज कुमार की इस लगन का नतीजा ही है कि उनकी 18 साल की बेटी पांचवीं बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स की शोभा बढ़ाने जा रही है। दो साल पहले रिद्धि को भारत सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के विकासशील युवाओं की सूची में जगह मिली थी। रिद्धी मानती हैं कि हर बीतते साल के साथ खेलो इंडिया यूथ गेम्स बेहतर हुए हैं और यह युवा खिलाड़ियों के लिये एक बेहतरीन मंच बन चुका है।

रिद्धि ने 2018 में नयी दिल्ली में आयोजित पहले खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में हिस्सा लिया था, जहां वह आठवें स्थान पर रहीं। पुणे में वह चौथे स्थान पर रही थीं, जबकि गुवाहाटी में उसने अपने प्रदर्शन को बेहतर करते हुए कांस्य पदक जीता था। पिछले साल पंचकूला में हुए खेलों में रिद्धि ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक जीता था।

अपने अंतिम यूथ खेलों में हिस्सा ले रहीं रिद्धि ने कहा, मेरे पापा खुद तीरंदाजी कोच हैं। उन्होंने मुझे सिखाने के लिये पहले खुद तीरंदाजी सीखी है। वह अब करनाल में और कुरुक्षेत्र में अकादमी में कोचिंग देते हैं। मैं जहां से हूं, वहां आसपास कोई तीरंदाजी अकादमी या कोच नहीं है, लिहाजा मेरे पापा ने गुरुग्राम से तीरंदाजी सीखी फिर मुझे लकड़ी के कमान पर सिखाई। मैंने चार साल लकड़ी की कमान चलायी है। फिर 2016 में मैंने मुड़ा हुआ धनुष इस्तेमाल करना शुरू किया। मेरे पापा का मानना था कि तीरंदाजी एक व्यक्तिगत खेल है और इसमें दूसरे खेलों की तरह चोटें कम लगती हैं।

अपने छोटे से करियर में रिद्धि भारत की सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिये भी खेल चुकी हैं। पिछले साल वह फरवरी में फुकेट में आयोजित जूनियर एशिया कप में खेली थीं, जहां उन्हें दो रजत पदक (मिश्रित टीम और टीम) मिले थे। उसके बाद रिद्धि ने हरियाणा की ओर से मार्च 2022 में सीनियर नेशनल खेला जहां उनके नाम सोना आया था। वह इसके बाद एशियाई खेलों के लिये राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत शिविर में ट्रायल्स में शरीक हुईं और टीम में चुनी भी गयीं, हालांकि कोरोना के कारण एशियाई खेल टाल दिये गये।

रिद्धि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के अपने सफर पर कहा, विश्व कप के लिये ए और बी टीमें बनी थीं। मैं ए टीम में थी और तीन विश्व कप खेली। पहला विश्व कप तुर्कफ में हुआ जिसमें मेरा मिश्रित टीम में मेरे प्रेरणास्त्रोत तरुणदीप राय सर के साथ स्वर्ण पदक आया। अगला विश्व कप मई में कोरिया में हुआ जहां मेरी टीम कांस्य पदक जीती। जून में पेरिस विश्व कप में हालांकि मुझे कोई पदक नहीं मिला।

साई सोनीपत सेंटर में दिन में सात-आठ घंटे अभ्यास करने वाली रिद्धी ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स युवाओं को प्रेरणा देने वाला मंच है। रिद्धि ने यूथ गेम्स में पहली बार हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें और दबाव लेने से बचें क्योंकि तीरंदाजी एक ऐसा खेल है जहां दिल की धड़कनें बढ़ने से निशाना चूकने का अंदेशा रहता है।

पूर्व बिशप चंदू लाल की स्मृति में कबड्डी टूर्नामेंट आयोजित

अमृतसर, 30 जनवरी। पंजाब के पारंपरिक खेलों को जीवित रखने और ग्रामीण जनता को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों के मद्देनज़र डायोसिस ऑफ़ अमृतसर (डीओए), चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएनआई) ने अपने पूर्व बिशप और मॉडरेटर, मोस्ट रेवरेंड डॉ. आनंद चंदू लाल की स्मृति में गांव सूफ़ियां में कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया। 'बिशप आनंद चंदू लाल मेमोरियल कबड्डी कप' में छह टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गयी। बाबा बुड्ढा क्लब (रामदास) ने यह खिताब जीता जबकि आनंद स्पोर्ट्स अकादमी (सूफ़ियां) की टीम उपविजेता रही।

डीओआई के बिशप द मोस्ट रेवरेंड डॉक्टर पी के सामंताराय इस टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बिशप सामंताराय ने बिशप चंदू लाल को एक योद्धा करार देते हुएकहा कि वह लैंगिक समानता में विश्वास रखते थे और उन्होंने कहा, बिशप चंदू लाल ने कभी भी चुनौतियों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, अपितु वह अपने कार्यकाल के दौरान डायोसिस द्वारा शुरू की गयी पहलों के माध्यम से जनता को एकजुट करने और उन्हें सशक्त बनाने के लक्ष्यों की ओर बढ़ते रहे। यह कबड्डी टूर्नामेंट उनके कभी हार न मानने वाले जज़्बे को एक श्रद्धांजलि है।

-मुरली विजय ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

चेन्नई, 30 जनवरी। भारत के अनुभवी बल्लेबाज मुरली विजय ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। विजय ने कहा कि वह दुनियाभर में खेलने के अवसर तलाशना जारी रखेंगे और खेल के व्यावसायिक पक्ष को भी खंगालेंगे।

विजय ने ट्विटर पर जारी बयान में कहा, आज मैं अपार कृतज्ञता और विनम्रता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। साल 2002-2018 तक का मेरा सफर मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन वर्ष रहे हैं। खेल के सबसे बड़े स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिये सम्मान की बात रही है।

सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले विजय ने 2008 में भारत के लिये पदार्पण करने के बाद 61 टेस्ट,

17 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने भारत के लिये अपना आखिरी मैच दिसंबर 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में खेला, जिसके बाद उन्हें दोबारा टीम में तलब नहीं किया गया।

विजय ने कहा, मैं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, तमिलनाडु क्रिकेट संघ, चेन्नई सुपर किंग्स और चेंप्लास्ट सनमर द्वारा मुझे दिये गये मौकों के लिये उनका आभारी हूं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं क्रिकेट की दुनिया में और उसके व्यावसायिक पक्ष में नये अवसर तलाशता रहूंगा।

सीमित ओवर क्रिकेट में विजय का बल्ला जमकर नहीं बोल सका, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने कई यादगार पारियां खेलीं। अपने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ 87 रन बनाकर विजय ने एकादश में अपनी जगह पक्की कर ली। इसके बाद उन्होंने अक्टूबर 2010 में भी एक शतक जड़ा, लेकिन लगातार प्रदर्शन न करने के कारण उन्हें टीम से बाहर बैठा दिया गया। उन्हें 2013 में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध घरेलू टेस्ट सीरीज के लिये एक बार फिर टीम में तलब किया गया। उन्होंने टीम प्रबंधन के भरोसे का मान रखते हुए चार टेस्ट मैचों में दो विशाल शतक जड़े।

विजय ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के दौरों पर भी कुछ अच्छी पारियां खेलीं, लेकिन 2018 में रनों का सूखा पड़ने के कारण उन्हें आखिरी बार टीम से बाहर कर दिया गया।

विजय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 106 पारियों में 2619 रन बनाये, जिसमें दो शतक और 13 अर्द्धशतक शामिल रहे। आईपीएल में उनका सबसे यादगार साल 2011 रहा जब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलते हुए अपने दोनों शतक जड़े और फाइनल में 95 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

आमतौर पर मावठ को प्रदेश में फसलों के लिए वरदान माना जाता है। लेकिन शनिवार और रविवार को मावठ की बारिश इतनी ज्यादा हो गयी कि, किसानों की खुशियाँ गम में बदल गईं। ज्यादा बारिश, हवा और सर्दी के कारण जयपुर के सीकर रोड पर खेतों में सरसों, टमाटर व जौ की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। बारिश के साथ चली तेज हवा के कारण एक किसान के खेत की सरसों की पूरी फसल जमीन पर लेट गई। किसानों ने बारिश खुलने के बाद सोमवार सुबह जब अपने खेतों का मुआयना किया तो बर्बाद फसल को देखकर उनके होश उड़ गए। (फोटो दिनेश भारद्वाज)

'कितने दिन तक विधानसभा अध्यक्ष विधायकों के इस्तीफे के मामले में अनिर्णय की स्थिति में लटका कर रख सकते हैं?'

हाई कोर्ट ने यह सवाल विधानसभाध्यक्ष के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से सीधे पूछा

- **मनु सिंघवी ने विधानसभा अध्यक्ष की ओर से पैरवी करते हुए कहा था कि, विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस्तीफे पहले ही अस्वीकार कर दिये गए हैं, इसलिए अब यह जनहित याचिका अर्थहीन हो गई है।**
- **जैसा कि विदित ही है, छह विधायकों ने स्वयं के इस्तीफे साथ-साथ 75 अन्य विधायकों के इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष को दिये थे। अतः सवाल यह उठाया गया है कि, क्या इन छह विधायकों को शेष 75 विधायकों की तरफ से ''लैटर ऑफ अथॉरिटी'' (अधिकार पत्र) दिया गया था, उनकी ओर से इस्तीफा देने के लिये!**

जयपुर, 30 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ द्वारा प्रस्तुत जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। इस याचिका में राठौड़ ने 25 सितंबर 2022 को विभिन्न विधायको द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे गए इस्तीफ़ों पर निर्णय लेने के निर्देश देने की प्रार्थना की थी। जैसा कि विदित है कि इस मामले में कोर्ट ने पूछा था कि विधानसभाध्यक्ष ने 81 विधायकों के इस्तीफे अस्वीकार करने से पूर्व क्या प्रक्रिया अपनाई थी। विधानसभाध्यक्ष की ओर से विधानसभा सचिव ने जवाब प्रस्तुत किया।

लगभग 11:30 बजे जब मामला सुनवाई के लिए लगा तो स्पीकर की ओर से यह निवेदन किया गया कि इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी पैरवी करना चाहते हैं, अत: कोर्ट ने मामले की सुनवाई 2:30 बजे के लिए नियत की। ढाई बजे सुनवाई शुरु हुई तो राठौड़ ने कोर्ट को कहा कि कोर्ट द्वारा 20 जनवरी 23 को दिए गए आदेशों की अनुपालना में विधानसभा सचिव की ओर से 90 पेज का जवाब आज सुबह उन्हें दिया गया है और साथ ही उनके मिसलेनियस प्रार्थना पत्र पर 22 पेज का जवाब अलग से दिया गया है। इसमें विधानसभा सचिव की ओर से कई नए तथ्य पेश किए गए हैं, जिनमें से एक यह है कि 81 विधायकों ने स्पीकर को प्रार्थना प्रस्तुत करके यह कहा है कि उनके द्वारा पूर्व में दिए गए त्यागपत्र स्वैच्छिक नहीं थे।

विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिका में मात्र यह प्रार्थना की गई है कि अध्यक्ष को इस्तीफों के संबंध में आदेश पारित करने के निर्देश दिए जाएं, और याचिका प्रस्तुत करने से पूर्व अध्यक्ष द्वारा आदेश पारित किया जा चुका है। इस पर न्यायालय ने उन्हें टोकते हुए कहा कि आदेश जारी करने से पूर्व ही राजेन्द्र राठौड़ द्वारा प्रस्तुत की जा चुकी है। राजेंद्र राठौड़ के लिए अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि राठौड़ का उद्देश्य इस विवाद को ज्वलंत रखना है। अध्यक्ष द्वारा आदेश पारित किया जा चुका है अत: याचिका सुने जाने योग्य नहीं रही है। इस पर अदालत ने पलटकर टिप्पणी की कि उसे पता है कि विधानसभाध्यक्ष ने अपना आदेश दे दिया है ''लेकिन मूल सवाल यह है कि विधानसभाध्यक्ष जैसी संवैधानिक अथॉरिटी ऐसे मामलों में कितने समय तक निर्णय को लंबित रख सकती है।''

विधानसभा सचिव की ओर से प्रस्तुत याचिका के जवाब में कई खुलासे किए गए हैं, जैसे यह बताया गया है कि वास्तव में 91 नहीं बल्कि कुल 81 विधायकों ने ही इस्तीफ़े दिए थे, जिनमें से 24 विधायकों ने 30 दिसंबर 2022 को, 39 ने 31 दिसंबर 2022 को व शेष 17 ने 1 जनवरी 2023 को अपने इस्तीफा वापस ले लिया। निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने 3 जनवरी 2023 को और वाजिब अली ने 10 जनवरी को इस्तीफा वापस लिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री रघु शर्मा का नाम इस्तीफा देने वाले 81 विधायकों की सूची में नहीं है। इस्तीफ़े वापस ले लिए जाने के कारण 13 जनवरी 2023 को स्पीकर ने इस्तीफे खारिज कर दिए। विधानसभा के प्रक्रिया नियमों का हवाला देते हुए जवाब में कहा गया है कि परिस्थितियों में यदि आवश्यक हो तो स्पीकर द्वारा निर्णय लेने में कुछ महीने लिए जा सकते हैं।

विधानसभा सचिव के जवाब में कहा गया है कि विधानसभाध्यक्ष को पहले दिन से ही आभास हो गया था कि विधायकों द्वारा प्रस्तुत इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिये गये हैं क्योंकि लगभग सभी 75 इस्तीफे उन्हें छह विधायकों ने दिये और पांच विधायकों के इस्तीफों की फोटो कॉपी दी गई। परंतु हैरानी की बात है कि विधानसभा सचिव ने अपने जवाब में यह स्पष्ट नहीं किया है कि विधानसभाध्यक्ष द्वारा इस आभास, कि यह इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिये गये हैं, की पुष्टि करने के लिये तीन महीने के भीतर क्या किया गया और क्या कोई जांच की गई? इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिवक्ता हेमंत नाहटा ने बताया कि इस मामले की पिछली सुनवाई में अदालत ने विधानसभाध्यक्ष से विधायकों द्वारा इस्तीफे वापस लेने के लिये दिये गये पत्र की प्रति उपलब्ध कराने को कहा था, परंतु विधानसभा सचिव ने अपने जवाब के साथ यह दस्तावेज संलग्न नहीं किये हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब विधानसभाध्यक्ष को केवल छह विधायकों ने 81 विधायकों के इस्तीफे दिये थे, तब इन छह विधायकों को बाकी 75 विधायकों ने अपना प्रतिनिधि घोषित करने के लिये कोई अधिकार पत्र दिया था या नहीं? विधानसभा सचिव द्वारा प्रस्तुत जवाब इस पर कोई रोशनी नहीं डालता है। हेमंत नाहटा का कहना है कि विधानसभा अध्यक्ष को केवल इन छह विधायकों से ही पूछताछ करनी चाहिये थी, इन इस्तीफों की प्रामाणिकता जांचने के लिये, परंतु विधानसभा सचिव द्वारा प्रस्तुत जवाब में इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं मिली है।

सुनवाई के बाद राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि उनके द्वारा जनहित याचिका प्रस्तुत करने से संवैधानिक प्रावधानों के साथ योजनाबद्ध तरीक़े से किया गया खिलवाड़, कोर्ट में सबके सामने आ गया है। उन्होंने बताया कि 81 सदस्यों की सूची को उन्होंने ऐसे जनप्रतिनिधियों की सूची होना बताया जिन्होंने पहले तो अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता के विश्वास को ठुकरा कर निजी स्वार्थवश सार्वजनिक रूप से अपने अपने इस्तीफ़े दे दिए, और अब तीन महीने बाद पूरी तरह से पलटते हुए कह दिया कि इस्तीफ़े स्वेच्छा से नहीं दिए गए थे। जैसा कि विदित है कि 25 सितम्बर को कई मीडिया चैनलों में देखा गया था कि कई कांग्रेस तथा निदलीय विधायक शांति धारीवाल के निवास पर इकट्ठा हुए थे और फिर बस के जरिये विधानसभाध्यक्ष के निवास के लिये अपना इस्तीफा देने के लिये रवाना हुए थे। तब प्रताप सिंह खाचरियावास तथा अन्य कांग्रेस विधायकों ने मीडिया को बयान भी दिये थे कि शांति धारीवाल के निवास पर 92 विधायक इकट्ठा हुए थे।

राठौड़ ने सुनवाई के बाद कहा कि यह एक अकल्पनीय परिस्थिति है कि 81 विधायकों से जबरन इस्तीफ़े ले लिये गए। अगर प्रदेश में 81 विधायकों के साथ इस प्रकार से जबरदस्ती की जा सकती है तो राज्य में कानून व्यवस्था की दयनीय स्थिति का इससे बुरा उदाहरण नहीं मिल सकता। 81 विधायकों के इस्तीफ़े देने वाले छह माननीय विधायकों को अब यह बताना होगा कि उन्होंने 81 विधायकों की इच्छाशक्ति और मानसिकता को जबरन अपने वश में लेने के लिए आख़िर ऐसे कौन से हथकंडे अपनाए, जिस के वशीभूत होकर या उससे भयभीत होकर 81 विधायकों ने अपनी इच्छा के विरुद्ध उन्हें इस्तीफ़े सौंप दिए जबकि जनता ने अपनी आँखो से टेलीविजन पर लाइव देखा था कि 25 सितम्बर 2022 को विधायकों को बसों में भर भर कर इस्तीफ़े देने के लिए स्पीकर महोदय के घर ले जाया गया था और कतारबद्ध होकर इस्तीफा सौंपने वाले विधायको के फोटो अखबारों में प्रकाशित हुए थे, जिनके लिए अब जवाब में यह कहा गया है कि मीडिया रिपोर्ट्स साक्ष्य में ग्राह्य नहीं है।

वहीं विधायकों के इस्तीफा प्रकरण में राजेन्द्र राठौड़ ने अपना प्रति उत्तर देने के लिये समय मांगा है, जिसके लिये अदालत ने 13 फरवरी को इसकी अगली तारीख तय की है।

विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक में जातगत जनगणना की मांग भी जोरशोर से उठाई

बैठक में विपक्ष ने सदन की कार्यवाही के दिनों में कटौती के मुद्दे पर भी सरकार के समक्ष विरोध जताया

- **बैठक में भाग लेने के बाद वाईएसआर कांग्रेस के संसदीय दल के नेता वी. विजय साई रेड्डी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उन्होंने सरकार से संसद की कार्यवाही के दिनों में कमी आने पर चिंता व्यक्त की तथा महिलाओं के लिए आरक्षण, ब्लू इकॉनोमी, पिछड़े वर्ग के कल्याण के मुद्दे उठाये।**

नयी दिल्ली, 30 जनवरी (वार्ता)। संसद के बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को यहां सर्व दलीय बैठक में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने देश में पिछड़े वर्ग की आर्थिक स्थिति को जानने के लिए जाति आधारित आर्थिक जनगणना कराये जाने की मांग की।

संसद के पुस्तकालय भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक में वाईएसआर कांग्रेस की इस मांग को तृणमूल कांग्रेस, जनता दल यूनाइटेड, बीजू जनता दल तथा कुछ अन्य पार्टियों का भी समर्थन मिला।

बैठक में भाग लेने के बाद वाईएसआर कांग्रेस के संसदीय दल के नेता वी. विजय साई रेड्डी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उन्होंने सरकार से संसद की कार्यवाही के दिनों में कमी आने पर चिंता व्यक्त की तथा महिलाओं के लिए आरक्षण, ब्लू इकॉनोमी, पिछड़े वर्ग के कल्याण के मुद्दे उठाये।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि देश में करीब 50 प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्ग की है। पिछड़े वर्ग की जाति आधारित जनगणना की मांग पुरानी है।

आज उन्होंने मांग की है कि पिछड़ी जातियों की आर्थिक स्थिति विशेष रूप से शैक्षिणक, स्वास्थ्य एवं रोजगार की स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए, इसलिए जनगणना में जाति आधारित आर्थिक सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। इससे पिछड़े वर्ग की वास्तविक स्थिति का पता चल पाएगा।

'50 केन्द्रीय शिक्षण संस्थान बगैर अध्यक्ष के'

- **मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, अगर यह स्थिति है तो भारत सरकार विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों की बात किस मुँह से करती है।**

नयी दिल्ली, 30 जनवरी (वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश के 50 महत्वपूर्ण संस्थानों में अध्यक्ष के पद खाली होने को लेकर मोदी सरकार पर आज कड़ा हमला किया और कहा कि बात विश्व स्तर की शिक्षा व्यवस्था कायम करने की बात करते हैं लेकिन बुनियादी बात पर ध्यान नहीं देते हैं।

खड़गे ने ट्वीट किया राष्ट्रीय महत्व के 50 संस्थान बिना अध्यक्ष के हैं। आपकी सरकार के सत्ता में आने के साल से 10 पद खाली हैं।

'मुझे चेताया गया था...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीति, जो बाँटती है, तोड़ती है, देश को प्रभावित करती है। इस प्रकार, एक प्रकार से यह एक आध्यात्मिक यात्रा थी।''

इससे पहले दिन में राहुल ने यात्रा के शिविर स्थल चश्मेशाही पर तिरंगा फहराया। उन्होंने 4000 किलोमीटर लम्बी अपनी पदयात्रा का समापन श्रीनगर में रविवार को किया। यात्रा में 5 महीनों में 12 राज्यों में गए। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस के संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा दूसरा चरण अवश्य होगा। अभी हमें यह तय करना है कि यह कैसे होगा। अंतिम निर्णय नहीं हुआ है पर दूसरा चरण तो होगा जिसमें राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

पांच माह तक चली यह पदयात्रा दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरु हुई और जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में इसका समापन हुआ।

पदयात्रा में देश भर में लोगों की भारी भीड़ जुटी और कई नामचीन हस्तियों ने भी इसका समर्थन किया।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि यात्रा का उद्देश्य संकटग्रस्त कांग्रेस पार्टी के आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करना भी था क्योंकि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद इसकी लोकप्रियता तेजी से गिर रही थी।

रविवार को श्रीनगर में आयोजित एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कांग्रेस सांसद राहुल ने कहा कि उन्हें देश भर में भारी समर्थन प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा कि ''यात्रा का उद्देश्य यह भी है कि इस देश के लोग देश की सच्ची आवाज सुन सकें।''

उन्होंने आगे कहा कि ''हमने इस यात्रा के दौरान भारत के लोगों के जीवट और शक्ति को देखा। हमें देश के युवा बेरोजगारों और किसानों के मुद्दे भी सुनने को मिले।''

राहुल गांधी ने अमित शाह और भाजपा के अन्य नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि यदि इस केन्द्र शासित प्रदेश में स्थिति इतनी ही अच्छी है तो वे जम्मू से लाल चौक तक पैदल चलकर बताएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 135 दिन में 4 हजार 84 किलोमीटर की पदयात्रा कर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने वर्ष 2017 से 2019 के बीच डेढ़ साल में भी इतनी दूरी तय नहीं की थी।

वाय.एस.आर. कांग्रेस पार्टी के जगन मोहन रेड्डी 3 हजार 648 किमी. पैदल चले थे और उनकी यात्रा के बाद हुए विधानसभा चुनावों में उन्हें अभूतपूर्व बहुमत मिला था। राहुल गांधी की पदयात्रा से पहले जगन मोहन की यात्रा को ही देश के किसी राजनेता की सबसे लम्बी दूरी की यात्रा माना जाता था।

जगन रेड्डी ने ''प्रजा संकल्प यात्रा'' अपने स्वर्गीय पिता राजशेखर रेड्डी के पैतृक गांव इदुपलायापाया से 6 नवम्बर 2017 को शुरु की थी। यह गांव वाय.एस.आर. कडपा जिले में हैं। इस यात्रा का समापन ओडिशा की सीमा के निकट श्रीकाकुलम जिले के इच्छापुरम में 9 जनवरी 2019 को हुआ था, हालांकि यात्रा के बीच-बीच में ब्रेक लिये गये थे। राहुल गांधी ने श्रीनगर में भारत जोड़ो यात्रा कैम्प स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने अपनी 136 दिन लम्बी पैदल यात्रा के लिए ''भारत यात्रियों'' को उनके प्रेम, स्नेह और समर्थन को लेकर धन्यवाद दिया। उनकी पदयात्रा पिछले वर्ष 7 सितम्बर को कन्याकुमारी से शुरु हुई थी।

ब्रिटेन में ''बी.बी.सी चलो'' अभियान चलाया भारतीय मूल के लोगों ने

- **भारतीयों के संगठनों ने बी.बी.सी के पांच दफ्तरों के घेर लिया, सड़कों पर इन लोगों का भारी हुजूम नज़र आया**
- **भारतीय संगठनों ने बी.बी.सी. के खिलाफ एकजुट होकर प्रधानमंत्री मोदी और भारत की छवि बिगाड़ने की साजिश रचने के लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।**

नई दिल्ली/लंदन, 30 जनवरी। गुजरात दंगों पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को लेकर बनाई गई बीबीसी की डॉक्यूमैन्टरी के विरोध में ब्रिटेन के सभी प्रमुख शहरों में तिरंगे के साथ भारतीयों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इससे लंदन से लेकर बीबीसी के दफ्तर तक भूचाल आ गया।

भारत की छवि खराब करने और प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए भारतीयों ने बीबीसी का दफ्तर भी घेर लिया। इससे बीबीसी के कार्याधिकारी भी दहशत में आ गए। भारतीयों ने देर तक बीबीसी मुख्यालय को घेरे रखा और उसके खिलाफ गगनभेदी नारे लगाए। ब्रिटेन में लंदन से लेकर मैनचेस्टर, बर्मिंघम, ग्लासगो और न्यूकैसल में हिंदुस्तानियों का विशाल हुजूम देखकर ब्रिटिश हुकूमत भी सकते में आ गई। भारतीयों ने उक्त सभी शहरों के बीबीसी स्टूडियो का घेराव करने के लिए 'चलो बीबीसी' अभियान चलाया, जो जबरदस्त तरीके से सफल रहा। उक्त शहरों के सभी बीबीसी स्टूडियो पर भारतीयों के विरोध प्रदर्शन को देखकर बीबीसी के हाथ-पैर फूल गए। भारत सरकार पहले ही अपने देश में इस डॉक्यूमैन्टरी पर बैन लगा चुकी है।

ब्रिटेन की सड़कों पर उतरकर इंडियन डायस्पोरा यूके' (आईडीयूके), 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी इंटरनेशनल' (एफआईएसआई) यूके, 'इनसाइट यूके' और 'हिंदू फोरम ऑफ ब्रिटेन (एचएफबी) जैसे संगठनों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने 'बायकॉट बीबीसी', 'ब्रिटिश बायस कॉर्पोरेशन' और 'स्टॉप द हिंदूफोबिक नैरेटिव' (हिंदुओं के खिलाफ नफरत पैदा करने वाले आख्यान को रोको), 'बीबीसी शर्म करो' और 'भारत माता की जय' जैसे नारे लिखी तख्तियां लहराईं। एफआईएसआई यूके के जयु शाह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आधारित वृत्तिचत्र अत्यंत पक्षपातपूर्ण है। भारतीय न्यायपालिका ने मोदी को पूरी तरह बेकसूर बताया है। इसके बावजूद बीबीसी ने न्यायाधीश और न्यायपालिका बनने का फैसला किया।

बीबीसी ने भले ही गुजरात दंगों पर प्रधानमंत्री की छवि खराब करने का प्रयास किया हो, लेकिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी इस डॉक्यूमैन्टरी को खारिज कर चुके हैं। जयु शाह ने कहा, ''बीबीसी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होनी चाहिए और सार्वजनिक प्रसारक के रूप में अपने कर्तव्य में विफल रहने पर बीबीसी के निदेशक मंडल की जांच की जानी चाहिए।'' एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि उनकी मां शारीरिक अक्षमता के कारण व्हीलचेयर की मदद लेती हैं और इसके बावजूद वह यहां आई हैं, क्योंकि उन्हें लगा कि बीबीसी द्वारा फैलाए जा रहे ''झूठे और भारत विरोधी दुष्प्रचार'' के खिलाफ आवाज उठाने की आवश्यकता है।

ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) का वृत्तिचत्र 'इंडिया: द मोदी क्वेश्चन' दो भाग में है, जिसमें दावा किया गया है कि यह 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित कुछ पहलुओं की पड़ताल पर आधारित है। साल 2002 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। विदेश मंत्रालय ने वृत्तिचत्र को ''दुष्प्रचार का हिस्सा'' बताते हुए खारिज कर दिया था और कहा था कि इसमें निष्पक्षता का अभाव है तथा यह एक औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है।

'ऐसा फोन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कश्मीरी लोग सी.आर.पी.एफ. के जवान, सेना के जवान तथा उनके परिजन ही समझ सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह तथा डोवाल और आर.एस.एस. के लोग इस प्रकार के फोन कॉल्स का दर्द नहीं समझ सकते।

राहुल ने कहा कि ऐसा ही फोन कॉल 21 मई को उन लोगों के परिजनों के पास गया था, जो पुलवामा हमले में मारे गये थे। उन्होंने कहा, ''हजारों कश्मीरी मित्रों को ऐसे कॉल मिलते हैं, हमारे सैनिकों के परिवारों को ऐसे फोन कॉल मिलते हैं। ऐसे फोन कॉल से मन को कितना आघात पहुँचता है, इस बात को मैं और मेरी बहिन समझते हैं। जब यहाँ कश्मीर में लोग मारे जाते हैं, उस समय क्या होता है।

भाजपा और आर.एस.एस. द्वारा उन पर हमले किये जाने, उन्हें अपशब्द कहे जाने पर राहुल ने कहा कि मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ क्योंकि ये लोग जो दबाव मुझ पर बनाते हैं, उससे मैं (राहुल) कुछ न कुछ सीखता ही हूँ।'' उन्होंने कहा वे भारत की विचारधारा पर हमले कर रहे हैं, जो इस देश की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस लम्बी पदयात्रा में उनके साथ रहे, उन्होंने इस विचारधारा की रक्षा करने की कोशिश ही तो की है।

राहुल ने आगे कहा, ''हम जानते हैं कि हमने नफरत के बाजार में प्रेम की एक दुकान खोलने की कोशिश की है।'' हम लोगों को यह याद दिला रहे हैं कि भारत प्रेम, आदर और सौहार्द का देश है।'' उन्होंने कहा, यह यात्रा मैंने न तो स्वयं अपने लिये की है और न कांग्रेस के लिये, बल्कि भारत की जनता के लिये की है कि वे अपनी विचारधारा की नींव तक पहुँचें तथा द्वेष के सहारे नहीं, बल्कि प्रेम के साथ मिलकर उठ खड़े हो।

'कांग्रेस विधायकों ने स्वेच्छा से नहीं दिए थे इस्तीफे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें प्रमुख सवाल यह होगा कि यदि सभी विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफे नहीं दिए, तो फिर सभी ने किस के दबाव में इस्तीफे दिए और किसके दबाव में सभी विधायक बस में बैठकर एक साथ विधानसभा अध्यक्ष के आवास पर गए। और यदि विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफे नहीं दिए तो फिर इस्तीफा वापस लेने में 3 महीने से ज्यादा का समय कैसे लगा दिया। इन सवालों को लेकर एक बार फिर कांग्रेस के अंदर आरोप - प्रत्यारोप की राजनीति भी शुरू हो सकती है।

इधर सोमवार को राजस्थान उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान राजस्थान के कांग्रेस विधायकों की ओर से 25 सितंबर को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के सरकारी आवास पर दिए गए स्तीफो के मामले में विधानसभा सचिव की ओर से पेश किए गए जवाब में कहा गया है कि विधायकों के इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं थे। ऐसे में कानून की नजर में ये इस्तीफे कोई महत्व नहीं रखते हैं। इसलिए इन इस्तीफों को खारिज किया गया था।

विधानसभा सचिव की ओर से दिए गए इस जवाब के बाद राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता राजेंद्र राठौड़ को जवाब पेश करने के लिए 13 फरवरी तक का समय दिया है। विधानसभा स्पीकर की ओर से अपने जवाब में कहा गया कि दिए गए सभी त्यागपत्रों में विधानसभा क्षेत्र का नाम और विभाजन संख्या के अलावा शेष तथ्य मशीनी अंदाज में एक समान लिखे गए थे। साथ ही विधायकों ने अपने त्यागपत्र अलग-अलग नहीं दिए थे और छह विधायकों ने ही पेश होकर सभी के त्यागपत्र सामूहिक रूप से पेश किए थे। जवाब में बताया गया कि गत 25 सितंबर को विधायक महेश जोशी, महेन्द्र चौधरी, संयम लोढ़ा, शांति धारीवाल और रफीक खां सहित विधायक रामलाल जाट ने स्वयं के साथ ही 81 विधायकों के त्यागपत्र सामूहिक रूप से स्पीकर के समक्ष प्रस्तुत किए थे। इन त्यागपत्रों में विधायक अमित चाचाण, गोपाल लाल मीणा, चेतन सिंह चौधरी, दानिश अबरार और सुरेश टांक के त्यागपत्रों की फोटो कॉपी पेश की गई थी। विधानसभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियम 173 (4) के तहत कोई सदस्य स्पीकर द्वारा इस्तीफा स्वीकार किए जाने से पहले अपना त्यागपत्र वापस ले सकता है। इसके अलावा विधायक का त्यागपत्र स्वीकार करने के बाद ही सदन में उसका स्थान रिक्त होता है। प्रकरण संविधान की 10वीं अनुसूची में नहीं होने के कारण कोर्ट इसमें दखल नहीं कर सकता है।

सुनवाई के दौरान विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिका में गुहार की गई है कि स्पीकर को इस्तीफे पर फैसला करने के निर्देश दिए जाएं। अब क्योंकि विधानसभा अध्यक्ष इस्तीफों पर फैसला कर चुके हैं तो इस याचिका को खारिज किया जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यह याचिका जनहित का मुद्दा ना होकर राजनीति से प्रेरित है। इसलिए भी कोर्ट को याचिका खारिज करनी चाहिए।

ऐसे में अदालत ने कहा कि इस्तीफों पर निर्णय लेने के लिए कोई तय समय अवधि होनी चाहिए, तो सिंघवी ने कहा कि स्पीकर सदन का मास्टर होता है और प्रकरण 10वीं अनुसूची का भी नहीं है। वहीं याचिकाकर्ता राजेन्द्र राठौड़ की ओर से कहा गया कि उन्हें आज ही जवाब की कॉपी दी गई है, इसलिए उन्हें इसका अध्ययन करने और इस पर अपना जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत अदालत ने मामले पर अगली सुनवाई 13 फरवरी को तय की है।

'सन् 1962 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर भारत की पहुंच खत्म हो गई है।

जयराम ने एक बयान में कहा कि मई 2020 से ही मोदी सरकार ने लद्दाख में चीन के अतिक्रमण से निपटने के लिए जिस रणनीति का चयन किया है, उसे संक्षेप में डी.डी.एल.जे. यानी कि डिनाई, डिस्ट्रैक्ट, लाई और जस्टिफाई कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि ''वास्तविकता यह है कि वर्ष 1962 और 2020 के बीच कोई तुलना नहीं की जा सकती है, सन् 1962 में भारत ने अपनी भूमि की रक्षा के लिए युद्ध लड़ा था और वर्ष 2020 में भारत ने चीन के अतिक्रमण को चुपचाप स्वीकार कर लिया। उसके बाद दोनों देशों के सैनिक डिसअंगेज हुए जिसमें भारत के अपना हजारों वर्ग किलोमीटर भू-भाग गंवा दिया।''

उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर ने वर्ष 2017 में राहुल गांधी की चीन के राजदूत के साथ हुई मुलाकात को लेकर एक निम्न दर्जे की टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि विडम्बना यह है कि यह बात एक ऐसे व्यक्ति द्वारा कही जा रही है जो ओबामा के राष्ट्रपति कार्यकाल में अमेरिका में भारत का राजदूत था और संभव है कि वह उस समय विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन्स के प्रमुख नेताओं से भी मिला होगा। क्या विपक्ष के नेता उन देशों के राजनयिकों से मुलाकात करने के पात्र नहीं हैं, जो देश व्यापार, निवेश और सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

''यह असाधारण है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने कई अवसरों पर यह स्वीकार किया है कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि चीन लाइन-ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर आक्रामक क्यों हो गया है।'' जयराम ने कहा कि जयशंकर ने यह बात इस तथ्य के बावजूद कही कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिंनपिंग की मुलाकातें होती रहती हैं और प्रधानमंत्री भी शेखी बघारते हैं कि राष्ट्रपति शी के साथ उनका एक विशेष संबंध है।

अडानी ग्रुप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई सर्वदलीय मीटिंग में उपस्थित द्रमुक नेताओं ने शेयर मार्केट में अडाणी को हुये नुकसान का मुद्दा उठाया तथा माँग की कि बजट सत्र के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा कराई जाये। ज्ञातव्य है कि अमेरिका की शॉर्ट सैलर हिन्डनबर्ग रिसर्च में अडाणी ग्रुप पर स्टॉक में धाँधली तथा गड़बड़ी जैसे गलत कार्यों का आरोप लगाया है। अडाणी ग्रुप ने इन सारे आरोपों को ''झूठ के सिवाय और कुछ नहीं'' कहकर खारिज कर दिया है। अडाणी ग्रुप ने 400 से अधिक पृष्ठों के जवाब में इन आरोपों पर अपनी विस्तृत प्रतिक्रिया दी है, जिसे हिन्डनबर्ग रिसर्च ने यह कहकर खारिज कर दिया है कि यह जवाब ''टु द पॉइन्ट'' नहीं है। हिन्डनबर्ग रिसर्च ने कहा है कि अडाणी ग्रुप ने उसकी रिपोर्ट में उठाये गये एक भी प्रश्न का सटीक जवाब नहीं दिया है। ज्ञातव्य है कि इस रिपोर्ट ने गत सप्ताह स्टॉक मार्केट में खलबली पैदा कर दी थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908